प्रिलिम्स रिफ्रेशर प्रोग्राम 2020 : टेस्ट 4

1. **चंद्रयान -2 मिशन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:**
   1. चंद्रयान -2 एक एकीकृत अंतरिक्षयान है जिसमें एक ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर शामिल हैं।
   2. यह किसी भी अन्य खगोलीय पिंड पर उतरने का इसरो का पहला प्रयास था।
   3. इसका उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर एक रोवर उतारना था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

चंद्रयान-2, चंद्रयान-1 के बाद भारत का दूसरा चंद्र अन्वेषण मिशन था।

- इसे जुलाई 2019 में चंद्रमा के ऑर्बिटर, लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान से युक्त एक एकीकृत अंतरिक्षयान के रूप में लॉन्च किया गया था। ये सभी चंद्रमा का अध्ययन करने के लिये वैज्ञानिक उपकरणों से लैस हैं। **अतः कथन 1 सही है।**
- चंद्रयान -2 का उद्देश्य चंद्रमा पर एक अंतरिक्षयान की सॉफ्ट लैंडिंग कराना था। किसी भी बाह्य ग्रह के सतह पर अंतरिक्षयान उतारने का यह भारत का पहला प्रयास था। **अतः कथन 2 सही है।**
- चंद्रयान-2 की चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर लैंडिंग प्रस्तावित थी। **अतः कथन 3 सही है।**
  - चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव इसलिये चुना गया क्योंकि इसकी सतह का बड़ा हिस्सा उत्तरी ध्रुव की तुलना में अधिक छाया में रहता है।
  - इसके चारों ओर स्थायी रूप से छाया में रहने वाले इन क्षेत्रों में पानी होने की संभावना है।
  - चाँद के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के ठंडे क्रेटर्स (गड्ढों) में प्रारंभिक सौर प्रणाली के लुप्त जीवाश्म रिकॉर्ड मौजूद हैं।

2. **लाग्रांज बिंदु के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:**
   1. ये वे स्थान हैं जहाँ दो बड़े द्रव्यमानों का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव एक-दूसरे को लगभग संतुलित करता है।
   2. आदित्य- L1 उपग्रह को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लाग्रांज बिंदु-1 (L1) के आसपास रखा जाएगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- लाग्रांज बिंदु अंतरिक्ष में एक स्थान है जहाँ दो बड़े पिंडों, जैसे कि पृथ्वी और सूर्य या पृथ्वी

और चंद्रमा का संयुक्त गुरुत्वाकर्षण बल, एक तीसरे छोटे निकाय पर आरोपित अभिकेंद्रीय बल के बराबर होता है। अत: इस बिंदु पर स्थित कोई वस्तु स्थिर रहती है। **अतः कथन 1 सही है।**

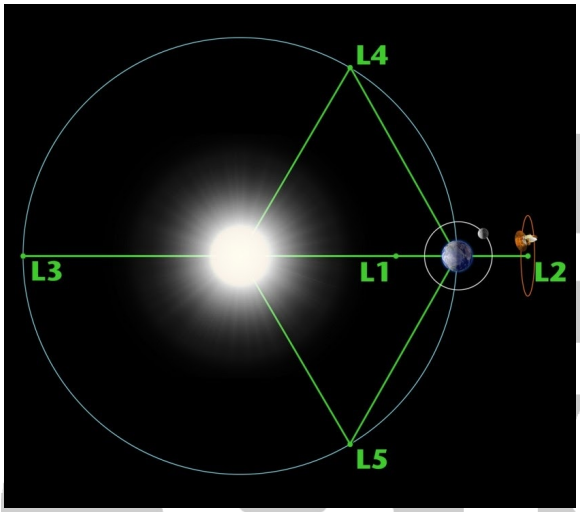

- बलों का परस्पर प्रभाव एक संतुलन बिंदु बनाता है जहाँ एक अंतरिक्षयान को अवलोकन हेतु रखा जा सकता है। इससे उस स्थान पर रखा गया कोई भी छोटा द्रव्यमान बड़े द्रव्यमान के सापेक्ष एक नियत दूरी पर बना रहेगा। इनका उपयोग अंतरिक्षयान द्वारा अपनी स्थिति में बने रहने के लिये आवश्यक ईंधन की खपत को कम करने हेतु किया जा सकता है।
- ग्रह या तारे जैसे वृहद् पिंडों के चारों ओर पाँच लग्रांज बिंदु (L1, L2, L3, L4, L5) होते हैं।
    - उनमें से तीन, दो बड़े निकायों को जोड़ने वाली रेखा के साथ पाए जाते हैं। उदाहरणस्वरूप पृथ्वी-सूर्य प्रणाली में पहला बिंदु L1, पृथ्वी से लगभग 1 मिलियन मील दूर पृथ्वी और सूर्य के बीच स्थित है।
    - L1 से सूर्य का एक निर्बाध दृश्य प्राप्त होता है, इसलिये आदित्य- L1 मिशन (भारत का पहला सौर मिशन) को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लग्रांज बिंदु-1 (L1) के आसपास रखा जाएगा। **अतः कथन 2 सही है।**

3. 'गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग' के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?

a. यह समताप मंडल की एक परिघटना है जो ओज़ोन स्तर में वृद्धि करती है।

b. हाल ही में लेज़र इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी द्वारा इसकी खोज की गई है।

c. यह अंतरिक्ष में विशाल पदार्थ द्वारा सृजित एक गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र है जो इसके पीछे स्थित वस्तुओं से आने वाले प्रकाश को विकृत और आवर्द्धित करता है।

d. रिमोट सेंसिंग उपग्रहों द्वारा विशेष स्थान तक पहुँच के लिये इसका उपयोग किया जाता है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- गुरुत्वीय लेंसिंग अंतरिक्ष में किसी बड़ी वस्तु के उस प्रभाव को कहते हैं जिसमें वह वस्तु अपने पास से गुज़रती प्रकाश की किरणों को मोड़कर एक लेंस की तरह कार्य करती है।
- भौतिकी के सामान्य सापेक्षता सिद्धांत के अनुसार, कोई भी वस्तु अपने आसपास के व्योम ('दिक्-काल' या स्पेस-टाइम) को मोड़

देती है और बड़ी वस्तुओं में यह झुकाव अधिक होता है।

- यह परिघटना तब घटित होती है जब भारी मात्रा में पदार्थ, जैसे कि एक विशाल आकाशगंगा या आकाशगंगाओं का समूह एक गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र बनाता है जो अपने पीछे की वस्तुओं के प्रकाश को आवर्द्धित या विकृत करता है।
- यह प्रभाव शोधकर्त्ताओं को दूर स्थित आकाशगंगाओं का अध्ययन करने में मदद करता है जिन्हें सबसे शक्तिशाली अंतरिक्ष दूरबीनों से देखा जा सकता है।
- अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा वर्ष 2021 में जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (JWST) लॉन्च करने की योजना बना रही है, जो खगोलीय अवलोकन के लिये 'गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग' जैसी प्राकृतिक परिघटना की सहायता लेंगे। **अतः विकल्प (c) सही है।**

4. 'तमिल योमन' शब्द जिसका उल्लेख कभी-कभी समाचारों में किया जाता है, किससे संबंधित है?

a. जैव विविधता संरक्षण से
b. जैविक खेती से
c. तितली की प्रजाति से
d. स्थानांतरण खेती से

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- तमिल योमन (वैज्ञानिक नाम-Cirrochroa Thais), पश्चिमी घाट में पाई जाने वाली तितली की स्थानिक प्रजाति है। तमिलनाडु द्वारा इसे राजकीय तितली घोषित किया गया है।
  - गहरे नारंगी तथा भूरे रंग वाली योमन तितली पश्चिमी घाट में पाई जाने वाली तितलियों की 32 प्रजातियों में से एक है।
  - इसे तमिल मारवन (Tamil Maravan) के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है योद्धा।
  - ये तितलियाँ पर्यावरण के लिये अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि ये परागण और खाद्य शृंखला में मुख्य भूमिका निभाती हैं।
  - साथ ही ये तितलियाँ कई अन्य वर्गों जैसे-पक्षियों एवं सरीसृपों का शिकार भी बनती हैं।
  - तमिलनाडु राज्य तितली की घोषणा करने वाला देश का पाँचवां राज्य है, जबकि महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है जिसने राजकीय तितली (ब्लू मोरमोन) की घोषणा की।
  - उत्तराखंड में कॉमन पीकॉक (Common Peacock), कर्नाटक में दक्षिणी बर्ड विंग (Southern Bird Wings) तथा केरल में मालाबार बैंडेड पीकॉक (Malabar Banded Peacock) को राजकीय तितली का दर्ज़ा प्राप्त है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

5. कभी-कभी समाचारों में उल्लिखित 'प्लूनेट्स' शब्द किसे संदर्भित करता हैं?

a. ऑर्फन्ड उपग्रह
b. उल्कापिंड

c. क्षुद्र ग्रह

d. क्यूबसेट

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- खगोलविदों ने आकाशीय पिंडों के एक नए वर्ग 'प्लूनेट' की खोज की है। ये वैसे उपग्रह है जिनका अभी तक किसी भी ग्रह से संबंध का पता नहीं चल पाया है। ये ऐसे ऑर्फन्ड उपग्रह (Orphaned Moons) हैं जो अपने मूल ग्रह की परिक्रमा करने की बजाय अपने तारे की परिक्रमा प्रारंभ कर देते हैं।
- शोधकर्त्ताओं के अनुसार, ग्रह एवं इसके उपग्रह (चंद्रमा) के बीच की कोणीय गति के परिणामस्वरूप चंद्रमा अपने मूल ग्रह के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से बाहर निकल जाता है।
    - एक नए अध्ययन से पता चलता है कि गैस के विशाल भंडार वाले इन बाह्य ग्रहों के चंद्रमा अपनी स्वयं की कक्षाओं से विस्थापित हो सकते हैं।
    - ये बड़े ग्रहों की विशेषताओं तथा ग्रहों की निर्माण प्रक्रिया से संबंधित जानकारी जुटाने में सहायक हो सकते है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

6. भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक वैधानिक निकाय है।
2. इसका LADIS पोर्टल कार्गो मालिकों और लॉजिस्टिक्स ऑपरेटरों को जहाज़ों की उपलब्धता के संबंध में रियल टाइम डेटा उपलब्ध कराता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (IWAI) जहाज़रानी मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय है जिसे वर्ष 1986 में नौवहन और नौचालन के लिये अंतर्देशीय जलमार्गों के विकास एवं विनियमन हेतु स्थापित किया गया था। **अतः कथन 1 सही है।**
- LADIS (न्यूनतम उपलब्ध गहराई सूचना प्रणाली) यह सुनिश्चित करेगा कि जहाज़/नौका और मालवाहक जहाज़ों के मालिकों को न्यूनतम उपलब्ध गहराइयों के बारे में वास्तविक आँकड़ों से सूचित रखा जाए। वर्ष 2018 में IWAI ने कार्गो मालिकों एवं लॉजिस्टिक्स संचालकों को जोड़ने हेतु समर्पित पोर्टल 'फोकल' (Forum of Cargo Owners and Logistics Operators-FOCAL) लॉन्च किया था जो जहाज़ों की उपलब्धता के बारे में वास्तविक समय का डेटा उपलब्ध कराता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

7. लॉर्ड वेलेजली द्वारा लागू की गई सहायक संधि व्यवस्था के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा लागू *नहीं* होता है?

a. दूसरों के खर्च पर एक बड़ी सेना बनाए रखना।

b. भारत को नेपोलियन के खतरे से सुरक्षित रखना।

c. कंपनी के लिये एक नियत आय का प्रबंध करना।

d. भारतीय रियासतों के ऊपर ब्रिटिश सर्वोच्चता स्थापित करना।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- गवर्नर-जनरल लॉर्ड वेलेजली (1798-1805) द्वारा सहायक संधि की नीति का उपयोग किया गया। वस्तुत: फ्राँसीसी गवर्नर डूप्ले ने पहली बार ऐसी ही प्रणाली को लागू किया था जिसके तहत स्थानीय भारतीय राज्यों को भुगतान के बदले सुरक्षा का वचन दिया जाता था। लेकिन वेलेजली ने इसे एक नीति के रूप में विकसित किया और इसे ब्रिटिश प्रभाव को बढ़ाने के साथ-साथ ब्रिटिश शक्ति को बढ़ाने के लिये बहुत व्यवस्थित रूप से लागू किया। यूरोप में नेपोलियन के बढ़ते प्रभाव से भारत को सुरक्षित रखना भी इस नीति का एक प्रमुख उद्देश्य था।
- **प्रमुख विशेषताएँ**
    - इस प्रणाली के तहत भारतीय राज्य के शासकों को अपने क्षेत्र के भीतर एक ब्रिटिश सेना की स्थायी तैनाती करनी पड़ती थी और इसके रखरखाव के लिये भुगतान करने के लिये भी उन्हें बाध्य किया जाता था।
    - भारतीय शासक को अपने दरबार में एक ब्रिटिश रेज़िडेंट की नियुक्ति करनी पड़ती थी।
    - भारतीय शासक अंग्रेज़ों की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी यूरोपीय को अपनी सेवा में नियुक्त नहीं कर सकते थे।
    - गवर्नर-जनरल की अनुमति के बिना भारतीय शासक किसी अन्य भारतीय शासक के साथ कोई समझौता नहीं कर सकते थे।
    - ब्रिटिश रियासतों के शासकों की उनके दुश्मनों से रक्षा करेंगे और राज्य के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नही करेंगे। **अतः विकल्प (c) सही नहीं है।**

8. निम्नलिखित में से कौन ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में रैयतवाड़ी बंदोबस्त प्रारंभ किये जाने से संबद्ध था/थे?

1. लॉर्ड कार्नवालिस
2. अलेक्जेंडर रीड
3. थॉमस मुनरो

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा भारत में शुरू की गई भू-राजस्व व्यवस्थाएँ निम्नलिखित थीं:

स्थायी बंदोबस्त (1793)

- यह लॉर्ड कॉर्नवालिस द्वारा प्रारंभ की गई थी।
- राजाओं और तालुकदारों को ज़मींदार के रूप में मान्यता दी गई और उन्हें किसानों से राजस्व वसूल कर कंपनी को देने के लिये कहा गया।

- लगान की राशि स्थायी रूप से निर्धारित कर दी गई थी।

महालवाड़ी बंदोबस्त (1822)

- इसे हॉल्ट मैकेंजी ने उत्तर-पश्चिमी प्रांतों (आगरा, अवध और पंजाब के क्षेत्र) में लागू किया था।
- कलेक्टर ने गाँव-गाँव जाकर जमीन का निरीक्षण किया, खेतों का मापन किया और विभिन्न समूहों की परंपराओं और अधिकारों को दर्ज किया।
- एक गाँव के भीतर प्रत्येक भू-खंड के अनुमानित राजस्व से कुल राजस्व की गणना की गई जिसे प्रत्येक गाँव (महाल) को भुगतान करना पड़ता था।
- इस मांग को समय-समय पर संशोधित किया जाता था।
- राजस्व एकत्र करने और उसे कंपनी को भुगतान करने का प्रभार ज़मींदार के बजाय ग्राम प्रधान को दिया गया था।

रैयतवाड़ी प्रणाली (1820)

- इसकी शुरुआत दक्षिण भारत में कैप्टन **अलेक्जेंडर रीड और थॉमस मुनरो** ने की थी।
- इस प्रणाली के तहत सीधे किसान (रैयतों) से राजस्व वसूला जाता था।

अतः विकल्प (c) सही है।

9. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

1. राधाकांत देब - ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन के प्रथम अध्यक्ष
2. गजुलु लक्ष्मीनरसु चेट्टी - मद्रास महाजन सभा के संस्थापक
3. सुरेंद्रनाथ बनर्जी - इंडियन एसोसिएशन के संस्थापक

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- राधाकांत देब (1784-1867) एक विद्वान और रूढ़िवादी हिंदू समाज के नेता थे। वर्ष 1822 और वर्ष 1856 के बीच उन्होंने आठ खंडों में संस्कृत भाषा का एक शब्दकोष शब्द कल्पद्रुम प्रकाशित किया। वर्ष 1851 में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना पर राधाकांत देब को इसका अध्यक्ष चुना गया और अपनी मृत्यु तक इस पद पर रहे। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
- मद्रास महाजन सभा की स्थापना 16 मई 1884 को एम. वीराराघवाचार्य, जी. सुब्रमण्य अय्यर और पी. आनंद चार्लू ने की थी। संगठन का उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये काम करने वाले विभिन्न क्षेत्रीय संगठनों को एकीकृत करना था। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित नहीं है।**
- सर सुरेन्द्रनाथ बनर्जी का जन्म 10 नवंबर 1848 को कलकत्ता में हुआ था। उन्होंने 26 जुलाई 1876 को इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की जिसका उद्देश्य अखिल भारतीय राजनीतिक आंदोलन का केंद्र था। नेशनल कॉन्फ्रेंस का पहला सत्र 28-30 दिसंबर वर्ष 1883 को कलकत्ता में आयोजित किया गया

था, और इसमें भारत के विभिन्न हिस्सों से सौ से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित है।**

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. कारखाना अधिनियम, 1881 को औद्योगिक मज़दूरों की मज़दूरी तय करने और मज़दूरों को ट्रेड यूनियन बनाने की अनुमति देने के उद्देश्य से पारित किया गया था।
    2. एन.एम. लोखंडे ब्रिटिश भारत में श्रमिक आंदोलन के आयोजन में अग्रणी थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारतीय कारखाना अधिनियम, 1881 पहला फैक्ट्री एक्ट था जिसमें केवल कारखानों में 12 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के विनियमन संबंधी प्रावधान थे। यह केवल उन कारखानों पर लागू होता था जिसमें 100 या उससे अधिक कामगार कार्यरत थे और यांत्रिक शक्ति आधारित थे। इसमें औद्योगिक कामगारों को मज़दूर संघ बनाने की अनुमति नहीं दी गई थी। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- नारायण मेघाजी लोखंडे महात्मा जोतिबा फुले के सह-कार्यकर्त्ता थे और औपनिवेशिक काल के दौरान श्रमिक आंदोलन के अग्रणी नेता थे। उन्होंने विभिन्न सम्मेलनों का आयोजन किया और श्रम सुधारों के लिये एक हस्ताक्षर अभियान का नेतृत्व किया। वह भारत में आधुनिक ट्रेड यूनियनवाद की दिशा में काम करने वाले पहले व्यक्ति थे। **अतः कथन 2 सही है।**

11. अकबर की भू-राजस्व प्रणाली के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. दहसाला प्रणाली में कर की राशि का निर्धारण स्थानीय उत्पादकता और कीमतों के आधार पर किया जाता था।
    2. बटाई प्रणाली के तहत किसानों को केवल नकदी में करों का भुगतान करना पड़ता था।
    3. नसक प्रणाली के तहत कर का किसी निश्चित दर के आधार पर कड़ाई से निर्धारण किया जाता था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

अकबर की भू-राजस्व प्रणाली

दहसाला प्रणाली:

- प्रतिवर्ष कीमतें तय करने और पिछले साल के राजस्व निपटान के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं को नियंत्रित करने के लिये अकबर द्वारा वर्ष 1580 में दहसाला या ज़ब्ती प्रणाली की शुरुआत की गई थी।
    - इसे मूल रूप से मुगल साम्राज्य के दौरान वित्त मंत्री राजा टोडरमल द्वारा विकसित किया गया था।

इसलिये इसे टोडरमल बंदोबस्त प्रणाली भी कहा जाता था।

- कर की गणना पिछले दस वर्षों के दौरान औसत कीमतों और उत्पादन के आधार पर की जाती थी। औसत उपज का एक-तिहाई भाग राज्य को कर के रूप में दिया जाता था।
- इस प्रणाली में भूमि को ठीक से मापा जाता था।
- किसानों को कर का भुगतान नकदी में करना पड़ता था।
- किसानों को स्थानीय उत्पादकता के साथ-साथ स्थानीय कीमतों के आधार पर करों का भुगतान करना पड़ता था। **अतः कथन 1 सही है।**
- यह प्रणाली इलाहाबाद से लाहौर और गुजरात से मालवा के प्रांतों तक प्रचलन में थी।
- दहसाला प्रणाली ज़ब्ती प्रणाली का ही विकसित रूप था। इस प्रणाली में कृषि भूमि को 4 प्रकारों में बाँटा गया था:
- **पोलज:** यह एक उपजाऊ भूमि थी जिस पर हर वर्ष खेती होती थी।
- **परती:** जब पोलज भूमि पर बुआई नहीं होती थी तो उसे परती बोला जाता था। परती ज़मीन पर बुआई करने पर पूरी दर (पोलाज) देनी पड़ती थी।
- **चाचर:** जब ज़मीन दो से तीन वर्षों तक परती रहती थी, तो उसे चाचर कहा जाता था।
- **बंजर:** ऐसी भूमि जिस पर चार वर्ष या उससे अधिक समय से खेती नहीं हुई हो।

बटाई या गल्ला बख्शी प्रणाली

- इस प्रणाली में गल्ले को किसानों और राज्य में निश्चित अनुपात में बाँट लिया जाता था। उत्पादन को कटाई के पश्चात् या उस समय जब काटने के पश्चात उसके गठ्ठर बाँध दिये जाते थे अथवा कटाई से पूर्व कभी भी विभाजित कर दिया जाता था।

खेत बटाई: इस प्रणाली के तहत खेतों का विभाजन फसल बुआई के समय या अधपकी अवस्था में जब फसल खेत में ही खड़ी रहती थी, कर लिया जाता था।

लाक बटाई: यह एक प्रणाली थी जिसमें अनाज को डंठल से अलग करने के बाद और समान ढेर बनाकर विभाजन किया जाता था।

- किसानों को नकद या उपज के रूप में भुगतान का विकल्प दिया जाता था, हालाँकि राज्य नकदी को प्राथमिकता देता था।
  - कपास, नील, तिलहन, गन्ने आदि नकदी फसलों के मामले में राज्य कर की वसूली नकद रूप में करता था।

  अत: कथन 2 सही नहीं है।

नसक प्रणाली/कनकूत प्रणाली

- इस प्रणाली के तहत किसान और सरकारी अधिकारी आपसी समझौते से उपज का एक सामान्य अनुमान लगाते थे।

- हिंदी भाषा में 'कन' अनाज को दर्शाता है और 'कुट' एक अनुमान को संदर्भित करता है।
- यह प्रणाली किसानों द्वारा पिछले वर्षों में किये गए भुगतान के आधार पर अनुमान आधारित थी। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

12. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

अधिकारी	कार्य
1. बरीद	संदेश लेखक
2. वाकिया नवीस	गुप्तचर अधिकारी
3. मीर समन	शाही सामान का प्रभारी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. केवल 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

मुगल प्रशासन के अंतर्गत विभिन्न अधिकारी

- कानूनगो: ये वंशानुगत ज़मींदार के साथ-साथ स्थानीय अधिकारी भी होते थे।
- फौजदार: कानून-व्यवस्था का प्रभारी।
- अमलगुज़ार: भू-राजस्व का आकलन और संग्रह करने वाले अधिकारी।
- वजीर: राजस्व विभाग का प्रमुख
- मीर बख्शी: सैन्य विभाग का प्रमुख
- **बरीद: गुप्तचर विभाग का अधिकारी**
- **वाकिया नवीस: संदेश लेखक**
- **मीर समन: शाही सामान का प्रभारी**

13. हाल ही में समाचारों में देखी गई EQUIP परियोजना किससे संबंधित है?

a. राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से।
b. आशा कार्यकर्त्ताओं के लिये क्षमता निर्माण कार्यक्रम से।
c. MSMEs को आसान ऋण उपलब्धता सुनिश्चित करने से।
d. शनि के चंद्रमा का पता लगाने हेतु नासा के नए मिशन से।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- EQUIP गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उन्नयन और समावेशी कार्यक्रम (Education Quality Upgradation and Inclusion Programme- EQUIP) का संक्षिप्त रूप है।
- यह प्रोजेक्ट सरकार के साथ नीति आयोग के CEO, प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार और पूर्व राजस्व सचिव सहित कुछ कॉर्पोरेट प्रमुखों जैसे विशेषज्ञों के नेतृत्व वाले दस समूहों द्वारा तैयार किया गया है।
    - इसके तहत भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली को बहुआयामी तरीके से प्रोत्साहित करने के लिये एक कार्ययोजना बनाने का प्रस्ताव है। इसे वर्ष 2019-2024 के बीच लागू किया जाएगा।
    - इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन की योजना के रूप में वर्णित किया गया है। नीति और कार्यान्वयन के बीच की खाई को

पाटने के लिये इस योजना की परिकल्पना की गई है।

- परियोजना के लिये उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (Higher Education Financing Agency-HEFA) के अलावा बाज़ार से अतिरिक्त-बजटीय संसाधनों से भी वित्त जुटाया जाएगा। **अत: विकल्प (a) सही है।**

14. हाल ही में समाचारों में रहा कार्बन क्वांटम डॉट्स संबंधित है-

a. लवणीय जल के विलवणीकरण तकनीक से।
b. चिमनी में वायु में उपस्थित प्रदूषकों को अलग करने की प्रक्रिया से।
c. मानव शरीर में कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने के लिये नैदानिक उपकरण से।
d. बेहतर दृश्य प्रभावों के लिये एलईडी टेलीविज़न स्क्रीन में उपयोग किये जाने वाले उपकरण से।

उत्तर:(c)

व्याख्या:

- असम स्थित वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद- उत्तर-पूर्व विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी संस्थान (Council of Scientific and Industrial Research- CSIR-North East Institute of Science and Technology- NEIST) के वैज्ञानिकों की टीम ने एक रासायनिक प्रक्रिया विकसित की है, जिसके द्वारा खराब कोयले को बायोमेडिकल 'डॉट' के रूप में बदला जा सकता है।
    - इसके माध्यम से कैंसर कोशिकाओं (Cancer Cell) का पता लगाने में सहायता मिल सकती है।
    - यह रासायनिक प्रविधि सस्ते, प्रचुर मात्रा में उपलब्ध, निम्न-गुणवत्ता और उच्च-सल्फर वाले कोयले से कार्बन क्वांटम डॉट्स (Carbon Quantum Dots-CQDs) बनाने में सहायक है।
    - CQDs कार्बन-आधारित अतिसूक्ष्म पदार्थ (Nanomaterials) हैं जिनका आकार 10 नैनोमीटर या इससे भी कम होता है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार, कार्बन-आधारित नैनोमैटेरियल (Carbon-based Nanomaterials) का उपयोग जैव-इमेजिंग के लिये नैदानिक उपकरणों के रूप में किया जाता है तथा इनका प्रयोग विशेष रूप से कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने, रासायनिक संवेदन और ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स (Opto-Electronics) में किया जाता है। **अत: विकल्प (c) सही है।**

15. 'अवेयर (AWARe)' नामक ऑनलाइन टूल किससे संबंधित है?

a. आतंकवाद- रोधी गतिविधियों से निपटने में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने से।
b. गैर-संचारी रोगों के बारे में जागरूकता बढ़ाने से।
c. सरकारी कार्यालयों में भ्रष्टाचार की जाँच हेतु प्रारंभ भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान से।
d. बढ़ती प्रतिजैविक प्रतिरोधकता को नियंत्रित करने हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विकसित एक उपकरण से।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organisation- WHO) द्वारा अवेयर (AWARe) नामक एक ऑनलाइन टूल विकसित किया गया है।
- इसका उद्देश्य सुरक्षित और अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) दवाओं का उपयोग करने के लिये नीति-निर्माताओं और स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं का मार्गदर्शन करना तथा प्रतिजैविक प्रतिरोधकता के जोखिम वाली दवाओं को सीमित करना है।
- AWARe नीति निर्माताओं, चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिये सही समय पर सही एंटीबायोटिक का चयन करना और लुप्तप्राय एंटीबायोटिक दवाओं की रक्षा किया जाना आसान बनाता है।
- 'AWARe' उपकरण एंटीबायोटिक दवाओं को तीन समूहों में वर्गीकृत करता है:
- एक्सेस (Access) समूह- एंटीबायोटिक्स का सबसे आम और गंभीर संक्रमणों के इलाज के लिये उपयोग।
- निगरानी (Watch) समूह- स्वास्थ्य प्रणाली में एंटीबायोटिक्स की हर समय उपलब्धता।
- रिज़र्व (Reserve) समूह- संयमपूर्वक उपयोग की जाने वाली अथवा संरक्षित दवाएँ जिनका प्रयोग केवल अंतिम विकल्प के रूप में किया जाता है। **अत: विकल्प (d) सही है।**

16. ई-वे बिल प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह माल के केवल अंतर्राज्यीय परिचालन पर लागू होती है।
2. 5,00,000 रुपये के न्यूनतम मौद्रिक मूल्य वाले माल के लिये ई-वे बिल अनिवार्य है।
3. ट्रांसपोर्टर और व्यक्ति दोनों GST पोर्टल से ई-वे बिल जेनरेट कर सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

1 अप्रैल, 2018 से वस्तुओं की अंतर्राज्यीय आवाजाही के लिये ई-वे बिल सिस्टम को राष्ट्रव्यापी स्तर पर शुरू किया गया है, जबकि राज्यों के भीतर सामान की आवाजाही के लिये ई-वे बिल सिस्टम की शुरुआत के लिये राज्यों को 3 जून 2018 तक किसी भी तारीख को चुनने का विकल्प दिया गया था। अत: कथन 1 सही नहीं है।

ई-वे बिल जनरेट करने की शर्तें:

- **पंजीकृत व्यक्ति:** 50,000 रुपए से अधिक मूल्य के माल की आवाजाही पर ई-वे बिल जेनरेट करना अनिवार्य है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
    - माल की कीमत 50,000 रुपए से कम होने पर भी पंजीकृत व्यक्ति अथवा ट्रांसपोर्टर ई-वे बिल जनरेट कर सकता है।
- **अपंजीकृत व्यक्ति:** अपंजीकृत व्यक्तियों को भी ई-वे बिल जनरेट करना आवश्यक है। हालाँकि अपंजीकृत व्यक्ति के आपूर्तिकर्त्ता होने की

स्थिति में प्राप्तकर्त्ता (पंजीकृत व्यक्ति) को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी अनुपालनों का ध्यान रखा गया है।

- **ट्रांसपोर्टर:** यदि आपूर्तिकर्त्ता ने ई-वे बिल जेनरेट नहीं किया है तो सड़क, वायु, रेल इत्यादि द्वारा माल ले जाने वाले ट्रांसपोर्टरों को भी ई-वे बिल जेनरेट करना होगा। **अत: कथन 3 सही है।**

17. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दिल्ली सल्तनत के राजस्व प्रशासन में राजस्व वसूली के प्रभारी को 'आमिल' कहा जाता था।
2. दिल्ली के सुल्तानों की इक्ता प्रणाली एक प्राचीन देशी संस्था थी।
3. 'मीर बख्शी' का पद दिल्ली के खिलजी सुल्तानों के शासनकाल में अस्तित्व में आया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- दिल्ली सल्तनत में किसानों से सीधे राजस्व एकत्र करने और भूमि की माप का काम आमिलों पर निर्भर था। **अत: कथन 1 सही है।**
- इक्ता प्रणाली विशेष रूप से फारस के बूईद राजवंश द्वारा पश्चिम एशिया में विकसित की गई, जिसने इस प्रणाली को औपचारिक रूप दिया।
    - भारत में इक्ता को इल्तुतमिश (मामलुक वंश) द्वारा एक संस्थागत दर्जा प्रदान किया गया था।
    - इक्ता प्रणाली के तहत साम्राज्य की भूमि को इक्ता नामक विभिन्न भागों में विभाजित कर अधिकारियों जिन्हें 'इक्तदार 'के रूप में जाना जाता था, को सौंप दिया जाता था। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- गियास-उद-दीन बलबन (1266-1287 ई.) ने 'दीवान-ए-अर्ज़' नामक एक सैन्य विभाग की स्थापना की थी, जिसके तहत शाही सेना के गठन और रखरखाव के लिये 'अरिजी-मामलिक' नामक अधिकारी ज़िम्मेदार होता था।
    - अलाउद्दीन खिलजी ने दीवान-ए-अर्ज़ विभाग की दक्षता बढ़ाने के लिये 'दाग' प्रणाली (यानी घोड़ों को चिह्नित करना) की शुरुआत की जिसका उद्देश्य घोड़ों की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ उनकी गिनती की प्रणाली में सुधार लाना था।
    - मीर बख्शी मुगलकालीन भारत के दौरान सैन्य विभाग के प्रमुख हुआ करते थे। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

18. निम्नलिखित पर विचार कीजिये:

बाबर के भारत में आने के फलस्वरूप:

1. भारतीय उपमहाद्वीप में बारूद के उपयोग की शुरुआत हुई।
2. इस क्षेत्र की स्थापत्यकला में मेहराब और गुंबद बनने की शुरुआत हुई।

3. इस क्षेत्र में तैमुरी राजवंश स्थापित हुआ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2

b. केवल 3

c. केवल 1 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 13वीं शताब्दी में भारत में मंगोल आक्रमण के दौरान चीन से भारत में बारूद की तकनीक का आगमन हुआ।
    - 17वीं शताब्दी की रचना **'तारिख-ए-फरिश्ता'** में मंगोल शासक हुलेगु खान के 1258 ईस्वी में दिल्ली आगमन पर चमकदार आतिशबाज़ी (Fireworks) करने का वर्णन है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- दिल्ली में स्थित कुतुब परिसर से यह स्पष्ट होता है कि मामलुक सुल्तानों ने भारतीय उपमहाद्वीप में मेहराबों और गुंबदों की शुरुआत की। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- मुगल साम्राज्य की स्थापना बाबर (1526–1530) ने की थी, जो तुर्क-मंगोल विजेता तैमूर (तैमूर वंश का संस्थापक) का वंशज था। इस प्रकार बाबर ने भारत में तैमूर वंश की स्थापना की। **अत: कथन 3 सही है।**

19. विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय की कराधान व्यवस्था से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भूमि की गुणवत्ता के आधार पर भू-राजस्व की दर नियत होती थी।
2. कारखानों के निजी स्वामी एक औद्योगिक कर देते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 2

c. 1 और 2 दोनों

d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- 200 वर्षों से अधिक समय तक विजयनगर साम्राज्य का विंध्य के दक्षिण में प्रभुत्व रहा। इसकी स्थापना 1336 ई. में वारंगल के काकतीयों के सामंत हरिहर राय और बुक्का राय ने की थी। इस पर चार राजवंशों- संगम, सलुव, तुलुव और अराविडू ने शासन किया। कृष्णदेव राय (1509-1530) तुलुव वंश के थे।
- कृष्णदेव राय के समय भू-राजस्व भूमि की गुणवत्ता पर आधारित था। इस काल के अभिलेखों के अध्ययन से यह जानकारी मिलती है कि विजयनगर के शासकों की नीति थी कि भूमि कर का निर्धारण भूमि की उर्वरता और क्षेत्रीय स्थिति के आधार पर किया जाए। **अत: कथन 1 सही है।**
- विजयनगर साम्राज्य में औद्योगिक कर प्रचलित था और कारखानों के निजी मालिकों द्वारा एक प्रकार के उद्योग कर का भुगतान किया जाता था। **अत: कथन 2 सही है।**

20. अहमद शाह अब्दाली के भारत पर आक्रमण करने और पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ने का तात्कालिक कारण क्या था?

a. वह मराठों द्वारा लाहौर से अपने वायसराय तैमूर शाह के निष्कासन का बदला लेना चाहता था।

b. उसे जालंधर के कुंठाग्रस्त राज्यपाल आदिन बेग खान ने पंजाब पर आक्रमण करने के लिये आमंत्रित किया।

c. वह मुगल प्रशासन को चहार महल (गुजरात, औरंगाबाद, सियालकोट और पसरूर) के राजस्व का भुगतान न करने के लिये दंडित करना चाहता था।

d. वह दिल्ली की सीमाओं तक के पंजाब के सभी उपजाऊ मैदानों को हड़पकर उनका विलय अपने राज्य में करना चाहता था।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- वर्ष 1758 में रघुनाथ राव के अधीन मराठा बलों ने पंजाब में प्रवेश किया और अहमद शाह अब्दाली के पुत्र तैमूर को वहाँ से बाहर निकाल दिया। अब्दाली ने अपने पुत्र को पंजाब का राज्यपाल नियुक्त किया था जिसे अपदस्थ कर मराठों ने आदीन बेग खान को अपना राज्यपाल नियुक्त कर दिया। मराठों की पंजाब विजय अब्दाली के लिये सीधी चुनौती थी और अब्दाली ने इस चुनौती को स्वीकार कर लिया।
- परिणामस्वरूप मराठों और अहमद शाह अब्दाली के बीच वर्ष 1761 में पानीपत की तीसरी लड़ाई लड़ी गई। इस युद्ध में अफगानों की जीत हुई और मराठों की अपने शासन के अधीन भारत को एकजुट करने की महत्त्वाकांक्षा को भी धक्का लगा। **अतः विकल्प (a) सही है।**

21. निम्नलिखित में से कौन-सा/से मुगल साम्राज्य के पतन का/के कारण है/हैं?

1. कमज़ोर शासक
2. उत्तराधिकार की लड़ाई
3. धार्मिक नीतियाँ
4. विदेशी आक्रमण

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2

b. केवल 2 और 3

c. केवल 1

d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

मुगल साम्राज्य के पतन के कारण:

- **औरंगज़ेब के कमज़ोर उत्तराधिकारी:** औरंगजेब के उत्तराधिकारी कमज़ोर थे और शाही सामंतों तथा अमीरों की साज़िशों और षड्यंत्रों के शिकार हो गए। वे अक्षम सेनापति थे और विद्रोहियों को दबाने में असमर्थ थे। एक मजबूत शासक, एक कुशल नौकरशाही तथा एक सक्षम सेना की अनुपस्थिति ने मुगल साम्राज्य को कमज़ोर बना दिया था। **इसलिये, कथन 1 सही है।**
- **उत्तराधिकार युद्ध:** मुगलों ने उत्तराधिकार के किसी भी कानून का पालन नहीं किया जैसे कि ज्येष्ठाधिकार के कानून। परिणामस्वरूप हर बार एक शासक की मृत्यु के बाद सिंहासन के लिये भाइयों के बीच उत्तराधिकार का युद्ध शुरू हो जाता था। इससे मुगल साम्राज्य कमज़ोर हो गया, विशेषकर औरंगज़ेब के बाद। अमीर और कुलीन वर्ग सिंहासन के अलग-

अलग दावेदारों का समर्थन कर अपनी ताकत बढ़ाते गए।

- **औरंगज़ेब की नीतियाँ:** मुगल साम्राज्य का विघटन औरंगज़ेब के काल में ही शुरू हो गया था। औरंगज़ेब की भारत को **दारुल इस्लाम** (इस्लाम धर्म की भूमि) बनाने की नीति अकबर की सुलह-ए-कुल (धार्मिक सहिष्णुता) की नीति के विपरीत थी।
    - औरंगज़ेब यह समझने में विफल रहा कि विशाल मुगल साम्राज्य लोगों की इच्छा और समर्थन पर टिका हुआ है। उसने साम्राज्य की प्रमुख ताकत राजपूतों का समर्थन खो दिया। सिखों, मराठों, जाटों और राजपूतों के साथ युद्धों से मुगल साम्राज्य के संसाधन प्रभावित होने लगे।
- **खाली खजाना:** निर्माण कार्यों के प्रति उत्साह के चलते **शाहजहाँ** ने खजाना खाली कर दिया था। इसके अतिरिक्त दक्षिण में औरंगज़ेब के लंबे युद्धों ने भी शाही खजाने को प्रभावित किया।
- **साम्राज्य का आकार और क्षेत्रीय शक्तियों से चुनौती:** मुगल साम्राज्य का आकार इतना विशाल हो गया था कि इसे सत्ता के एक केंद्र से नियंत्रित करना मुश्किल हो रहा था। पूर्ववर्ती मुगल शासक; मंत्री और सेना पर कुशल और नियंत्रण रखते थे, लेकिन बाद के मुगल शासक कमज़ोर प्रशासक हुए परिणामस्वरूप दूर के प्रांत स्वतंत्र हो गए तथा स्वतंत्र राज्यों के उदय से मुगल साम्राज्य का विघटन हुआ।
- **आक्रमण:** विदेशी आक्रमणों ने मुगलों की शेष शक्ति को छीन लिया और विघटन की प्रक्रिया को तेज कर दिया। **नादिर शाह और अहमद शाह अब्दाली** के आक्रमणों के परिणामस्वरूप धन की अधिक निकासी हुई इन आक्रमणों ने साम्राज्य की स्थिरता को नष्ट कर दिया।
- **उपर्युक्त सभी कारण मुगल साम्राज्य के पतन हेतु ज़िम्मेदार थे। अत: विकल्प (d) सही है।**

22. पाइका विद्रोह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पाइका ओडिशा के गजपति शासकों के किसान योद्धा थे।
2. विद्रोह को समाज के अन्य वर्गों का समर्थन नहीं मिला।
3. बक्सी जगबंधु विद्रोही सेना का वंशानुगत प्रमुख था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1और 3
b. केवल 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- पाइका मूलत: ओडिशा के गजपति शासकों के किसान सैनिक थे। ये युद्ध के समय राजा को सैन्य सेवा प्रदान करते थे और शांतिकाल में खेती करते थे। **अत: कथन 1 सही है।**
- वर्ष 1803 में ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा खुर्दा (उड़ीसा) की विजय के बाद पाइकों की शक्ति एवं प्रतिष्ठा घटने लगी। अंग्रेज़ों ने खुर्दा पर विजय प्राप्त करने के बाद पाइकों की वंशानुगत

लगान-मुक्त भूमि हड़प ली तथा उन्हें उनकी भूमि से विमुख कर दिया।

- इसके बाद कंपनी की सरकार और उसके कर्मचारियों द्वारा उनसे ज़बरन वसूली और उनका उत्पीड़न किया जाने लगा।
- पाइकों ने खुर्दा की ओर मार्च करने के दौरान ब्रिटिश सत्ता के प्रतीकों पर हमला किया, पुलिस थानों, प्रशासनिक कार्यालयों और राजकोष में आग लगा दी।
- पाइकों को राजाओं, ज़मींदारों, ग्राम प्रधानों और साधारण किसानों का समर्थन प्राप्त था। विद्रोह तेजी से प्रांत के विभिन्न हिस्सों में फैल गया। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- खुर्दा के गजपति राजा (पुरी के निकट एक राज्य) की **पैदल सेना के वंशानुगत प्रमुख, बक्सी जगबंधु के नेतृत्व में पाइका योद्धाओं ने मार्च 1817 में विद्रोह शुरू किया। अत: कथन 3 सही है।**
- पाइका विद्रोहियों ने ओडिशा के घने जंगलों में छुपकर कई वर्षों तक गुरिल्ला युद्ध किया। लगातार हार के बाद पाइका नेता बख्शी जगबंधु ने 1825 में अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और 1829 में अपनी मृत्यु तक वे कटक में एक कैदी के रूप में रहे।

23. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

आंदोलन	क्षेत्र
1. मोपला आंदोलन	केरल
2. खोंड विद्रोह	पश्चिम बंगाल
3. सिंगपो विद्रोह	असम
4. भील विद्रोह	छोटा नागपुर का पठार

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- मोपला विद्रोह: राजस्व की मांग में वृद्धि और खेत के आकार में कटौती तथा अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न जैसे संयुक्त कारणों से केरल के मालाबार क्षेत्र के मोपला किसानों में असंतोष व्याप्त था। वर्ष 1836 और वर्ष 1854 के बीच 22 विद्रोह हुए। हालाँकि कोई भी विद्रोह सफल नहीं हुआ।
    - असहयोग आंदोलन के दौरान काॅन्ग्रेस और खिलाफत समर्थकों द्वारा मोपला के किसानों को संगठित किये जाने के कारण दूसरा मोपला विद्रोह हुआ। लेकिन हिंदू-मुस्लिम मतभेदों ने काॅन्ग्रेस और मोपलाओं को एक-दूसरे से दूर कर दिया। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**

- **खोंड विद्रोह:** वर्ष 1837 से 1856 तक ओडिशा से लेकर आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम और विशाखापत्तनम ज़िलों तक फैले पहाड़ी इलाकों के खोंडों ने कंपनी शासन के खिलाफ विद्रोह किया।
    - एक युवा राजा **चक्र बिश्नोई** ने घुमसर, कालाहांडी और अन्य आदिवासियों का नरबलि पर प्रतिषेध, नए करों और ज़मींदारों के क्षेत्रों में प्रवेश के विरोध जैसे मुद्दों पर समर्थन प्राप्त कर खोंडों का नेतृत्व किया। चक्र बिश्नोई के जाने के साथ ही विद्रोह समाप्त हो गया।
    - बाद में विदेशी शासन समाप्त करने और स्वायत्त सरकार की स्थापना के उद्देश्य से वर्ष 1914 में उड़ीसा क्षेत्र में खोंड विद्रोह हुआ। **अत: युग्म 2 सही नहीं सुमेलित है।**
- **सिंगपो विद्रोह:** 1830 की शुरुआत में असम में शुरू हुआ सिंगपो आन्दोलन ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया। वर्ष 1839 में एक विद्रोह के दौरान ब्रिटिश राजनीतिक एजेंट की मृत्यु हो गई। वर्ष 1843 में विद्रोह के दौरान ब्रिटिश छावनी पर हमला किया गया जिसमें कई सैनिकों की मौत हुई। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**
    - वर्ष 1836 का मिशमी विद्रोह , वर्ष 1839 और 1842 के बीच असम में खांटी विद्रोह, वर्ष 1842 और 1844 में लुशाई विद्रोह इससे जुड़े कुछ अन्य छोटे आंदोलन हैं।
- **भील विद्रोह:** पश्चिमी घाट में रहने वाले भीलों का उत्तर और दक्कन के बीच के पहाड़ी दर्रों पर नियंत्रण था। अकाल, आर्थिक समस्याओं और कुशासन से क्षुब्ध भीलों ने वर्ष 1817-19 में कंपनी शासन के खिलाफ विद्रोह किया। उनके विद्रोह को नियंत्रित करने के लिये अंग्रेज़ों ने बल और सुलह दोनों प्रकार के प्रयास किये। हालाँकि भीलों ने वर्ष 1825, वर्ष 1831 और वर्ष 1846 में पुनः विद्रोह किया।
    - बाद में एक सुधारक गोविंद गुरु ने दक्षिण राजस्थान (बांसवाड़ा) के भीलों को को संगठित करने में सहायता की। **अत: युग्म 4 सही सुमेलित नहीं है।**

24. भारत में ब्रिटिश प्रशासन के दौरान 'इज़ारेदार' शब्द का इस्तेमाल किसके लिये किया जाता था?

a. ब्रिटिश भारत की प्रेसीडेंसियों में रहने वाले सरकार के जासूस।
b. विभिन्न भारतीय रियासतों में रहने वाले ब्रिटिश रेज़िडेंट।
c. वह व्यक्ति जिसके पास किसी विशेष क्षेत्र में राजस्व एकत्र करने का अधिकार हो।
d. बटाईदार जिन्हें सीधे भूमि पर खेती करने का अधिकार दिया गया था।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- इज़ारेदारी प्रणाली वर्ष 1773 में बंगाल में वारेन हेस्टिंग्स द्वारा शुरू की गई थी, जिसके अनुसार राज्य को समस्त भूमि का मालिक माना गया। यह ब्रिटिशों द्वारा भारत में लागू की गई पहली भूराजस्व प्रणाली थी। इस

प्रणाली के तहत किसी विशेष क्षेत्र के राजस्व को इकट्ठा करने का अधिकार सबसे अधिक बोली लगाने वाले को नीलाम कर दिया जाता था।

- अंग्रेजों द्वारा मराठों और मैसूर के खिलाफ युद्ध के खर्चों को पूरा करने के लिये, अवध में अंग्रेज़ी अधिकारियों को इज़ारेदार के रूप में शामिल करके वित्त जुटाने की योजना बनाई गई।
- किसानों, दुकानदारों और व्यापारियों को कंपनी के लिये उच्चतम बोली लगाने वाले इज़ारेदार को करों का भुगतान करना होता था।
- यह कंपनी के लिये एक प्रयोग था जिसमें वह देखना चाहती थी कि इस तरह की व्यवस्था से कितना अधिशेष धन प्राप्त हो सकता है।

- वारेन हेस्टिंग्स ने वर्ष 1778 में मेजर अलेक्जेंडर हान्ने (Major Alexander Hannay) को एक इज़ारेदार के रूप में नियुक्त किया क्योंकि वे इस क्षेत्र से भली-भाँति परिचित थे। हान्ने ने 22 लाख रुपए की राशि देकर एक वर्ष के लिये गोरखपुर और बहराइच के इज़ारे को सुरक्षित कर लिया। **अत: विकल्प (c) सही है।**

25. निम्नलिखित कथनों पर ध्यान दीजिये:

1. 1857 का विद्रोह ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला सिपाही विद्रोह था।
2. सिख शासकों ने ब्रिटिश प्रशासन के प्रति निष्ठा दिखाई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर:(b)

व्याख्या:

- 1857 से पहले की अवधि के कुछ महत्त्वपूर्ण विद्रोह:
  - 1764 में बंगाल में सिपाहियों का विद्रोह।
  - वर्ष 1806 का वेल्लोर विद्रोह जब सिपाहियों ने उनके सामाजिक और धार्मिक प्रथाओं में हस्तक्षेप का विरोध किया।
  - वर्ष 1824 में 47वीं नेटिव इन्फैंट्री यूनिट के सिपाहियों का विद्रोह।
  - वर्ष 1825 में असम में ग्रेनेडियर कंपनी का विद्रोह।
  - वर्ष 1838 में शोलापुर में एक भारतीय रेजिमेंट का विद्रोह।
  - वर्ष 1844, वर्ष 1849, वर्ष 1850 और वर्ष 1852 में क्रमशः 34वीं नेटिव इन्फैंट्री (एन.आई.), 22वीं एन.आई., 66वीं एन.आई. और 37वीं एन.आई. ने सिपाही विद्रोह किया। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**

- शिक्षित भारतीयों ने इस विद्रोह को पिछड़ेपन, सामंती व्यवस्था के समर्थन और आधुनिकता के विरुद्ध पारंपरिक रूढ़िवादी ताकतों की प्रतिक्रिया के रूप में देखा। इन लोगों का

मानना था कि अंग्रेज भारत को आधुनिकीकरण के युग में ले जाएंगे।

- **अधिकांश भारतीय शासकों ने विद्रोह में शामिल होने से इनकार कर दिया और ज़्यादातर मामलों में सक्रिय होकर अंग्रेजों की सहायता की।** जिन शासकों ने विद्रोह में भाग नहीं लिया, उनमें ग्वालियर के सिंधिया, इंदौर के होल्कर, पटियाला के शासक, सिंध और अन्य सिख सरदार तथा कश्मीर के महाराजा प्रमुख थे। **अत: कथन 2 सही है।**

26. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

जीआई उत्पाद	**राज्य**
1. कंदगी साड़ी	तेलंगाना
2. ताव्लोहोपुआन	मिज़ोरम
3. तिरुर वेत्तिला	केरल

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. केवल 1 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कंदगी साड़ी:** यह तमिलनाडु के शिवगंगा ज़िले के कराईकुडी तालुक में विनिर्मित होती है। इस साड़ी में धारियों अथवा चेक्स के पारंपरिक पैटर्न में चमकीले पीले, नारंगी, लाल आदि रंगों का प्रयोग होता है तथा इसकी बॉर्डर्स चौड़ी होती हैं। इसे मैन्युअल रूप से एक घुमावदार मशीन, करघा, शटल और बॉबिन का उपयोग करते हुए हाथ से बनाया जाता है।
- **ताव्लोहोपुआन:** यह मिज़ोरम का एक भारी, अत्यंत मजबूत एवं उत्कृष्ट वस्त्र है जो तने हुए धागे, बुनाई और जटिल डिज़ाइन के लिये जाना जाता है। इसे हाथ से बुना जाता है।
  - यह एक ऐसी मज़बूत चीज़ होती है जिसे पीछे नहीं खींचा जा सकता उसे मिजो भाषा में **ताव्लोह** कहा जाता है।
  - मिज़ो समाज में **ताव्लोहोपुआन** का विशेष महत्त्व है। आइज़ोल और थेनजॉल शहर इसके मुख्य उत्पादन केंद्र हैं।
- **तिरुर वेत्तिला:** केरल के तिरुर के पान के पत्ते की खेती मुख्यत: तिरुर, तनूर, तिरुरांगडी, कुट्टिपुरम, मलप्पुरम और मलप्पुरम ज़िले के वेंगारा प्रखंड की पंचायतों में की जाती है।
  - तिरुर वेत्तिला के ताज़े पत्तों में कुल क्लोरोफिल और प्रोटीन की मात्रा महत्त्वपूर्ण रूप से अधिक होती है।
  - इसके पत्ते पौष्टिक होते हैं और इनमें कैंसर रोधी गुण पाए जाते हैं। इसमें अद्वितीय स्वाद और सुगंध जैसी कुछ विशेष जैव रासायनिक विशेषताएँ होती हैं।
  - यूजेनॉल तिरुर सुपारी के पत्तों में पाया जाने वाला एक प्रमुख

आवश्यक तत्त्व है जो इसकी तीक्ष्णता के लिये उत्तरदायी होता है।

- पत्ते पौष्टिक होते हैं और एंटीकार्सिनोजेन होते हैं, जो भविष्य में एंटीकैंसर दवाओं के निर्माण में उपयोगी साबित हो सकते हैं।
- इस सुपारी के बेल में प्रतिरक्षादमनकारी (immunosuppressive) और रोगाणुरोधी गुण भी देखे गए हैं। **इसके कई औषधीय, सांस्कृतिक एवं औद्योगिक उपयोग भी हैं।**

कुछ अन्य जीआई टैग प्राप्त उत्पाद

- **पलानीपंचामृथम्:** तमिलनाडु के डिंडीगुल ज़िले के पलानी शहर की पलानी पहाड़ियों में अवस्थित अरुल्मिगु धान्दयुथापनी स्वामी मंदिर के पीठासीन देवता भगवान धान्दयुथापनी स्वामी के अभिषेक से जुड़े प्रसाद को पलानीपंचामिर्थम् कहते हैं।
  - इस प्रसाद को एक निश्चित अनुपात में पाँच प्राकृतिक पदार्थों- केले, गुड़-चीनी, गाय के घी, शहद और इलायची को मिलाकर बनाया जाता है।
  - पहली बार तमिलनाडु के किसी मंदिर के प्रसादम् को जीआई टैग दिया गया है।
- **डिंडीगुल के ताले:** तमिलनाडु में अवस्थित डिंडीगुल के ताले बेहतर गुणवत्ता और टिकाऊपन के लिये प्रसिद्ध हैं। डिंडीगुल को 'तालों का शहर **(Lock City)**' भी कहा जाता है।
- **मिज़ो पुआनचेई:** यह मिज़ोरम का एक रंगीन मिजो शॉल/वस्त्र है जिसे मिज़ो वस्त्रों में सबसे रंगीन वस्त्र माना जाता है।
  - मिज़ोरम की प्रत्येक महिला का यह एक अनिवार्य वस्त्र है और इस राज्य में एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण शादी की पोशाक है।
  - मिज़ोरम में मनाए जाने वाले उत्सव के दौरान होने वाले नृत्य और औपचारिक समारोह में आमतौर पर इस पोशाक का ही उपयोग किया जाता है।

27. निम्नलिखित में से कौन-सा/से '1857 के विद्रोह' का/के परिणाम हैं/हैं?
    1. एक व्यापारिक कंपनी से ब्रिटिश संप्रभु शक्ति को सत्ता का हस्तांतरण।
    2. भारतीय राज्यों के शासकों के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा की गई संधियों और समझौतों की समाप्ति।
    3. सेना में भारतीय सैनिकों की संख्या में कटौती।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा-से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- 1857 का विद्रोह भारत के इतिहास में एक महत्त्वपूर्ण मोड़ है। इसने प्रशासन की प्रणाली

और ब्रिटिश सरकार की नीतियों में दूरगामी परिवर्तन किये।

- ब्रिटिश संसद ने 2 अगस्त, 1858 को भारत में बेहतर प्रशासन के लिये भारत सरकार अधिनियम, 1858 पारित किया।

- 1858 के कानून से पहले भारत पर सत्ता कंपनी के डायरेक्टरों और बोर्ड ऑफ कंट्रोल की थी, पर अब शासन का भार सेक्रेटरी ऑफ स्टेट (भारत सचिव) को दे दिया गया। यह भारत सचिव ब्रिटिश कैबिनेट का सदस्य होता था और संसद के प्रति उत्तरदायी था।
- 1858 में ब्रिटिश संसद द्वारा पारित कानून के तहत शासन का अधिकार ईस्ट इंडिया कंपनी से ब्रिटिश सम्राट को स्थानांतरित कर दिया गया।
  - 1858 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा एक व्यापारिक कंपनी से ब्रिटेन की एक संप्रभु सत्ता को सत्ता का हस्तांतरण 1857 के विद्रोह के सबसे महत्त्वपूर्ण परिणामों में से एक था। **अत: कथन 1 सही है।**
  - भारत सचिव (सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इंडिया) की सहायता के लिये 15 सदस्यीय भारत परिषद का प्रावधान किया गया।
  - पंद्रह में से आठ सदस्यों की नियुक्ति को ब्रिटिश क्राउन द्वारा की जाती थी जबकि बाकी को कोर्ट ऑफ़ डायरेक्टर्स द्वारा नियुक्त किया जाना था।
- भारत के गवर्नर जनरल को अब वायसराय कहा जाने लगा। भारतीय देशी रियासतों के मामले में यह घोषणा की गई कि उनके साथ ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा की गई सभी संधियों और समझौतों का सम्मान किया जाएगा तथा इनमें कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- 1857 का विद्रोह मुख्यत: एक सैन्य विद्रोह था जिसमें सैनिकों की केंद्रीय भूमिका थी। इसलिये सेना का पुनर्गठन किया गया और भारतीयों की तुलना में अँग्रेज़ सैनिकों की संख्या में बढ़ोतरी की गई। इसके अतिरिक्त तोपखाना पूर्णत: अँग्रेज़ों के अधीन कर दिया गया।
- सेनाओं के पुनर्गठन में जातीय एवं सांप्रदायिक पहचानों को उभारा जाने लगा। सैनिकों को उनके स्थानीय क्षेत्रों की बजाय सुदूर के क्षेत्रों में तैनात किया गया ताकि स्थानीय लोगों के सहयोग से पुनः विद्रोह की संभावनाओं को टाला जा सके।
  - अवध, बिहार, मध्य भारत और दक्षिण भारत के सैनिकों ने ही आरंभ में अंग्रेज़ों की भारत विजय में सहायता की थी, पर 1857 के विद्रोह में उनके भाग लेने के कारण उनको गैर-लड़ाकू घोषित कर दिया गया। अब बड़ी संख्या में उनको सेना में भर्ती करना बंद कर दिया गया।
  - दूसरी ओर विद्रोह को कुचलने में सहायता देने वाले पंजाबी, गोरखा और पठानों को लड़ाकू जाति घोषित किया गया और इनको बड़ी संख्या में

सेना में भर्ती किया जाने लगा। **अत: कथन 3 सही है।**

28. निम्नलिखित घटनाओं को सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिये:
    1. वुड्स डिस्पैच
    2. शारदा एक्ट
    3. सती प्रथा का उन्मूलन
    4. विधवा पुनर्विवाह अधिनियम

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. 4-3-2-1
b. 2-3-4-1
c. 3-1-4-2
d. 2-3-1-4

उत्तर:(c)

व्याख्या:

- **सती प्रथा का उन्मूलन:** राजा राममोहन राय के नेतृत्व में प्रबुद्ध भारतीय सुधारकों द्वारा सती प्रथा के विरोध के फलस्वरूप सरकार ने सती प्रथा को गैर कानूनी घोषित कर दिया और इसे प्रोत्साहित करने वालो पर आपराधिक मुकदमा चलाने का प्रावधान किया।
    - वर्ष 1829 में विनियम XVII द्वारा सती प्रथा को अवैध घोषित कर दिया गया। इसे पहली बार बंगाल प्रेसिडेंसी में लागू किया गया और वर्ष 1830 में इसे मद्रास और बॉम्बे प्रेसीडेंसियों में भी कुछ संशोधनों के साथ लागू कर दिया गया।
- **विधवा पुनर्विवाह अधिनियम (1856) :** ब्रह्म समाज ने विधवा पुनर्विवाह के मुद्दे को अपने एजेंडे में बहुत अधिक महत्व दिया। लेकिन यह मुख्य रूप से संस्कृत कॉलेज, कलकत्ता के प्राध्यापक पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर (1820-91) के प्रयासों का परिणाम था कि **हिंदू विधवा पुनर्विवाह अधिनियम, 1856 को पारित किया जा सका।** इसने विधवाओं के विवाह को वैध बनाया और ऐसे विवाहों को कानूनी रूप से वैध घोषित किया।
- **बाल विवाह पर नियंत्रण:** नेटिव मैरिज एक्ट, 1872 द्वारा 14 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं का विवाह वर्जित कर दिया गया। एक पारसी सुधारक बी.एम. मालाबारी के अथक प्रयासों के फलस्वरूप आयु सम्मति अधिनियम (1891) लागू किया गया जिसमें 12 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया गया।
    - **शारदा अधिनियम (1930):** हरविलास शारदा के प्रयासों से शारदा अधिनियम पारित हुआ जिसमें लड़के और लड़कियों के लिये विवाह की उम्र क्रमशः 18 और 14 वर्ष निर्धारित की गई।
- **वुड डिस्पैच ऑन एजुकेशन (1854)** ने अन्य बातों के अलावा महिला शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसने तकनीकी विद्यालयों एवं अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं की स्थापना की सिफारिश भी की। वुड डिस्पैच को भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा भी कहा जाता है।

- **अत: विकल्प (c) सही है।**

29. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

अमूर्त धरोहर	राज्य
1. रम्मन	महाराष्ट्र
2. कुटीयट्टम	केरल
3. मुदीयेट्टू	कर्नाटक
4. संकीर्तन	मणिपुर

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 3 और 4
d. केवल 2 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **रम्मन:** यह एक धार्मिक त्योहार और लोकनाट्य है जिसे उत्तराखंड के चमोली ज़िले (गढ़वाल क्षेत्र) के हिंदुओं द्वारा मनाया जाता है। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित नहीं है।**
    - यह भूमियाल देवता (एक स्थानीय देवता) के सम्मान में मनाया जाता है तथा अधिकांश उत्सव इन्ही के मंदिर में होते हैं।
    - एक विशेष जाति/समूह एक विशेष वर्ष के दौरान भूमियाल देवता की मेजबानी करता है।
        - उत्सव में प्रत्येक जाति और व्यावसायिक समूह की एक अलग भूमिका है। इस उत्सव का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है जागर गायन जो कि स्थानीय किंवदंतियों की एक संगीतमय प्रस्तुति है।
    - यह नाट्य, संगीत, ऐतिहासिक पुनर्निर्माण और पारंपरिक मौखिक और लिखित कहानियों का मिश्रण है।
- **कुटियाट्टम:** यह केरल का सर्वाधिक प्राचीन पारंपरिक लोकनाट्य रुप है जो संस्कृत नाटकों की परंपरा पर आधारित है। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।**
    - इसमें ये चरित्र होते हैं- चाक्यार या अभिनेता, नाम्बियार (वादक) तथा नांग्यार (स्त्री पात्र)।
    - सूत्रधार और विदूषक भी कुटियाट्टम के विशेष पात्र हैं।
    - सिर्फ विदूषक को ही बोलने की स्वंतत्रता है। हस्तमुद्राओं तथा आँखों के संचलन पर बल देने के कारण यह नृत्य एवं नाट्य रूप विशिष्ट बन जाता है।
    - इसका प्रदर्शन परंपरागत रूप से कुट्टमपालम नामक रंगमंचों पर किया जाता है, जो कि हिंदू मंदिरों में स्थित होते हैं।
    - **मिझावु** इसमें प्रयुक्त होने वाला प्रमुख वाद्य यंत्र है।

- **मुदीयेट्टू:** केरल के पारंपरिक लोकनाट्य मुदीयेट्टू का उत्सव वृश्चिकम् (नवंबर-दिसंबर) माह में मनाया जाता है । यह प्राय: देवी के सम्मान में केरल के केवल काली मंदिरों में प्रदर्शित किया जाता है। यह असुर दारिका पर देवी भद्रकाली की विजय को चित्रित करता है। अत्यंत साज-सिंगार के आधार पर सात चरित्रों का निरूपण होता है- शिव, नारद, दारिका, दानवेन्द्र, भद्रकाली, कूलि, कोइम्बिदार (नंदिकेश्वर)। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**
- **संकीर्तन:** यह मणिपुर के वैष्णव लोगों में प्रचलित कला है।
    - संकीर्तन में सामूहिक गान के कीर्तन रूप का तथा नृत्य का समन्वय होता है। पुरुष नर्तक नृत्य करते समय पुंग और करताल बजाते हैं।
    - नृत्य का पुरुषोचित पहलू- चोलोम, संकीर्तन परंपरा का एक भाग है। सभी सामाजिक और धार्मिक त्योहारों पर पुंग तथा करताल चोलोम प्रस्तुत किया जाता है।
    - इसका प्रदर्शन मंदिर के केंद्र में किया जाता है। इसमें कलाकार **भगवान कृष्ण** के जीवन और लीलाओं का गीत और नृत्य के माध्यम से मंचन करते है।
    - संकीर्तन के दो मुख्य सामाजिक कार्य हैं:
        - यह उत्सवों के अवसर पर मणिपुर के वैष्णव संप्रदाय को एक साथ लाकर उनके बीच जुडाव का काम करता है।
        - यह समारोहों के माध्यम से व्यक्ति और समुदाय के बीच संबंधों को स्थापित और मज़बूत करता है।
    - इसमें मुख्य रूप से इस्तेमाल किये जाने वाले संगीत वाद्ययंत्र झाँझ और ढोलक हैं। **अत: युग्म 4 सही सुमेलित है।**

यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की प्रतिनिधि सूची में शामिल भारतीय परंपराएँ:

1. वैदिक मंत्रजाप की परंपरा (2008)।
2. रामलीला-रामायण का पारंपरिक प्रदर्शन (2008)।
3. कुडियाट्टम: केरल का सांस्कृतिक नाट्य (2008)।
4. हिमालय के गढ़वाल क्षेत्र का धार्मिक और कर्मकंडीया उत्सव 'रम्मन' (2009)।
5. केरल का कर्मकंडीया नाट्य 'मुदीयेट्टू'। (2010)
6. राजस्थान का लोकगीत एवं नृत्य 'कालबेलिया' (2010)।
7. छऊ नृत्य: पूर्वी भारतीय राज्यों में प्रचलित नृत्य (2010)।
8. लद्दाख का बौद्ध मंत्रजाप (2012)।
9. मणिपुर में गान, नृत्य और ढोल के साथ जाप किया जाने वाला 'संकीर्तन'(2013)।
10. ठठेरों द्वारा पारंपरिक रूप से पीतल और तांबे से निर्मित बर्तनों की कला (2014)।

11. योग (2016)।
12. नवरोज़: पारसी समुदाय का पवित्र त्योहार (2016)।
13. कुम्भ मेला (2017)

30. निम्नलिखित में से कौन-सा/से संगठन भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH) के संरक्षण और प्रचार-प्रसार में शामिल है/हैं?

1. भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण
2. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
3. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage-आईसीएच) के अंतर्गत वे परंपराएँ या जीवित अभिव्यक्तियाँ शामिल हैं जो हमें हमारे पूर्वजों से मिलीं तथा जिन्हें आगे नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाएगा। इनमें मुख्य रूप से शामिल हैं; मौखिक परंपराएं, कलाओं का प्रदर्शन, सामाजिक प्रथाएँ, अनुष्ठान, उत्सव, प्रकृति से संबंधित ज्ञान या रिवाज़ या पारंपरिक वस्तुएँ बनाने का ज्ञान और कौशल इत्यादि।
- संस्कृति मंत्रालय के अतिरिक्त विभिन्न संगठन भी देश में अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्द्धन के लिये प्रयास करते हैं और नियमित योजनाएँ बनाते हैं। आईसीएच के प्रचार व संरक्षण में शामिल कुछ प्रमुख संगठन इस प्रकार हैं:
    - साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी, संगीत नाटक अकादमी
    - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र
    - राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय
    - सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र
    - क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जिनकी संख्या सात हैं)
    - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय
    - भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण

31. 'अमर-नायक प्रणाली' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस प्रणाली की उत्पत्ति विजयनगर साम्राज्य में हुई थी।
2. अमर-नायक नागरिक प्रशासन का हिस्सा थे।
3. वे किसानों, शिल्पकारों और व्यापारियों से कर और अन्य बकाया वसूल करते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर : (a)

व्याख्या:

- अमर-नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य का एक प्रमुख राजनीतिक नवाचार था। संभवत: इस प्रणाली की कई विशेषताएँ दिल्ली सल्तनत की **इक्ता** प्रणाली से ली गई थीं। **अत: कथन 1 सही है।**

- **अमर-नायक सैन्य कमांडर थे** जिन्हें राय द्वारा शासित क्षेत्र दिये जाते थे। विजयनगर के शासक स्वयं को राय कहा करते थे। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- अमर-नायकों के कार्य निम्नलिखित थे:
    - ये उस क्षेत्र में किसानों, शिल्पकारों और व्यापारियों से कर एवं अन्य बकाया राशि एकत्र करते थे। **अतः कथन 3 सही है।**
    - राजस्व का एक भाग वे निजी उपयोग और घोड़ों एवं हाथियों की एक निर्धारित टुकड़ी को बनाए रखने के लिये अपने पास रखते थे। इससे विजयनगर को एक प्रभावी युद्ध बल मिला और वे पूरे दक्षिणी प्रायद्वीप को अपने नियंत्रण में लाने में सफल हो सके।
    - राजस्व के कुछ भाग का उपयोग **मंदिरों के रखरखाव और सिंचाई कार्यों** के लिये भी किया जाता था।
- अमर-नायक राजा को वार्षिक रूप से भेंट भेजते थे और राजा के प्रति अपनी निष्ठा दिखाने हेतु उपहारों के साथ दरबार में उपस्थित होते थे। राजा भी कभी-कभार उनका एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण करके उन पर अपने नियंत्रण का दावा करता था।
    - हालाँकि सत्रहवीं शताब्दी के दौरान इनमें से कई नायकों ने स्वतंत्र राज्य स्थापित किये। इसने साम्राज्य के केंद्रीय ढाँचे के पतन को तेज़ कर दिया।

32. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

कर प्रणाली	उद्देश्य
1. जज़िया	गैर-मुस्लिमों का संरक्षण
2. ज़कात	धार्मिक कार्य हेतु
3. उश्र	रेत कर

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं ?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मध्ययुगीन काल में भारत के तुर्की सुल्तानों द्वारा लगाए गए कुछ महत्त्वपूर्ण कर निम्नलिखित थे:
    - **ज़कात:** यह एक इस्लामिक वित्त से संबंधित शब्द है जिसके अनुसार किसी व्यक्ति को प्रतिवर्ष अपनी आय का एक निश्चित भाग धर्मार्थ कार्यों के लिये दान करना पड़ता है। ज़कात देना मुसलमानों के लिये अनिवार्य है और इसे पूजा का एक रूप माना जाता है। **अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।**
    - **जज़िया:** यह कर गैर-मुस्लिमों पर उनके जीवन और संपत्ति की सुरक्षा

तथा सैनिक कार्यवाहियों में छूट के बदले लगाया जाता था। महिलाओं, बच्चों, गरीबों और ब्राह्मणों को इससे छूट दी जाती थी। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**

- **शराफ:** यह सिंचाई कर था जो उपज का 1/10वाँ भाग होता था। यह फिरोज तुगलक द्वारा लगाया गया था।
- **खराज:** यह हिंदुओं के स्वामित्व वाली भूमि पर लगाया जाने वाला कर था जो उपज के दसवें से आधे हिस्से तक होता था।
- **उश्र:** यह मुस्लिमों की भूमि पर वसूला जाने वाला रेत कर था। यह आमतौर पर कुल उपज के दसवें हिस्से के बराबर होता था। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दिल्ली की सल्तनत में गुलामों की बिक्री और खरीद का प्रचलन था।
2. इक्ता, सैन्य कमांडरों को दी गई भूमि थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो और 1 न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- दिल्ली सल्तनत जैसे विशाल साम्राज्य का एक राज्य के रूप में एकीकरण करने के लिये विश्वसनीय राज्यपालों और प्रशासकों की आवश्यकता थी। राज्यपाल के रूप में सामंतों और जमींदारों को नियुक्त करने के बजाय, प्रारंभिक दिल्ली सुल्तानों, विशेष रूप से इल्तुतमिश ने सैन्य सेवा के लिये खरीदे गए अपने विशेष दासों का प्रयोग किया, जिन्हें फारसी में बंदगान **(Bandagan)** कहा जाता था।
  - बंदगान को सावधानीपूर्वक राज्य के कुछ महत्त्वपूर्ण राजनीतिक कार्यालयों के लिये प्रशिक्षित किया गया था। चूँकि वे अपने मालिक (सुल्तान) पर पूरी तरह से निर्भर थे, इसलिये सुल्तान उन पर विश्वास कर सकता था। **अत: कथन 1 सही है।**
- खिलजी तथा तुगलक शासक बंदगान का अपने शासन में इस्तेमाल करते रहे और साथ ही अपने ऊपर आश्रित कुलीन वर्ग के लोगों को भी ऊँचे राजनीतिक पदों पर नियुक्त करते रहे। ऐसे लोगों को सेनापति और सूबेदार जैसे पद भी दिये जाते थे।
  - गुलाम और आश्रित अपने मालिकों एवं संरक्षकों के प्रति तो वफादार रहते थे मगर उनके उत्तराधिकारियों के प्रति नहीं। नए सुल्तानों के अपने नौकर होते थे। फलस्वरूप किसी नए शासक के सिंहासन पर बैठते ही प्रायः नए और पुराने सरदारों के बीच टकराव शुरू हो जाता था।
- खिलजी और तुगलक शासकों ने सेना नायकों को भिन्न-भिन्न आकार के इलाकों के सूबेदार के

रूप में नियुक्त किया। ये इलाके इक्ता कहलाते थे और इन्हें संभालने वाले अधिकारी 'इक्तादार' या 'मुक्ती' कहे जाते थे। सैनिक अभियानों का नेतृत्व करना तथा अपने इक्ता में कानून और व्यवस्था बनाए रखना मुक्ती का कर्त्तव्य था।

- अपनी सैन्य सेवाओं के बदले वेतन के रूप में मुक्ती अपने इलाकों से राजस्व की वसूली किया करते थे और राजस्व के रूप में मिली रकम से ही वे अपने सैनिकों को भी तनख्वाह देते थे। **अत: कथन 2 सही है।**

34. 'पम्पा, पोन्ना और रन्ना' निम्नलिखित में से किस द्रविड़ साहित्य से संबंधित हैं?

a. तमिल साहित्य
b. तेलगु साहित्य
c. कन्नड़ साहित्य
d. मलयालम साहित्य

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- 10वीं शताब्दी का कन्नड़ साहित्य जैन साहित्य के त्रिरत्न 'पम्पा, पोन्ना और रन्ना' तथा कन्नड़ भाषा के वैयाकरण **नागवर्मा प्रथम** से प्रभावित था।
- पम्पा **आदिकवि** थे, जिन्होंने दो महाकाव्यों- **'विक्रमार्जुन विजय' और 'आदिपुराण'** की रचना की।
  - 'विक्रमार्जुन विजय' महाभारत की पुनर्रचना है जिसके नायक अर्जुन की पहचान कवि के संरक्षक **चालुक्य अरिकेसरी** के रूप में की जाती है।
  - पम्पा के 'आदिपुराण' में जैन नायक-संत **पुरुदेव,** उनके पिछले जीवन, जन्म और विवाह से लेकर मृत्यु, साथ ही उनके पुत्रों **भरत** और **बाहुबली** के जीवन की कहानी वर्णित है।
- **पोन्ना और रन्ना** ने क्रमशः **'शांति पुराण'** और **'अजित पुराण'** की रचना की। ये दोनों कवि **राष्ट्रकूट राजा कृष्ण तृतीय** के दरबार से जुड़े थे। **अत: विकल्प (c) सही है।**

35. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अलवार तमिल भाषी क्षेत्र के शैव संत कवि थे।
2. अंडाल तमिल क्षेत्र के अलवार संतों में से एक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- दक्षिण भारत में वैष्णव आंदोलन बहुत मज़बूत था और 13वीं शताब्दी के अंत तक प्रभावी रहा। अलवार कहे जाने वाले ये संत विष्णु के भक्त थे। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - दक्षिण भारत में **'नयनार' नामक संत कवियों का एक और शक्तिशाली** समूह था जो भगवान शिव के भक्त थे, इसलिये उन्हें शैव कहा जाता था।
- अंडाल 10वीं शताब्दी की एक प्रतिष्ठित तमिल कवयित्रि थीं, जिन्हें भारत के दक्षिणी हिस्सों में एक संत के रूप में याद किया जाता हैं। वे

बारह अलवार संतों में प्रमुख और एकमात्र महिला अलवार संत थीं। **अत: कथन 2 सही है।**

36. श्री वेदांत देशिक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वे कृष्णदेव राय के समकालीन थे।
2. वे दक्षिण भारत में शैव परंपरा के प्रचारक थे।
3. उनका दर्शन समावेशी था जिसमें सभी जाति के लोगों शामिल हो सकते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

02 मई, 2019 को श्री वेदांत देशिक की 750वीं जयंती के अवसर पर एक डाक टिकट जारी किया गया था।

- **श्री वेदांत देशिक** का जन्म सन 1268 ई. में हुआ था और उनकी मृत्यु सन् 1369 ई. में हुई।
    - वे विजयनगर साम्राज्य के कृष्णदेव राय के समकालीन नहीं थे, क्योंकि कृष्णदेव राय का शासनकाल 1509 ई. से 1529 ई. तक था। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
    - **वे श्रीवैष्णव परंपरा के सबसे प्रभावशाली संतों में से एक थे,** न कि शैव परंपरा के। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- उन्होंने **रामानुज के विशिष्टाद्वैत** के दर्शन का अनुसरण किया।
- एक आध्यात्मिक गुरु होने के साथ-साथ **श्री वेदांत देशिक** वैज्ञानिक, तर्कशास्त्री, गणितज्ञ, साहित्यिक प्रतिभा के धनी, भाषाविद्, सैन्य रणनीतिकार भी थे।
- उन्हें **'सर्व-तंत्र-स्वतंत्र'** (सभी कलाओं और शिल्पों में दक्ष), **'कवि-तारिका-केसरी'** (कवियों और तर्कवादियों के बीच सिंह), **रामानुज-दया-पात्रम्** (रामानुज के आशीर्वाद के प्राप्तकर्त्ता) आदि संज्ञाओं से गौरवान्वित किया गया था।
- उन्होंने संस्कृत, तमिल, प्राकृत और मणिप्रवालम (तमिल और संस्कृत का मिश्रण) में उत्कृष्ट कविताएँ, गद्य, नाटक, महाकाव्य, टीकाएँ, वैज्ञानिक ग्रंथ और दार्शनिक ग्रंथ लिखे थे।
    - उन्होंने बीस वर्ष की आयु तक वेदों, वेदांगों, 4000 दिव्य प्रबंध (4,000 तमिल छंदों का संग्रह) और न्याय, वैशेषिक, पूर्व मीमांसा, योग और सांख्य जैसे भारतीय दर्शनों में विशेषज्ञता प्राप्त कर ली थी।
    - परमतभंग और रहस्यत्रयसार **श्री वेदांत देशिक द्वारा** तमिल भाषा में **रचित** मुख्य दार्शनिक ग्रंथ है। पांचरात्ररक्षा नामक कृति में **श्री वेदांत देशिक ने** पांचरात्र धर्म के सिद्धांतों की विवेचना की है तथा उन्होंने गीताभाष्य पर टीकाएँ भी लिखीं।
    - पादुका सहस्रम **श्री वेदांत देशिक द्वारा लिखा गया** एक संस्कृत चित्रकाव्य है।

- उन्होंने कला और विज्ञान के क्षेत्र में रचनाएँ कीं, जैसे:
    - **आहार नियमम्:** स्वस्थ मन और रोग मुक्त जीवन को बनाए रखने में खाद्य पदार्थों की भूमिका की विवेचना।
    - **सुभाषिता नीवी:** यह प्रासंगिक और व्यावहारिक नैतिकतापरक उपदेशों का संग्रह है।
    - **सिलपार्थसारम्:** मूर्तिकला पर एक ग्रंथ।
    - **भूगोल-निर्णयम्:** भूगोल पर एक शोध ग्रंथ।
- उनका दर्शन समावेशन की विचारधारा पर आधारित था, जिसमें सभी जातियों और पंथों के लोग शामिल हो सकते थे। **अत: कथन 3 सही है।**

37. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प 'मुताज़िल' शब्द का सबसे अच्छा वर्णन करता है?

a. तर्कवादी इस्लामी दर्शन।
b. इस्लाम की तीर्थयात्रा परंपरा।
c. अष्टकोणीय आकार का मकबरा।
d. इस्लामिक समाज में उत्तराधिकार की प्रणाली।

उत्तर : (a)

व्याख्या:

इस्लामिक दर्शन में 'मुताज़िल' को तर्कवाद आधारित बुद्धिवादी दर्शन शास्त्र के रूप में जाना जाता है। इसमें कठोर एकेश्वरवाद को स्वीकार किया गया है।

- इस विचारधारा के अनुसार, ईश्वर न्यायप्रिय है और उसका मनुष्य के बुरे कार्यों से कोई लेना-देना नहीं है। इंसान अपनी इच्छा के लिये स्वतंत्र है इसलिये वह अपने कार्यों के लिये स्वयं ज़िम्मेदार हैं।
- वे स्वतंत्र विचारक थे और विधर्मी के रूप में बदनाम थे।
- उन्होंने ईश्वर की पूर्ण एकता (तौहीद) पर बल दिया।
    - इससे, तार्किक रूप से यह निष्कर्ष निकाला गया था कि कुरान को तकनीकी रूप से ईश्वर का शब्द नहीं माना जा सकता है (रूढ़िवादी दृष्टिकोण) क्योंकि ईश्वर का कोई वियोज्य भाग नहीं है।
- मुताज़िल में माना गया कि ईश्वर मनुष्य के लिये केवल अच्छा सोचता है, लेकिन स्वतंत्र इच्छा के माध्यम से मनुष्य अच्छे और बुरे के बीच चयन करता है और इस प्रकार अपने कार्यों के लिये अंततः स्वयं ज़िम्मेदार बन जाता है।
    - जबकि रूढ़िवादी ईश्वर के प्रकोप से चिंतित थे, इनके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को बिना किसी सवाल के खुद को ईश्वर के प्रति समर्पित कर देना चाहिये।
- दसवीं शताब्दी इस्लामिक इतिहास में महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह मुताज़िल या तर्कवादी दर्शन के वर्चस्व की समाप्ति और कुरान एवं हदीस तथा सूफी रहस्यवादी मतों पर आधारित रूढ़िवादी दर्शनों के उदय का समय था।

38. संत ज्ञानेश्वर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वे वीरशैव परंपरा के अनुयायी थे।
2. उन्होंने भगवद्गीता पर एक टीका लिखी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

भारत के उपराष्ट्रपति ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर महाराष्ट्र प्रौद्योगिकी संस्थान (MIT) के विश्व शांति विश्वविद्यालय (MIT-WPU) में दुनिया के सबसे बड़े गुंबद का उद्घाटन किया। गुंबद का नाम 13वीं शताब्दी के संत-कवि और दार्शनिक 'ज्ञानेश्वर' के नाम पर रखा गया है।

- **ज्ञानेश्वर (1275–1296)** 13वीं शताब्दी के मराठा संत एवं दार्शनिक थे।
- वह विठोबा (विट्ठल) के उपासक थे जिन्हें विष्णु का अवतार माना जाता है। वह नाथ योगी परंपरा के अनुयायी थे। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- उन्होंने उपनिषदों और भगवद्गीता से भी प्रेरणा ली।
- उन्होंने भगवद्गीता पर **ज्ञानेश्वरी नाम** से एक टीका और अमृतानुभव नामक पुस्तक लिखी थी। **अत: कथन 2 सही है।**

39. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सुहरावर्दी सिलसिले के संत कठोर तपस्या का पालन करते थे।
2. निजामुद्दीन औलिया का संबंध बा-शारा सूफी मत से था एवं वे यौगिक अभ्यास पर बहुत ज़ोर देते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

सूफी सिलसिलों को प्राय: दो प्रकारों में विभाजित किया जाता है:

- **बा-शारा:** इसे मानने वाले इस्लामी कानून (शरिया) और इसके निर्देशों जैसे नमाज़ और रोज़ा का पालन करते थे। चिश्ती, **सुहरावर्दी**, फिरदौसी, कादरी और नक्शबंदी सिलसिले इसके प्रमुख उदाहरण हैं।
- **बे-शारा:** ये शरिया के नियमों से बँधे नहीं होते थे। कलंदरों का संबंध इसी मत से था।

सुहरावर्दी सिलसिला: इसकी स्थापना शेख शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी ने की थी। भारत में यह शेख बहाउद्दीन ज़कारिया (1182-1262) द्वारा स्थापित किया गया था।

- उन्होंने शाही संरक्षण स्वीकार किया और बहुत सारी संपत्ति अर्जित की, इसलिये उन्होंने तप का जीवन त्याग दिया। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- वे पंजाब, सिंध, कश्मीर और बंगाल के कुछ हिस्सों में लोकप्रिय हो गए। यह शेख रुकनुद्दीन (1335 ईस्वी) के काल में अपने चरम पर पहुँच गया।

चिश्ती सिलसिला: चिश्ती सिलसिले की स्थापना ख्वाजा चिश्ती (हेरात के पास) नामक गाँव में हुई थी। भारत में चिश्ती सिलसिला की स्थापना ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती ने की थी जो आमतौर पर राजकीय शक्तियों से दूर ही रहे। उन्होंने अजमेर को अपनी शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाया।

- वे एक पवित्र और सरल जीवन जीने में विश्वास करते थे और लोगों के साथ उनकी बोली, हिंदवी या हिंदी में बातचीत किया करते थे।
- उनका दर्शन 'सर्वेश्वरवादी अद्वैतवाद' अर्थात् **'वहादत-उल-वजूद'** की अवधारणा पर आधारित था, जो कि वेदांत दर्शन के समान है।
- निजामुद्दीन औलिया एक महान चिश्ती संत थे जिनका जन्म बदायूं में हुआ था।
    - वे बाबा फरीद गंज-शकर (कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के शिष्य) के शिष्य थे।
    - अमीर खुसरो उनके प्रसिद्ध शिष्य थे।
    - उन्होंने प्राणायाम जैसे यौगिक अभ्यासों पर काफी ज़ोर दिया जिससे योगियों ने उन्हें 'सिद्ध' कहा। **अत: कथन 2 सही है।**

40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अमीर खुसरो हिंदुस्तानी संगीत की ख्याल और तराना शैली के प्रवर्तक थे।
2. सितार का आविष्कार मलिक मुहम्मद जायसी ने किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

दिल्ली के अमीर खुसरो मध्यकालीन भारत के महान कवियों में से एक थे।

- उन्होंने अपने समय की दरबारी भाषा 'फारसी' और जनता की भाषा 'हिंदवी' दोनों में लिखा।
    - वही हिंदवी बाद में हिंदी और उर्दू नामक दो सुंदर भाषाओं में विकसित हुई।
- वह प्रसिद्ध सूफी संत हजरत निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे।
- उन्हें गंगा-जमुना तहज़ीब या उस भारतीय संस्कृति के संस्थापक के रूप में याद किया जाता है, जो "मुस्लिम और हिंदू तत्त्वों का संश्लेषण है"।
- खुसरो को तूती-ए-हिंद (भारत की आवाज़) के रूप में भी जाना जाता है।
- खुसरो को सूफियों के भक्ति संगीत के रूप कव्वाली गायन का जनक माना जाता है। उन्होंने ही भारत में गीत की गजल शैली की शुरुआत की।
- उन्होंने 'तुगलकनामा' की रचना की।
- हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दो लोकप्रिय रूप हैं; 'ख्याल' और 'तराना'। माना जाता है कि इनकी शुरुआत अमीर खुसरो द्वारा की गई थी।

अत: कथन सही 1 है।

मलिक मुहम्मद जायसी:

मलिक मुहम्मद जायसी एक भारतीय सूफी कवि थे, जो 15वीं शताब्दी में आम लोगों द्वारा पसंद की जाने वाली भाषा अवधी में अपनी रचनाएँ लिखना पसंद करते थे।

- पद्मावत जायसी की सबसे प्रसिद्ध रचना है। यह अल्लाउद्दीन खिलज़ी द्वारा चित्तौड़ की ऐतिहासिक चढ़ाई और घेराबंदी की कहानी है।
- सितार के आविष्कार का श्रेय अमीर खुसरो को दिया जाता है, न कि मालिक मुहम्मद जायसी को। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

41. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
    1. AI मशीनों में मानव बुद्धिमत्ता के अनुकरण को संदर्भित करता है।
    2. AI 'रोबोटिक ऑटोमेशन' की अवधारणा का पर्याय है।
    3. इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) को राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम स्थापित करने का अधिदेश दिया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) मशीनों में मानव बुद्धि के अनुकरण को संदर्भित करता है जो मनुष्यों की तरह सोचने और उनकी तरह कार्य करने के लिये प्रोग्राम किये जाते हैं। इस शब्द को किसी भी मशीन पर लागू किया जा सकता है जो मानवीय विचार से जुड़े लक्षणों जैसे कि सीखने एवं समस्या सुलझाने से संबंधित है। **अतः कथन 1 सही है।**
- AI हार्डवेयर संचालित रोबोटिक ऑटोमेशन से भिन्न है। रोबोटिक ऑटोमेशन से तात्पर्य ऐसे सॉफ्टवेयर से है, जिन्हें आधारभूत और बार-बार किये जाने वाले कार्यों को करने के लिये आसानी से प्रोग्राम किया जा सकता हैं।
    - रोबोटस प्री-लोडेड प्रोग्रामेबल चिप्स (Preloaded Programmable Chips) के आधार पर अलग-अलग कार्य करते हैं और उनमें सीखने की क्षमता नहीं होती है। लेकिन AI, मशीनों की मानवों की तरह सोचने, सीखने, समझने और कार्य करने की क्षमता है। इसमें मशीन मानव बुद्धि की नकल कर सकने में सक्षम होती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
    - हालाँकि वर्तमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के समिश्रण से आर्टिफिशियली इंटेलिजेंट रोबोट कि अवधारणा का उदय हो रहा है। इसमें रोबोट्स में AI प्रोग्राम्स अंत:स्थापित किये जाते हैं। रोबोट को बुद्धिमान बनाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अहम भूमिका होती है।
- वित्त वर्ष 2018 -2019 के बजट में नीति आयोग को राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम स्थापित करने का अधिदेश दिया गया ताकि नई और उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास का मार्गदर्शन किया जा सके। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

42. वैद्युत अतिचालकता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक ऐसी घटना है जिसमें कुछ पदार्थों का वैद्युत प्रतिरोध पूर्णतया समाप्त हो जाता है।
2. अतिचालकता की स्थिति को बहुत अधिक तापमान पर प्राप्त किया जा सकता है।
3. इससे उपकरणों में ऊर्जा की खपत काफी कम हो जाती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अतिचालकता उस स्थिति को संदर्भित करती है जिसके तहत कुछ पदार्थों का वैद्युत प्रतिरोध कम तापमान पर पूरी तरह से नष्ट हो जाता है अर्थात् उनकी प्रतिरोधकता नष्ट हो जाती है। प्रतिरोध एक गुण है जो विद्युत् प्रवाह को बाधित करता है।
    - वर्ष 1911 में केमरलिंग ओन्स ने कम तापमान पर धातुओं के प्रतिरोध का अध्ययन करते हुए अतिचालकता की घटना की खोज की। उन्होंने पारे का अध्ययन किया क्योंकि आसवन द्वारा इसके शुद्ध नमूने आसानी से प्राप्त किये जा सकते थे।
    - उस समय से, कई धातु तत्वों और अंतर्धात्विक यौगिकों में अतिचालकता पाई गई है और हाल ही में ऑर्गनो मेटैलिक कंपाउंड, सेमीकंडक्टर और सेरामिक में भी इसकी खोज की गई है। **अतः कथन 1 सही है।**
- वर्तमान में अतिचालकता बहुत ही कम तापमान (0°K or -273.15°C) पर देखी जाती है। इसे परम शून्य (Absolute Zero) तापमान कहा जाता है। लेकिन हाल ही में इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (IISc) के वैज्ञानिकों ने कमरे के तापमान पर अतिचालकता की पुष्टि की है। सत्यापित होने के बाद यह खोज एक बड़ी वैज्ञानिक सफलता होगी। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- तांबे या स्टील जैसे सामान्य चालकों के विपरीत अतिचालक पदार्थों में अनिश्चितकाल तक बिना किसी ऊर्जा क्षय के विद्युत ऊर्जा का प्रवाह बना रह सकता है। अंतर्निहित कम प्रतिरोधकता के कारण अतिचालकता आधारित युक्तियों में ऊर्जा क्षय की दर बहुत कम , परिचालन गति उच्च और सुग्राह्यता अत्यंत उच्च होती है। **अत: कथन 3 सही है।**

43. कभी-कभी समाचार में उल्लिखित 'माइक्रोडॉट्स तकनीक' निम्नलिखित में से किससे संबंधित है:

a. वाहनों की पहचान से
b. प्रदूषण नियंत्रण से
c. लेज़र प्रिंटर से
d. परिशुद्ध चिकित्सा से

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- सड़क परिवहन मंत्रालय ने अपने मसौदा नियमों के तहत वाहन निर्माताओं को

माइक्रोडॉट्स तकनीक अपनाने के लिये कहा है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में बनने वाली मशीनों और कलपुर्जों में मौलिकता सुनिश्चित करने के लिये माइक्रोडॉट्स एक लोकप्रिय तकनीक है। माइक्रोडॉट तकनीक में एक विशिष्ट पहचान बनाने के लिये वाहनों या अन्य परिसंपत्तियों पर हज़ारों सूक्ष्म डॉट्स का छिड़काव किया जाता है।

- इन माइक्रोडॉटस को नग्न आँखों से नहीं देखा जा सकता है। इन्हें देखने के लिये सूक्ष्मदर्शी अथवा पराबैंगनी प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। इन माइक्रोडॉटस से वाहन के पंजीकृत मालिक की पहचान निर्धारित करने में सहायता मिलती है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

44. न्यूट्रिनो के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. ये एक इलेक्ट्रोन के समान ऋणात्मक विद्युत आवेश वाले उप-परमाण्विक कण होते हैं।
2. पृथ्वी के भू-गर्भ में तत्वों का रेडियोधर्मी क्षय न्यूट्रिनो का प्राकृतिक स्रोत है।
3. मज़बूत नाभिकीय बल में इसका योगदान होता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- न्यूट्रीनो उप-परमाण्विक कण होते हैं जो एक इलेक्ट्रॉन के समान होते हैं लेकिन इन पर विद्युत आवेश नहीं होता है तथा इनका बहुत कम द्रव्यमान होता है, जो कि शून्य भी हो सकता है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- न्यूट्रिनो ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर मात्रा में पाये जाने वाले कण है। चूँकि ये अन्य किसी पदार्थ के साथ बहत कम पारस्परिक क्रिया करते है, इसलिये इनको खोजना मुश्किल होता है।
- नाभिकीय बल में इलेक्ट्रॉनों और न्यूट्रिनो का व्यवहार एकसमान होता है और दोनों ही मजबूत नाभिकीय बल में भाग नहीं लेते हैं। लेकिन दुर्बल नाभिकीय बल में दोनों समान रूप से भाग लेते हैं। इस गुणधर्म वाले कणों को लेप्टोन कहा जाता है। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- पृथ्वी के भीतर मौलिक तत्त्वों का रेडियोधर्मी क्षय, सूर्य में रेडियोधर्मिता, वायुमंडल और अन्य में ब्रह्मांडीय अंतर्क्रियाएँ आदि न्यूट्रिनों के प्राकृतिक स्रोत हैं। **अतः कथन 2 सही है।**

45. प्राय: समाचारों में देखा जाने वाला 'एम-सेसेशन कार्यक्रम' किससे संबंधित है?

a. तंबाकू नियंत्रण
b. संस्थागत प्रसव
c. बाल श्रम
d. जनसंख्या नियंत्रण

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (World Health Organization- WHO) द्वारा वैश्विक तंबाकू महामारी (Global Tobacco Epidemic)

पर जारी रिपोर्ट में तंबाकू की आदत छोड़ने वालों के संदर्भ में **एम-सेसेशन** (mCessation) कार्यक्रम का उल्लेख किया गया। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2016 में डिजिटल इंडिया पहल के तहत मोबाइल प्रौद्योगिकी आधारित इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी।

- एम-सेसेशन का उद्देश्य उन लोगों तक पहुँच बनाना है जो कि तंबाकू का सेवन छोड़ना चाहते हैं। इस योजना में युवक के मोबाइल फोन पर मैसेज भेजकर उसे तंबाकू छोड़ने की दिशा में प्रेरित किया जाता।
- यह तंबाकू छोड़ने वाले व्यक्तियों और प्रोग्राम विशेषज्ञों के बीच दो-तरफा मैसेजिंग की सुविधा उपलब्ध कराता है और उन्हें बहुआयामी सहायता प्रदान करता है।
- राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (National Tobacco Control Programme) तथा केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (Ministry of Health and Family Welfare) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (International Telecommunication Union) के "Be Healthy, Be Mobile" पहल के सहयोग से इस कार्यक्रम को लागू किया है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

46. इंडोनेशिया में स्थित 'कोमोडो द्वीप' हाल ही में निम्नलिखित में से किस कारण से समाचारों में रहा?

a. क्षेत्र में ज्वालामुखी विस्फोट के लिये
b. निवासियों के बीच हिंसक जातीय संघर्ष के लिये
c. दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण हेतु निवासियों के स्थानांतरण के लिये।
d. वनाग्नि से प्रमुख प्रजातियों के प्राकृतिक आवास नष्ट हो जाने के लिये।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- इंडोनेशियाई सरकार ने दुर्लभ प्रजाति कोमोडो ड्रेगन के संरक्षण के लिये पूर्वी इंडोनेशिया में कोमोडो द्वीप के निवासियों को स्थानांतरित करने का आदेश दिया।
- कोमोडो ड्रैगन छिपकली की सबसे बड़ी जीवित प्रजाति है। यह IUCN की रेड लिस्ट में सुभेद्य श्रेणी के अंतर्गत सूचित है। ड्रैगन में विषाक्त पदार्थों से भरी विष ग्रंथियाँ होती हैं जिससे कम रक्त दाब, गंभीर रक्त स्त्रवण और रक्त स्कंदन में बाधा जैसी स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती है। **अत: विकल्प (c) सही है।**

47. वर्ष 1939 में कॉन्ग्रेस मंत्रिमंडल ने सात प्रांतों में त्यागपत्र दे दिया था, क्योंकि:

a. कॉन्ग्रेस अन्य चार प्रांतों में मंत्रिमंडल नहीं बना पाई थी।
b. कॉन्ग्रेस में 'वामपक्ष' के उदय से मंत्रिमंडल का कार्य करना असंभव हो गया था।
c. उनके प्रांतों में बहुत अधिक सांप्रदायिक अशांति थी।
d. उपर्युक्त कथनों (a), (b) और (c) में से कोई भी सही नहीं है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- उपर्युक्त में से कोई भी कथन सही नहीं है क्योंकि कॉन्ग्रेस मंत्रिमंडलों ने वर्ष 1939 में

इसलिये इस्तीफा दिया क्योंकि उनके सहमति के बिना ही भारत की द्वितीय विश्व युद्ध में भागीदारी तय कर दी गई थी।

- वर्ष 1939 में द्वितीय विश्वयुद्ध प्रारंभ हो गया था, जिसमे एक और मित्र राष्ट्र थे वही दूसरी ओर सर्वसत्तावादी ताकतें थीं। कॉन्ग्रेस यह चाहती थी कि ब्रिटेन यह घोषणा करे कि युद्ध का एकमात्र उद्देश्य साम्राज्यवाद का उन्मूलन होगा और भारत को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा दिया जाएगा, परंतु वायसराय लार्ड लिनलिथगो द्वारा कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया।
- इसके अतिरिक्त, लिनलिथगो ने बिना भारतीयों की अनुमति के यह घोषणा कर दी कि भारत भी जर्मनी के विरुद्ध ब्रिटेन के साथ युद्ध में शामिल है। अतः कॉन्ग्रेस शासित प्रदेशों के मंत्रियों ने कॉन्ग्रेस कार्यसमिति के अनुमति के बाद 28 माह पुराने मंत्रिमंडलों से त्यागपत्र दे दिया।

48. निम्नलिखित में कौन क्रिप्स मिशन के साथ कॉन्ग्रेस के अधिकारिक वार्ताकार थे?

a. महात्मा गाँधी एवं सरदार पटेल
b. आचार्य जे.बी. कृपलानी एवं सी. राजगोपालाचारी
c. पंडित जवाहरलाल नेहरु एवं मौलाना आज़ाद
d. डॉ राजेंद्र प्रसाद एवं रफ़ी अहमद किदवई

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- पंडित जवाहर लाल नेहरु एवं मौलाना आज़ाद क्रिप्स मिशन के साथ कॉन्ग्रेस के आधिकारिक वार्ताकार थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापान की आक्रामक युद्ध नीति व बढ़ती शक्ति से विश्व समुदाय व्यथित हो गया। भारत का सहयोग प्राप्त करने हेतु ब्रिटेन पर बढ़ते दबाव के फलस्वरूप चर्चिल ने क्रिप्स मिशन के घोषणा की।
- **भारत पहुँचने के बाद क्रिप्स मिशन के साथ वार्ता करने हेतु जवाहरलाल नेहरु एवं मौलाना आज़ाद कॉन्ग्रेस के आधिकारिक वार्ताकार थे।** क्रिप्स मिशन ने निम्न प्रावधानों की योजना बनाई-
- युद्ध के बाद ऐसे भारतीय संघ के निर्माण का प्रयत्न किया जाए जिसे पूर्ण डोमिनियन का दर्ज़ा प्राप्त हो। उसे राष्ट्रकुल से भी अलग होने का अधिकार प्राप्त होगा।
- युद्ध के बाद एक संविधान निर्मात्री सभा का गठन किया जाएगा जिसमें ब्रिटिश प्रान्तों के चुने हुए प्रतिनिधि तथा देशी रियासतों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।
- संविधान सभा द्वारा निर्मित संविधान को सरकार दो ही शर्तों पर लागू करेगी -
    - जो अंग्रेजी प्रांत इससे सहमत नहीं हैं, वे पूर्ववत स्थिति में या स्वतंत्र रह सकते है।
    - अल्पसंख्यकों को लेकर संविधान सभा व ब्रिटिश सरकार के मध्य समझौता होगा।
- संविधान निर्माण होने तक भारत की रक्षा का उत्तरदायित्व ब्रिटिश सरकार पर होगा।
- चूँकि ये सभी प्रावधान युद्ध के पश्चात होने थे, अतः कॉन्ग्रेस के साथ-साथ मुस्लिम लीग, हिन्दू महासभा, सिख व दलित जातियों ने भी क्रिप्स

प्रस्ताव का विरोध किया। **अतः विकल्प (c) सही है।**

49. भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के दौरान, निम्नलिखित में से किसने 'फ्री इंडियन लीजन' नामक सेना बनाई?

a. लाला हरदयाल
b. रासबिहारी बोस
c. सुभाष चंद्र बोस
d. वी.डी. सावरकर

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- फ्री इंडियन लीजन सुभाष चंद्र बोस द्वारा बनाई गई एक पैदल सेना रेजिमेंट थी। यह सेना यूरोप में युद्ध और निर्वासित भारतीय कैदियों को संगठित कर बनाई गई थी।
- भारतीय स्वतंत्रता नेता नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिये जर्मन सरकार की मदद से इस सेना का गठन किया था।
- वर्ष 1941 में जर्मनी पहुँचने पर सुभाष चंद्र बोस ने जर्मन विदेश मंत्रालय की सहायता से 'द फ्री इंडिया सेंटर' का गठन किया, जहाँ से वे आज़ादी के पक्ष में पर्चे छपवाते थे तथा भाषण देते थे।
- वर्ष 1942 में उत्तरी अफ्रीका से पकड़ें गए भारतीय युद्धबंदियों को भर्ती कर 10 हज़ार सैनिकों का दल गठित किया जिसे फ्री इंडियन लीजन कहा गया।
- इस सेना को टाइगर सेना के नाम से भी जाना जाता था। **अतः विकल्प (c) सही है।**

50. निम्नलिखित में से किसने वायसराय की कार्यकारी परिषद के पुनर्गठन का सुझाव दिया था जिसमें युद्ध सदस्यों सहित सभी विभाग भारतीय नेताओं द्वारा धारित किये जाने थे?

a. साइमन कमीशन
b. शिमला सम्मेलन
c. क्रिप्स प्रस्ताव
d. कैबिनेट मिशन

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- वायसराय की कार्यकारी परिषद भारत के वायसराय के नेतृत्व वाली ब्रिटिश भारत सरकार की कैबिनेट थी। यह सलाहकार परिषद से एक कैबिनेट में तब्दील हो गई थी, जिसे भारतीय परिषद अधिनियम, 1861 के तहत पोर्टफोलियो प्रणाली द्वारा संचालित किया जा रहा था।
- लॉर्ड वेवेल की पहल पर, एक नई कार्यकारी परिषद (कार्यकारी परिषद का पुनर्गठन) और युद्ध के बाद भारत के लिये एक नए संविधान के प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिये शिमला सम्मेलन का आयोजन किया गया था। **अत: विकल्प (b) सही है।**
- ब्रिटिश भारत में संवैधानिक सुधार का सुझाव देने के उद्देश्य से साइमन कमीशन का गठन वर्ष 1927 में किया गया था। इसका गठन भारत सरकार अधिनियम, 1919 से संबंधित सुधारों पर अध्ययन और रिपोर्ट करने के लिये किया गया था।
- क्रिप्स मिशन (1942) का नेतृत्व सर स्टैफोर्ड क्रिप्स ने किया था, जिन्होंने भारतीय नेताओं

के साथ एक समझौते पर बातचीत करने की मांग की थी। क्रिप्स मिशन का प्रस्ताव था कि भारत में स्वशासन की स्थापना अर्थात युद्ध के बाद भारत को 'डोमिनियन स्टेट्स' दिया जायेगा।

- कैबिनेट मिशन (1946) ब्रिटिश सरकार से भारतीय नेतृत्व को शक्ति हस्तांतरण और इसे स्वतंत्रता प्रदान करने पर चर्चा करने के उद्देश्य से भारत आया था। कैबिनेट मिशन के अनुसार, संविधान सभा के सदस्यों को प्रांतीय विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुना जाना था।

51. निम्नलिखित में से कौन 'होमा खेती' का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

a. यह एक तकनीक है जिसमें पौधों के पोषण के लिये स्रोत के रूप में बेहतर वातावरण का निर्माण किया जाता है।
b. कृषि तकनीकों में पौधों के विकास के लिये जैविक पोषक तत्त्वों का उपयोग किया जाता है।
c. यह मछली पालन की एक तकनीक है जिसमें मछली पालन के लिये कृत्रिम तरीकों का उपयोग किया जाता है।
d. गन्ना उत्पादन में कम पानी का उपयोग कर खेती की एक नई तकनीक विकसित की गई है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- होमा जैविक खेती, **जैविक कृषि के लिये होमा थेरेपी** का एक अनुप्रयोग है।
- होमा जैविक खेती, कृषि की एक प्रणाली है जिसे किसी भी अच्छी जैविक कृषि पद्धति से जोड़ा जा सकता है। होमा जैविक खेती और अन्य जैविक कृषि तकनीकों के बीच मुख्य अंतर यह है कि **होमा खेती वातावरण को पोषण का सबसे महत्त्वपूर्ण स्रोत मानती है,** जबकि किसी भी अन्य कृषि पद्धति में वातावरण लगभग पूरी तरह से उपेक्षित है। होमा थेरेपी के प्राचीन विज्ञान में कहा गया है कि पौधों और मिट्टी को 75% से अधिक पोषण वायुमंडल के माध्यम से मिलता है। **अतः विकल्प (a) सही है।**

52. शून्य बजट प्राकृतिक खेती के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका उद्देश्य पौधों को उगाने और कटाई की लागत को शून्य करना है।
2. यह तकनीक जल उपयोग दक्षता और मिट्टी की उर्वरता दोनों में सुधार कर सकती है।
3. पौधों की वृद्धि के लिये आवश्यक तत्त्व पौधों के जड़ क्षेत्र के आसपास ही उपलब्ध होते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- शून्य बजट प्राकृतिक खेती (ZBNF), अपने नाम के अनुसार, खेती का एक ऐसा तरीका है जहाँ पौधों को उगाने और कटाई करने की लागत शून्य होती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- इसका अर्थ यह है कि किसानों को फसलों के स्वस्थ विकास को सुनिश्चित करने के लिये

उर्वरकों और कीटनाशकों की खरीद करने की आवश्यकता नहीं होती है।

- पौधे के विकास के लिये आवश्यक सभी चीजें पौधों के जड़ क्षेत्र के आस-पास उपलब्ध होती हैं। बाह्य तत्त्वों की आवश्यकता नहीं होती है। शून्य बजट प्राकृतिक खेती (ZBNF) सहित जैविक और प्राकृतिक खेती की तकनीक जल उपयोग दक्षता और मिट्टी की उर्वरता दोनों में सुधार कर सकती है। **अतः कथन 2 और 3 सही हैं।**

53. 'ऊर्जा संक्रमण सूचकांक' निम्नलिखित में से किसके द्वारा जारी किया जाता है?

a. विश्व बैंक
b. विश्व आर्थिक मंच
c. अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी
d. अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- 'ऊर्जा संक्रमण सूचकांक' (Energy Transition Index) विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी किया जाता है। **अतः विकल्प (b) सही है।**
- वैश्विक ऊर्जा संक्रमण सूचकांक 2019 में विश्व की 115 अर्थव्यवस्थाओं की रैंकिंग इस आधार पर की गई है कि वे ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय स्थिरता तथा सामर्थ्य के साथ उपयोग करने में कितनी सक्षम हैं। भारत इस सूचकांक में 76वें स्थान पर पहुँच गया है।

54. सेवा क्षेत्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह क्षेत्र भारत के सकल मूल्य वर्द्धन (GVA) में आधे से अधिक योगदान देता है।
2. हाल के दशकों में सेवा क्षेत्र का विस्तार आनुपातिक रोज़गार पैदा करने में असमर्थ रहा है।
3. सेवा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) का प्रवाह अधिकतम है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- सेवा क्षेत्र भारत के सकल मूल्य वर्द्धन (GVA) का 54 प्रतिशत है।
    - वर्ष 2017-18 में 8.1 प्रतिशत से वर्ष 2018-19 में इसकी विकास दर 7.5 प्रतिशत पर आ गई। **अतः कथन 1 सही है।**
- हाल के दशकों में सेवा क्षेत्र का विस्तार, विशेष रूप से औपचारिक क्षेत्र में, समानुपातिक रोज़गार पैदा करने में असमर्थ रहा है। 2017 में रोज़गार में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत थी। भारत का सेवा क्षेत्र सकल मूल्य वर्द्धन में अपने हिस्से के अनुपात में रोज़गार उत्पन्न नहीं करता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- भारत में कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश इक्विटी प्रवाह का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सेवा क्षेत्र आकर्षित करता है। **अतः कथन 3 सही है।**

55. भुवन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह इसरो का एक भू-पोर्टल है जो सार्वजनिक डोमेन में उपयोगकर्त्ताओं को विज़ुअलाइज़ेशन सेवाएँ और पृथ्वी अवलोकन डेटा प्रदान करता है।
2. यह स्थानीय भाषा में सेवाएँ प्रदान नहीं करता है।
3. यह समय पर आपदा सहायता सेवाएँ भी प्रदान करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- इसरो का भू-पोर्टल, भुवन सार्वज़निक डोमेन में उपयोगकर्त्ताओं को विज़ुअलाइजेशन सेवाएँ और पृथ्वी अवलोकन डेटा प्रदान कर रहा है। इसके अलावा पोर्टल अपनी रिमोट सेंसिंग एप्लिकेशन की ज़रूरतों के लिये कई उपयोगकर्त्ताओं को भी सेवाएँ प्रदान करता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- भुवन एक वेब मैपिंग सेवा है जो उपयोगकर्त्ताओं को पृथ्वी की सतह के 2D/3D प्रतिनिधित्व का पता लगाने की अनुमति देती है। भुवन ब्राउज़र विशेष रूप से भारत की 2D/3D मैपिंग के लिये तैयार किया गया है, इसके सहयोग से हमें उच्च स्तरीय तथा संवेदनशील मानचित्र प्राप्त होते है, यह **चार स्थानीय भाषाओं में सामग्री प्रदान करता** है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- विज़ुअलाइजेशन के अलावा, भुवन समय पर आपदा सहायता सेवाएँ (घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय), मुफ्त उपग्रह डेटा और प्रोडक्ट डाउनलोड सुविधा और समृद्ध विषयगत डेटासेट प्रदान करता है। भुवन अपने नक्शों को समृद्ध करने और ब्याज के आँकड़ों को एकत्र करने के लिये एक क्राउडसोर्सिंग दृष्टिकोण का उपयोग कर रहा है। **अतः कथन 3 सही है।**

56. मानव विकास सूचकांक (HDI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मानव विकास सूचकांक संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा जारी किया गया है।
2. भारत का मानव विकास सूचकांक मूल्य एशियाई और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के समूह में सबसे अधिक है।
3. मानव विकास सूचकांक देश के विकास के आकलन के लिये पूरी तरह से आर्थिक विकास पर ज़ोर देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **मानव विकास सूचकांक (HDI)** को पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब उल हक द्वारा येल विश्वविद्यालय के गुस्ताव रानिस और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के मेघनाद

देसाई की मदद से विकसित किया गया था और बाद में **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)** के मानव विकास रिपोर्ट कार्यालय द्वारा एक देश के विकास को मापने के लिये इसका इस्तेमाल किया गया। **अत: कथन 1 सही है।**

- वर्ष 1990-2017 के बीच भारत के मानव विकास सूचकांक (Human Development Index- HDI) में काफी सुधार हुआ है। देश का **HDI मूल्य 0.427 से बढ़कर 0.640 हो गया है, लेकिन अपने समकक्ष देशों (एशियाई और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं) में इसकी स्थिति अभी भी सबसे न्यून बनी हुई है।** इस सूचकांक में शामिल 189 देशों में भारत 130वें स्थान पर है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- HDI का निर्माण इस बात पर जोर देने के लिये किया गया था कि किसी देश के विकास का आकलन करने के लिये लोगों और उनकी क्षमताओं को अंतिम मानदंड माना जाना चाहिये, न कि केवल आर्थिक विकास को। HDI का उपयोग राष्ट्रीय नीति विकल्पों पर सवाल उठाने के लिये भी किया जा सकता है।
- HDI मानव विकास के प्रमुख आयामों जैसे- एक लंबा और स्वस्थ जीवन, ज्ञान और एक गुणवत्तापूर्ण जीवन स्तर पर औसत उपलब्धि मापन का एक संक्षिप्त और सरल उपाय है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

57. 'भारतनेट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने के लिये यह एक प्रमुख मिशन है।
2. यह परियोजना यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (USOF) द्वारा वित्तपोषित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- भारतनेट 250,000 ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ने के लिये शुरू किया गया एक प्रमुख मिशन है। इसका कार्यान्वयन दूरसंचार विभाग (DoT) के अंतर्गत फरवरी 2012 में गठित विशेष प्रयोजन वाहन भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (BBNL) द्वारा किया जा रहा है। **अतः कथन 1 सही है।**
- परियोजना को यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (USOF) द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। यह कोष दूरसंचार सेवाओं में सुधार के उद्देश्य से स्थापित किया गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
- वर्ष 2015 में राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (NOFN) जिसे अक्तूबर 2011 में लॉन्च किया गया था, का नाम बदलकर भारत नेट प्रोजेक्ट कर दिया गया।

58. निम्नलिखित में से कौन 'लक्ष्य' (LaQshya) पहल का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

a. इसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है।

b. यह प्रसूति कक्ष और मातृत्त्व ऑपरेशन थियेटर में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करने के लिये एक पहल है।

c. यह भारत में आकस्मिक मृत्यु दर को कम करने के लिये शुरू किया गया एक कार्यक्रम है।

d. यह NCR में पर्टिकुलेट मैटर को कम करके हवा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिये एक प्रतिबद्धता है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हाल ही में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने **'लक्ष्य (LaQshya)'** कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य प्रसूति कक्ष/लेबर रूम और मातृत्व ऑपरेशन थियेटर (OT) में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना है।
- यह कार्यक्रम गर्भवती महिलाओं के लिये **प्रसूति कक्ष/लेबर रूम, मातृत्व ऑपरेशन थियेटर और प्रसूति गहन देखभाल इकाइयों (ICU) और उच्च निर्भरता इकाइयों (HDU)** में देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करेगा।
- लक्ष्य (LaQshya) कार्यक्रम सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों, जिला अस्पतालों और पहली परामर्श इकाईयों (FRU) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (CHCs) में कार्यान्वित किया जा रहा है। इससे प्रत्येक गर्भवती महिला के साथ-साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में प्रसव कराने वाली माताएँ भी लाभान्वित होंगी। **अत: विकल्प (b) सही है।**

59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मातृ मृत्यु अनुपात (MMR) निश्चित समयावधि के दौरान प्रति लाख जीवित जन्मों में मातृ मृत्यु की संख्या का अनुपात है।
2. वर्ष 2014-16 में भारत में MMR गिरकर 130 प्रति लाख जीवित जन्म तक पहुँच चुका है।
3. सतत् विकास लक्ष्य-3 का उद्देश्य वर्ष 2030 तक वैश्विक मातृ मृत्यु अनुपात को 70 लाख प्रति जन्म से कम करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2

b. केवल 2

c. केवल 2 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मातृ मृत्यु अनुपात (Maternal Mortality Ratio- MMR) एक निश्चित समयावधि के दौरान मातृ मृत्यु की संख्या का अनुपात है जो एक ही समयावधि के दौरान प्रति 100,000 जीवित जन्मों में होता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- वर्ष 2011-13 में भारत में MMR की दर में 167 प्रति लाख जीवित जन्म में 37 अंकों की गिरावट आई है। तीन साल की अवधि में MMR की दर वर्ष 2014-16 में 130 प्रति लाख जीवित जन्म तक पहुँच गई हैं। वर्ष 1990 और वर्ष 2015 के बीच भारत में MMR की दर में वैश्विक औसत 44% गिरावट की तुलना में 77% की गिरावट आई है। **अत: कथन 2 सही है।**

- सतत् विकास लक्ष्य-3 और लक्ष्य-3.1 का उद्देश्य वैश्विक मातृ मृत्यु दर को 70 प्रति 1,00000 जीवित जन्म तक कम करना है।

अत: कथन 3 सही है।

60. 'जननी योजना' किस राज्य द्वारा शुरू की गई है?

a. उत्तर प्रदेश
b. मध्य प्रदेश
c. केरल
d. गुजरात

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- केरल सरकार की जननी योजना एक अनुकरणीय उदाहरण है जिसने सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में बांझपन के लिये होम्योपैथी उपचार की प्रणाली को लोकप्रिय बनाया है। यह एक पायलट प्रोजेक्ट था। कन्नूर ज़िले में बांझपन से जुड़े मामलों की संख्या 100 से कम थी। लेकिन समय के साथ कन्नूर ज़िला होम्योपैथी अस्पताल में पंजीकृत और इलाज किये जाने वाले बांझपन मामलों की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है।

अत: विकल्प (c) सही है।

61. निम्नलिखित में से कौन-से शहर यूनेस्को के क्रिएटिव सिटी नेटवर्क में सूचीबद्ध हैं?

1. जयपुर
2. वाराणसी
3. हैदराबाद
4. मुंबई
5. अहमदाबाद

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2, 3 और 4
c. केवल 1, 2, 3 और 4
d. 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर:(c)

व्याख्या:

- वर्ल्ड सिटीज़ डे (31 अक्तूबर, 2019) के अवसर पर यूनेस्को ने भारत के मुंबई तथा हैदराबाद समेत विश्व के 66 शहरों को नेटवर्क ऑफ क्रिएटिव सिटीज़ में शामिल कर लिया है।
- **मुंबई को क्रिएटिव सिटी ऑफ फिल्म्स (Creative City of Films) तथा हैदराबाद को क्रिएटिव सिटी ऑफ गैस्ट्रोनॉमी** (पाक कला) (Creative City of Gastronomy) के रूप में नामित किया गया है।
- इससे पूर्व भारत के **चेन्नई (2017) और वाराणसी (2015) को संगीत श्रेणी तथा जयपुर को शिल्प तथा लोककला के श्रेणी (2015)** में शामिल किया जा चुका है।
- नेटवर्क में शामिल शहर अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रों के साथ-साथ नागरिक समाज को शामिल करने हेतु साझेदारी विकसित करने के लिये प्रतिबद्ध होते हैं।
- नेटवर्क ऑफ क्रिएटिव सिटीज़ में सात रचनात्मक क्षेत्र- शिल्प और लोक कला, डिजाइन, फिल्म, पाक-कला, संगीत, मीडिया आर्ट्स और साहित्य शामिल हैं।
- यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क में अब कुल 246 शहर शामिल हैं।

62. भओना (Bhaona) कला के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह बिहार का पारंपरिक कला रूप है।
2. शंकरदेव को इस रचना का श्रेय दिया जाता है।
3. इसका प्रदर्शन भोजपुरी भाषा में किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर:(b)

व्याख्या:

- भओना असम का लोकनृत्य है। यह नव-वैष्णव आंदोलन से संबंधित है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- संत-सुधारक शंकरदेव द्वारा भओना की शुरुआत लगभग 500 वर्ष पहले की गई थी। **अत: कथन 2 सही है।**
- वेशभूषा और आभूषणों से सुसज्जित कलाकारों द्वारा संवादों, गीतों और नृत्यों का प्रदर्शन किया जाता है इसमें सामान्यतः भारी ड्रम और झाँझ बजाते हुए 40-50 लोग शामिल होते हैं।
- इसका कथ्य पौराणिक कथाओं पर आधारित होता है और इसका प्रयोग सत्रिया शास्त्रीय नृत्य में भी किया जाता है।
- प्रारंभ में शंकरदेव ने इसमें गाए जाने वाले गीत (बोरगीत) संस्कृत भाषा में लिखे लेकिन कालांतर में उन्होंने बोरगीत के लिये असमिया और ब्रजावली/ब्रजबुली का उपयोग किया। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
- सामान्यतः इसका मंचन नामघर (मंदिर) और जतरा (वैष्णव मठों) में किया जाता है।
- असम का माजुली क्षेत्र वैष्णव संस्कृति और भओना का केंद्र है।

63. निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प रिडक्टिव प्राइसिंग ऑडिट (Redactive Pricing Audit) का सर्वोत्तम वर्णन करता है?

a. किसी परियोजना के व्यय और परिणाम की दक्षता का मूल्यांकन।
b. नीति/कार्यक्रम के औचित्य का मूल्यांकन।
c. परियोजना के इच्छित लाभार्थी द्वारा परिणाम का मूल्यांकन।
d. प्रकाशन से पहले ऑडिट रिपोर्ट से संवेदनशील जानकारी को हटाना।

उत्तर:(d)

व्याख्या:

- भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) द्वारा रिडक्टिव प्राइसिंग पर रिपोर्ट का हवाला देते हुए राफेल लड़ाकू विमान सौदे के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों के कारण रिडक्टिव प्राइसिंग ऑडिट का मुद्दा चर्चा में रहा।
- रिडक्शन का अर्थ है- प्रकाशन से पहले किसी दस्तावेज़ से संवेदनशील जानकारी को निकाल लेना।
- रिडक्टिव प्राइसिंग ऑडिट के तहत CAG ने पूर्ण वाणिज्यिक विवरणों की जानकारी न देकर सुरक्षा से संबंधित खरीद सौदे के आँकड़ों को चिह्नित किया था ।

64. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'शीथ ब्लाइट' शब्द किससे संबंधित है?

a. यह एक कवक रोग है जो चावल के पौधे को नुकसान पहुँचाता है।
b. यह नीलगिरि पहाड़ियों पर रहने वाले एक चूहे की नई स्थानिक प्रजाति है।
c. यह DRDO द्वारा विकसित हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है।
d. यह चावल की एक नई प्रचलित किस्म है जिसमें पानी की खपत कम होती है।

उत्तर :(a)

व्याख्या:

- 'शीथ ब्लाइट' राइज़ोक्टोनिया सोलानी कवक के कारण चावल में होने वाला एक रोग है।
- शीथ ब्लाइट रोग चावल की फसल की प्रमुख समस्या है जिसके कारण प्रतिवर्ष चावल की फसल में 60 फीसदी तक का नुकसान होता है। इसीलिये स्थायी रूप से इस रोग को नियंत्रित करना एक चुनौती बनी हुई है।
- 'शीथ ब्लाइट' के कारण संक्रमित पत्तियाँ सूख जाती हैं और अधिक तेजी से मरने लगती हैं। इस रोग में नवीन पौध भी नष्ट हो सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप कैनोपी यानी वितान क्षेत्र में पत्तियों का क्षेत्र घटने लगता है जो कम पैदावार का कारण बनता है। **अत: विकल्प (a) सही है।**

65. स्पिटज़र स्पेस टेलीस्कोप के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. इसने शनि के चारों ओर के वलयों का प्रेक्षण किया।
2. इसने अंतरिक्ष में हबल दूरबीन को प्रतिस्थापित किया है।
3. इसे नासा द्वारा वर्ष 2018 में बाह्य अंतरिक्ष क्षेत्र का पता लगाने के लिये लॉन्च किया गया था।

कूट:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- स्पिटज़र स्पेस टेलीस्कोप ने शनि गृह के चारों ओर एक नवीन वलय की खोज की थी। वर्ष 2017 में, इसी टेलीस्कोप ने TRAPPIST-1 तारे के चारों ओर सात ग्रहों की उपस्थिति का भी खुलासा किया था। **अत: कथन 1 सही है।**
- स्पिटज़र स्पेस टेलीस्कोप को नासा द्वारा वर्ष 2003 में लॉन्च किया गया था। लगभग 16 वर्षों बाद स्पिटज़र स्पेस टेलीस्कोप को जनवरी 2020 में बंद कर दिया गया। यह टेलीस्कोप अवरक्त प्रकाश में ब्रह्मांड की खोज के मिशन पर था। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**
    - यह एक अंतरिक्ष-जनित, क्रायोजेनिक इन्फ्रारेड वेधशाला है जो सौर प्रणाली से लेकर ब्रह्मांड की सुदूर पहुँच तक के पिंडों का अध्ययन करने में सक्षम है।
- स्पिटज़र स्पेस टेलीस्कोप नासा के ग्रेट ऑब्जर्वेटरीज़ प्रोग्राम में से अंतिम मिशन है। इस प्रोग्राम में चार अंतरिक्ष आधारित

वेधशालाएँ हैं, जो चार भिन्न प्रकार के प्रकाश में ब्रह्मांड का अवलोकन करती हैं। इस प्रोग्राम के अन्य मिशनों में दृश्य-प्रकाश हबल स्पेस टेलीस्कोप (HST), कॉम्पटन गामा-रे ऑब्जर्वेटरी (CGRO) और चंद्र एक्स-रे ऑब्जर्वेटरी (CXO) भी शामिल हैं। यह हबल टेलीस्कोप को प्रतिस्थापित नहीं करेगा। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

66. हाल ही में समाचारों में देखा गया 'लिब्रा' पद किससे संबंधित है?

a. यह तेंदुए की एक प्रजाति है जो विलुप्त होने के कगार पर है।
b. यह चरम मौसम की स्थिति के लिये चावल सहिष्णु एक नई शुरू की गई प्रजाति है।
c. यह अंटार्कटिका में दुनिया की सबसे बड़ी दूरबीन स्थापित करने की एक वैश्विक परियोजना है।
d. यह फेसबुक द्वारा एक नई शुरू की गई क्रिप्टोकरेंसी है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- फेसबुक ने ई-कॉमर्स तथा वैश्विक भुगतान प्रणाली में कदम रखने के प्रयास के तहत लिब्रा (Libra) नामक क्रिप्टोकरेंसी (Cryptocurrency) लॉन्च करने का निर्णय लिया है।
- लिब्रा ब्लॉकचैन पर आधारित यह क्रिप्टोकरेंसी लिब्रा रिज़र्व (Libra Reserve) द्वारा समर्थित है।
- इसके अलावा फेसबुक कैलिब्रा नामक एक सहायक कंपनी भी लॉन्च कर रहा है जो इसके क्रिप्टो लेन-देन को नियंत्रित करने का कार्य करेगी तथा लिब्रा भुगतान को फेसबुक डेटा के साथ संयुक्त नहीं करेगी। इस प्रकार यह उपयोगकर्त्ताओं के डेटा की गोपनीयता की रक्षा करती है।
- उपयोगकर्त्ता व्हाट्सएप और मैसेंजर सहित फेसबुक के स्वयं के मैसेजिंग एप के ज़रिये भी लिब्रा का उपयोग कर सकते हैं, जिससे इसका उपयोग अधिक सुलभ हो जाता है।
- इस क्रिप्टोकरेंसी का नाम प्राचीन रोम में धन की उत्पत्ति से प्रेरित है, जहाँ लिब्रा सिक्के ढालने के लिये प्रयुक्त वज़न की एक इकाई हुआ करती थी।
- ज्योतिषशास्त्र में 'लिब्रा' को न्याय का प्रतीक माना जाता है और फ्रेंच भाषा में इसका अर्थ 'स्वतंत्रता' है।
- इस नई क्रिप्टो मुद्रा का प्रतीक एक लहर है जो ऊर्जा के संचरण, जल की सीमा रहित प्रकृति तथा व्यक्तियों, स्थानों और धन के बीच की आवाजाही का प्रतिनिधित्व करती है।
- बिटकॉइन,इथेरियम, रिपल और लिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी के अन्य उदाहरण हैं। **अत: विकल्प (d) सही है।**

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. मृदा के स्वरूप और उपज की गुणवत्ता के आधार पर भूमि राजस्व का मूल्यांकन।
2. युद्ध में चलती-फिरती तोपों का उपयोग।
3. तंबाकू और लाल मिर्च की खेती।

उपर्युक्त में से कौन-सी अंग्रेज़ों की भारत को देन थी/थीं?

a. केवल 1

b. केवल 1 और 2

c. केवल 2 और 3

d. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भू-राजस्व की प्रणाली शेरशाह ने शुरू की थी, जिसके तहत एक व्यवस्थित सर्वेक्षण द्वारा भूमि का आकलन और संपूर्ण खेती योग्य भूमि की माप की जाती थी। अकबर के शासन के दौरान, मुगल साम्राज्य में इस प्रणाली को अधिक विस्तृत रूप में लागू किया गया। अकबर ने भूमि की माप के मानकीकरण की प्रणाली का पालन किया जैसे- प्रति बीघा भूमि पर उपज का पता लगाना और उस उत्पाद में राज्य के हिस्से का निर्धारण। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- पानीपत की पहली लड़ाई (1526) में बाबर ने इब्राहिम लोदी की सेना के खिलाफ तोपों का इस्तेमाल किया। राणा सांगा की सेना के खिलाफ वर्ष 1528 में खानवा के युद्ध में बाबर ने इनका इस्तेमाल किया था। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- माना जाता है कि मिर्च मैक्सिकन मूल की है जिसका समय 3500 ईसा पूर्व के आसपास है। यह क्रिस्टोफर कोलंबस द्वारा दुनिया के बाकी हिस्सों में ले जाई गई थी, जिसने वर्ष 1493 में अमेरिका की खोज की थी। बाद में यह पुर्तगाल में लोकप्रिय हुई। 1498 ईस्वी में वास्को-डी-गामा भारतीय तट पर पहुँचा और भारत में मिर्च की शुरुआत की। तंबाकू एक ऐसा पौधा है जो उत्तर और दक्षिण अमेरिका में देशी रूप से उगता है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

68. ब्रह्म समाज के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. इसने मूर्ति पूजा का विरोध किया।
2. धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या के लिये इसने पुरोहित वर्ग को अस्वीकार किया।
3. इसने इस सिद्धांत का प्रचार किया कि वेद त्रुटिहीन हैं।

कूट:

a. केवल 1

b. केवल 1 और 2

c. केवल 3

d. उपर्युक्त सभी

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- अगस्त 1828 में राजा राम मोहन राय ने ब्रह्म सभा की स्थापना की जिसे बाद में 'ब्रह्म समाज' नाम दिया गया।
- ब्रह्म समाज का उद्देश्य अनन्त, अप्राप्य, अपरिवर्तनीय ईश्वर की पूजा और आराधना था।
- इसने मूर्ति पूजा का विरोध किया और पुरोहितवाद और बलि प्रथा से दूरी बनाई। **अत: कथन 1 और 2 सही हैं।**
- इसमें पूजा-प्रार्थना, ध्यान और उपनिषदों के पाठन के माध्यम से की जाती थी।
- आर्य समाज जिसे दयानंद सरस्वती द्वारा स्थापित किया गया था, ने वेदों के त्रुटिहीन होने का हवाला दिया। आर्य समाज के सदस्य एक ईश्वर में विश्वास करते थे और मूर्तियों की

पूजा को अस्वीकार करते थे। ब्रह्म समाज वेदों के त्रुटिरहित होने में विश्वास नहीं करता था।

अत: कथन 3 सही नहीं है।

69. निम्नलिखित में से कौन भारत में उपनिवेशवाद का/के आर्थिक आलोचक था/थे?

1. दादाभाई नौरोजी
2. जी. सुब्रमण्यम अय्यर
3. आर. सी. दत्त

कूट:

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- दादाभाई नौरोजी पहले व्यक्ति थे जिन्होंने कहा था, "भारत में गरीबी का कारण आंतरिक कारक नहीं हैं, बल्कि गरीबी उस औपनिवेशिक शासन के कारण है जो भारत के धन और समृद्धि का बहिर्गमन कर रहा है।"
- वर्ष 1867 में, दादाभाई नौरोजी ने **'धन की निकासी'** के सिद्धांत को सामने रखा, जिसमें उन्होंने कहा था कि ब्रिटिश भारत से धन का निष्कासन हो रहा है। उन्होंने अपनी पुस्तक 'पावर्टी एंड अन-ब्रिटिश रूल इन इंडिया' में इस सिद्धांत का उल्लेख किया।
- रोमेश चंद्र दत्त एक सेवानिवृत्त आईसीएस अधिकारी थे। उन्होंने 20वीं शताब्दी की शुरुआत में **"द इकोनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया"** प्रकाशित की, जिसमें उन्होंने वर्ष 1757 से औपनिवेशिक शासन के संपूर्ण आर्थिक रिकॉर्ड की विस्तार से जाँच की। इसके अलावा उन्होंने अपनी पुस्तक में **ड्रेन थ्योरी** को भी समझाया।
- जी. सुब्रमण्यम अय्यर 'द हिंदू' अखबार के संस्थापक थे। उन्होंने अपनी पुस्तक **"सम इकोनॉमिक आस्पेक्ट्स ऑफ ब्रिटिश रूल इन इंडिया"** प्रकाशित की, जिसमें ब्रिटिश लोगों की आर्थिक नीतियों की आलोचना की गई थी। इस प्रकार तीनों व्यक्तित्वों ने औपनिवेशिक शासन की आर्थिक नीतियों की आलोचना की।

अत: विकल्प (d) सही है।

70. महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858) का/के उद्देश्य क्या था/थे?

1. भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करना।
2. भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश क्राउन के अधीन करना।
3. भारत के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार का नियमन करना।

कूट:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की नीतियों जैसे- व्यपगत का सिद्धांत को कई रियासतों द्वारा उनके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की तरह

देखा गया और यह 1857 के विद्रोह के प्रमुख कारणों में से एक था।

- इस प्रकार रियासतों के भय को दूर करने और विद्रोही सिपाहियों के समर्थक समूह (यानी असंतुष्ट रियासत शासकों) को कमज़ोर करने के लिये 1858 की उद्घोषणा ने रियासतों के संबंध में ब्रिटिश स्थिति को स्पष्ट किया। उद्घोषणा में यह कहा गया कि भविष्य में भारतीय देशी राज्यों का ब्रिटिश साम्राज्य में विलय नहीं किया जाएगा । **अत: कथन 1 सही है।**

- 1858 की उद्घोषणा ने ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन को समाप्त कर दिया और भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश क्राउन के अधीन कर दिया गया। **अत: कथन 2 सही है।**
- इस उद्घोषणा ने भारत पर ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का समापन और ब्रिटिश क्राउन (यानी ब्रिटिश संसद) का प्रत्यक्ष नियंत्रण सुनिश्चित किया। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

71. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. बंग-भंग विरोधी आंदोलन में बंगाल के किसान वर्ग ने भी भाग लिया था।
2. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने वर्ष 1906 में कलकत्ता अधिवेशन में दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में स्वराज को अपना लक्ष्य घोषित किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- दिसंबर 1903 में ब्रिटिश सरकार ने बंगाल विभाजन का निर्णय लिया। इसके कारण बंगाल में विभाजन विरोधी आंदोलन शुरू हो गया।
    - 1903-1905 की अवधि में बंगाल में विभाजन विरोधी आंदोलन का नेतृत्व सुरेंद्रनाथ बनर्जी, के. के. मित्रा और पृथ्वीश चंद्र राय ने किया था।
- विभाजन प्रस्ताव के खिलाफ विरोध को नज़रअंदाज़ करते हुए सरकार ने जुलाई 1905 में बंगाल के विभाजन की घोषणा की।
- इस संबंध में उग्रवादी राष्ट्रवादी यथा- बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, बिपिन चंद्र पाल एवं अरबिंदो घोष का मत था कि विरोध अभियान का प्रसार बंगाल से बाहर पूरे देश में हो तथा इसे विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तक ही सीमित न रखकर पूर्ण स्वतंत्रता संघर्ष के रूप में चलाया जाए जिससे पूर्ण स्वराज्य का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। किंतु इस समय कॉन्ग्रेस में नरमपंथियों का प्रभुत्व था तथा वे इसे बंगाल के बाहर चलाए जाने के पक्ष में नहीं थे।
    - विभाजन विरोधी आंदोलन के लोकप्रिय चरित्र और उग्र राष्ट्रवादियों की राष्ट्रीय आंदोलन को जन-जन तक ले जाने की इच्छा के बावजूद

आंदोलन ने वास्तव में बंगाल के किसानों को प्रभावित नहीं किया। यह पूरे शहर और प्रांत के ऊपरी और निचले मध्यम वर्गों तक सीमित था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- दादाभाई नौरोजी की अध्यक्षता में कलकत्ता (1906) में कॉन्ग्रेस अधिवेशन आयोजित किया गया था। यह घोषित किया गया था कि भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस का लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम या अन्य उपनिवेशों की तरह स्वशासन या स्वराज्य था। **अतः कथन 2 सही है।**

72. वर्ष 1911 में बंगाल विभाजन को निरस्त करने के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विभाजन के निरसन से सभी मुस्लिम बुद्धिजीवी और राजनीतिक अभिजात वर्ग प्रसन्न नहीं थे।
2. यह मुख्य रूप से क्रांतिकारी आतंकवाद को नियंत्रित करने के लिये किया गया था।
3. बंगाल, बिहार और उड़ीसा को पुनः बंगाल प्रेसीडेंसी के तहत एकीकृत किया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 1 और 2
c. केवल 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- विभाजन को रद्द करने का निर्णय कई मुस्लिम बुद्धिजीवियों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के लिये एक कड़ा आघात था। मुसलमानों के लिये राजधानी को दिल्ली में स्थानांतरित करने का भी निर्णय लिया गया था, जो मुस्लिम संस्कृति का एक प्रमुख केंद्र था, किंतु मुस्लिम इस निर्णय से खुश नहीं हुए।
    - सभी बुद्धिजीवी भी इस मुद्दे पर एकमत नहीं थे। उदाहरण के लिये अब्दुल रसूल और बड़ी संख्या में अन्य बंगाली मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने बंगाल के विभाजन के खिलाफ स्वदेशी आंदोलन और घोषणा का सक्रिय समर्थन किया। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन के धीमे पड़ने की पृष्ठभूमि में बंगाल में क्रांतिकारी आतंकवाद का उभार हुआ और बहुत सारे क्रांतिकारी समूह (जैसे-अनुशीलन समिति, युगांतर) उभरे। वर्ष 1911 में बंगाल के विभाजन को रद्द करने का निर्णय मुख्य रूप से बंगाली भावना के तुष्टिकरण और क्रांतिकारी आतंकवाद के खतरे को रोकने के लिये लिया गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
- किंग जॉर्ज की उद्घोषणा (1911) द्वारा पूर्वी बंगाल को बंगाल प्रेसीडेंसी में मिला लिया गया। लेकिन बिहार और उड़ीसा को बंगाल से बाहर निकाल दिया गया और असम को एक अलग प्रांत बना दिया गया। अब बंगाल प्रेसीडेंसी में मुख्य रूप से बांग्ला भाषी क्षेत्र (पूर्वी और पश्चिमी बंगाल) शामिल थे। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**

73. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के संदर्भ में इल्बर्ट बिल विवाद संबंधित है:

a. प्रजातीय भेदभाव के आधार पर न्यायिक अयोग्यता को समाप्त करने से।
b. प्रांतीय सरकारों को वित्तीय शक्ति का अंतरण।
c. सिविल सेवा परीक्षा के लिये आयु कम करना।
d. वर्नाक्यूलर प्रेस पर प्रतिबंध।

उत्तर:(a)

व्याख्या:

इल्बर्ट बिल वर्ष 1883 में भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड रिपन द्वारा पेश किया गया था।

- इस बिल द्वारा **'नस्लीय भेदभाव के आधार पर न्यायिक अयोग्यता' को समाप्त करने का प्रयास** किया गया था।
- इस बिल द्वारा **भारतीय न्यायाधीशों को उन मामलों की सुनवाई करने का भी अधिकार प्रदान कर दिया गया जिनमें यूरोपीय नागरिक शामिल होते थे।**
- इससे पहले यूरोपीय व्यक्तियों से संबंधित मामलों की सुनवाई केवल यूरोपीय न्यायाधीश ही करते थे। यही कारण था कि संपूर्ण यूरोपीय समुदाय ने इस बिल के विरोध में आंदोलन शुरू कर दिया।
    - वस्तुतः यूरोपीय लोगों ने इस आधार पर बिल का विरोध किया कि न्यायालय का कोई भी भारतीय सदस्य यूरोपीय अपराधियों के मामलों की सुनवाई करने के लिये उपयुक्त नहीं है।
    - इसे ही इल्बर्ट बिल विवाद कहा जाता है। इस बिल के अत्यधिक विरोध के चलते वायसराय ने इसे वापस ले लिया था।
- यद्यपि इस बिल का उद्देश्य न्यायपालिका में भारतीय और यूरोपीय सदस्यों के मध्य के अंतर को समाप्त करना था, परंतु बिल के संदर्भ में उपजे विवाद ने भारतीयों को यह विश्वास दिला दिया कि वे ब्रिटिश सरकार से समानता की अपेक्षा नहीं कर सकते हैं।
- हालाँकि यूरोपीय लोगों द्वारा इल्बर्ट बिल को रद्द करने के लिये किये गए संगठित आंदोलन ने राष्ट्रवादियों को अधिकारों और मांगों के लिये आंदोलन करना सिखाया। **अतः विकल्प (a) सही है।**

74. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

आंदोलन/संगठन	नेता
1. पूना सार्वजनिक सभा	एम. जी. रानाडे
2. इंडियन लीग	आनंद मोहन बोस
3. यूनाइटेड इंडियन पैट्रियोटिक एसोसिएशन	सैयद अहमद खान

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

पूना सार्वजनिक सभा: न्यायमूर्ति **महादेव गोविंद रानाडे** ने वर्ष 1867 में बंबई में पूना सार्वजनिक सभा की स्थापना की। **अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।**

- इसने जाति प्रतिबंधों को हटाने, बाल विवाह को खत्म करने, विधवाओं के सिर मुंडवाने, विवाहों और अन्य सामाजिक कार्यों की भारी लागत, महिलाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने तथा विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा देने की मांग की।
- इसने एकेश्वरवाद का समर्थन और मूर्ति पूजा की निंदा की।
- इसमें गणेश वासुदेव जोशी व अन्य प्रमुख नेता शामिल थे।

इंडियन लीग: यह वर्ष 1875 में **शिशिर कुमार घोष** द्वारा "लोगों में राष्ट्रवाद की भावना जागृत करने" और राजनीतिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। **अत: युग्म 2 सुमेलित नहीं है।**

यूनाइटेड इंडियन पैट्रियोटिक एसोसिएशन: यूनाइटेड इंडियन पैट्रियोटिक एसोसिएशन एक राजनीतिक संगठन था जिसकी स्थापना वर्ष 1888 में **सर सैयद अहमद खान और बनारस के राजा शिव प्रसाद सिंह** ने की थी। **अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।**

- इसका गठन भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस का विरोध करने के लिये किया गया था।

75. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान निम्नलिखित में से कौन-से कारकों ने भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा दिया?

1. भारत का राजनीतिक और आर्थिक एकीकरण।
2. पाश्चात्य चिंतन तथा शिक्षा का प्रसार।
3. सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन।
4. भारत के अतीत का पुनः अध्ययन।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

भारत में राष्ट्रवाद का उदय आंशिक रूप से औपनिवेशिक नीतियों एवं अंशत: औपनिवेशिक नीतियों के विरुद्ध प्रतिक्रिया स्वरूप हुआ। वास्तव में भारत में राष्ट्रवाद का उदय किसी एक कारण या परिस्थिति से उत्पन्न न होकर विभिन्न कारकों का सम्मिलित प्रतिफल था:

- देश का राजनीतिक, प्रशासनिक एवं आर्थिक एकीकरण।
  - एक दक्ष कार्यपालिका, संगठित न्यायपालिका तथा संहिताबद्ध फौजदारी एवं दीवानी कानून, जिनका दृढ़ता से क्रियान्वयन होता था, भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक लागू होते थे। इसने भारत की परंपरागत सांस्कृतिक एकता को एक नए प्रकार की राजनैतिक एकता प्रदान की।
  - प्रशासनिक सुविधाओं, सैन्य रक्षा उद्देश्यों, आर्थिक व्यापन तथा व्यापारिक शोषण की बातों को ध्यान में रखते हुए रेलवे, सड़क, बिजली और टेलीग्राम जैसे परिवहन एवं संचार के आधुनिक साधनों का नियोजित विकास किया गया।

- विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के आर्थिक हित आपस में जुड़ गए। जैसे-किसी एक भाग में अकाल पड़ने पर इसका प्रभाव दूसरे भाग में खाद्यानों के मूल्यों, आपूर्ति पर भी होता था।
- यातायात एवं संचार के साधनों के विकास से देश के विभिन्न वर्गों के लोग मुख्यतः नेताओं के बीच आपस में राजनीतिक संपर्क स्थापित हो गया।
- **पाश्चात्य चिंतन तथा शिक्षा का विकास:** आधुनिक शिक्षा प्रणाली के प्रचलन से आधुनिक पाश्चात्य विचारों को अपनाने में मदद मिली जिससे भारतीय राजनीतिक चिंतन को एक नई दिशा प्राप्त हुई।
  - मिल्टन, शीले, जॉन स्टुअर्ट मिल, रूसो, स्पेंसर तथा वाल्टेयर जैसे प्रसिद्ध यूरोपीय लेखकों के अतिवादी और पाश्चात्य विचारों ने भारतीय बुद्धजीवियों को आधुनिक तर्कसंगत, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और राष्ट्रवादी विचारों को अपनाने में मदद की।
  - अंग्रेज़ी के रूप में संपूर्ण राष्ट्र के विभिन्न भाषायी प्रांतों के राष्ट्रवादी नेताओं को एक-दूसरे के साथ संवाद करने हेतु एक भाषा मिली।
- **सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन:** भारतीय समाज को विभाजित करने वाली सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिये हुए सुधार आंदोलनों ने विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने और भारतीय राष्ट्रवाद के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।
- **भारत के अतीत का पुनः अध्ययन:** यूरोपीय इतिहासकारों जैसे-मैक्समुलर, मोनियर विलियम्स, रोथ एवं मैसून तथा विभिन्न भारतीय विद्वानों जैसे-आर.जी. भंडारकर, आर. एल. मित्रा एवं स्वामी विवेकानंद इत्यादि ने भारत की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत का अन्वेषण कर राष्ट्र की एक नई तस्वीर पेश की।
  - यूरोपीय चिंतकों ने व्याख्या दी कि भारतीय तथा यूरोपीय एक ही प्रकार के आर्यों की संतान हैं, उन्होंने शिक्षित भारतीयों को मनोवैज्ञानिक बढ़ावा दिया।
  - स्वाभिमान और आत्मविश्वास ने राष्ट्रवादियों को औपनिवेशिक मिथकों को ध्वस्त करने में मदद की कि भारत में विदेशी शासकों के प्रति दासता का एक लंबा इतिहास रहा है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

76. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के सूरत विभाजन से संबंधित निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं?

1. नरमपंथी, सरकार के साथ सहयोग और विधान परिषद में सुधारों पर चर्चा करने के लिये एकमत थे।
2. स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन के विस्तार को लेकर नरमपंथियों और उग्रपंथियों के बीच मतभेद।
3. उग्रपंथी चाहते थे कि सूरत सत्र में उन प्रस्तावों को पारित किया जाए जिनका कलकत्ता अधिवेशन में नरमपंथियों द्वारा विरोध किया गया था।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वायसराय लॉर्ड मिन्टो और भारत सचिव जॉन मार्ले की अगुवाई में भारत सरकार ने विधानपरिषद में नए सुधारों की पेशकश की और वर्ष 1906 की शुरुआत में कॉन्ग्रेस के उदारवादी नेतृत्व के साथ उनकी चर्चा शुरू हुई।
    - नरमपंथी, सरकार के साथ सहयोग करने और सुधारों पर चर्चा करने के लिये सहमत हुए, जबकि देश में एक जोरदार लोकप्रिय आंदोलन चल रहा था, जिसे सरकार दबाने की कोशिश कर रही थी। परिणामस्वरूप राष्ट्रवादी आपस में बँट गए।
- 1905-1907 के वर्षों में नरमपंथी और उग्रपंथियों के बीच सार्वजनिक बहस और असहमतियों का दौर बना रहा, तब भी जब बंग-भंग विरोध आंदोलन जारी था। उग्रपंथी बंगाल से बाहर देश के बाकी हिस्सों में भी स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन को आगे बढ़ाना चाहते थे।
    - वे विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार को औपनिवेशिक सरकार के साथ किसी भी प्रकार के सहयोग न करने की तरफ ले जाना चाहते थे। नरमपंथी आंदोलन के बहिष्कार वाले हिस्से को बंगाल तक सीमित रखना चाहते थे और इसके सरकार तक विस्तार के लिये सहमत नहीं थे।
- कॉन्ग्रेस के कलकत्ता सत्र (1906) में नरमपंथियों और उग्रपंथियों के बीच मतभेद और गहरे हो गए तथा उनमें कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष पद के लिये आपस में प्रतिस्पर्द्धा होने लगी।
    - नरमपंथियों ने स्वराज, स्वदेशी, विदेशी वस्तुओं और राष्ट्रीय शिक्षा के बहिष्कार के प्रस्तावों का विरोध किया और कलकत्ता सत्र में निर्धारित नीति से हटने का अनुरोध किया। लेकिन उग्रपंथी ऐसा करने के लिये तैयार नहीं थे। **अतः विकल्प (d) सही है।**

77. 'भारतीय परिषद अधिनियम 1892' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय विधानपरिषद में गैर-सरकारी सदस्यों का बहुमत सुनिश्चित हो गया ।

2. इस अधिनियम के माध्यम से प्रतिनिधित्व के सिद्धांत की शुरुआत की गई।
3. इसमें परिषद में बजट पर चर्चा और मतदान का प्रावधान था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

भारतीय परिषद अधिनियम 1892

- केंद्रीय विधानपरिषद और प्रांतीय विधानपरिषद में अतिरिक्त (गैर-सरकारी) सदस्यों की संख्या बढ़ाई गई थी। नई व्यवस्था के अनुसार, केंद्रीय विधानपरिषद में अब अधिकतम 16 और न्यूनतम 10 गैर-सरकारी सदस्य हो सकते थे। हालाँकि विधानपरिषद में अभी भी सरकारी सदस्यों का ही बहुमत बना रहा। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- भारतीय विधानपरिषद के गैर-सरकारी सदस्यों को बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स और प्रांतीय विधानपरिषदों द्वारा नामित किया जाना था।
    - विश्वविद्यालयों, नगर पालिकाओं, ज़मींदारों और चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा सदस्यों की सिफारिश की जा सकती थी। इसलिये इस अधिनियम द्वारा पहली बार प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को स्वीकार किया गया था। **अतः कथन 2 सही है।**
- **बजट पर चर्चा हो सकती थी लेकिन इस पर मतदान नहीं** किया जा सकता था और **न ही इसमें कोई संशोधन प्रस्तुत करने का प्रावधान** था। **अतः कथन 3 सही नहीं है।**
- पूरक प्रश्न नहीं पूछे जा सकते थे और न ही किसी प्रश्न के उत्तर पर चर्चा की जा सकती थी।

78. भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (INC) के लखनऊ अधिवेशन (1916) के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?

a. अधिवेशन की अध्यक्षता अंबिका चरण मजूमदार ने की थी।
b. उग्रपंथियों को कॉन्ग्रेस में पुनः शामिल किया गया।
c. INC और मुस्लिम लीग दोनों ने सरकार के समक्ष संयुक्त संवैधानिक मांगें प्रस्तुत कीं।
d. INC ने पृथक निर्वाचक मंडल के मुद्दे पर मुस्लिम लीग के मत को स्वीकार नहीं किया।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के लखनऊ अधिवेशन की अध्यक्षता उदारवादी नेता अंबिका चरण मजूमदार ने की थी।

INC के इस सत्र की प्रमुख बातें निम्नलिखित थी:

- उग्रपंथी, जो कि सूरत अधिवेशन (1907) के बाद कॉन्ग्रेस से अलग हो गए थे, को INC में पुनः प्रवेश की अनुमति दी गई।
    - नरमपंथी और उग्रपंथियों ने महसूस किया कि विभाजन से देश में राष्ट्रीय आंदोलन की राजनीतिक प्रक्रिया अवरुद्ध हो रही है।

- 1911 में बंगाल विभाजन के निरस्त होने के बाद पुराने विवाद भी निरर्थक हो गए थे।
- एनी बेसेंट और बाल गंगाधर तिलक ने दोनों दलों के बीच एकता के अथक एवं सराहनीय प्रयास किये थे। उदारवादियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए तिलक ने कहा कि वे भारत में प्रशासनिक सुधारों के पक्षधर हैं, न कि पूरे ब्रिटिश सरकार को हटाए जाने के। उन्होंने हिंसात्मक तरीकों को न अपनाने का भी समर्थन किया।

- कॉन्ग्रेस और मुस्लिम लीग एक-दूसरे के करीब आ गये तथा दोनों ने सरकार के समक्ष संयुक्त मांगें प्रस्तुत कीं। ये मांगें निम्नलिखित थी:
  - सरकार शीघ्र भारत में उत्तरदायित्वपूर्ण शासन की घोषणा करे।
  - प्रांतीय व्यवस्थापिकाओं में निर्वाचित भारतीयों की संख्या बढ़ाई जाए तथा उन्हें और अधिक अधिकार प्रदान किये जाएँ।
  - विधानपरिषद का कार्यकाल पाँच वर्ष होना चाहिये।
  - भारत के सचिव के वेतन का भुगतान ब्रिटिश खजाने से किया जाए, न कि भारतीय कोष से।
  - वायसराय और प्रांतीय गवर्नर की कार्यकारिणी परिषद में आधे से अधिक सदस्य भारतीय होने चाहिये।
- कॉन्ग्रेस की उत्तरदायी शासन की मांग को लीग ने स्वीकार कर लिया और **कॉन्ग्रेस ने मुस्लिम लीग के मुसलमानों के लिये पृथक निर्वाचन की व्यवस्था की मांग को स्वीकार कर लिया। अत: विकल्प (d) सही नहीं है।**

79. निम्नलिखित में से किस आंदोलन में गांधीजी ने भारत में विरोध के तरीके के रूप में पहली बार भूख हड़ताल की?

a. चंपारण सत्याग्रह
b. खेड़ा सत्याग्रह
c. अहमदाबाद मिल हड़ताल
d. रौलेट सत्याग्रह

उत्तर:(c)

व्याख्या:

चंपारण सत्याग्रह (1917)- प्रथम सविनय अवज्ञा

बिहार के चंपारण के नील बागान मालिकों के संदर्भ में किसानों की समस्याओं को जानने के लिये गांधीजी ने राजकुमार शुक्ल के आग्रह पर चंपारण का दौरा किया।

- यूरोपीय बागान मालिकों द्वारा किसानों को अपनी कुल भूमि के 3/20वें हिस्से में नील की खेती करने के लिये बाध्य किया जाता था जिसे तिनकठिया पद्धति कहा जाता था।
  - इसके अलावा किसानों को यूरोपीय लोगों द्वारा तय कीमतों पर उपज बेचने के लिये बाध्य किया गया था।
  - फलतः गांधीजी, राजेंद्र प्रसाद, मज़हर-उल-हक, महादेव देसाई, नरहरि पारिख तथा जे.बी. कृपलानी के इस सहयोग से मामले की जाँच करने चंपारण पहुंचे।

- **गांधीजी के चंपारण पहुँचते ही अधिकारियों ने उन्हें तुरंत चंपारण से चले जाने का आदेश दिया। किंतु गांधीजी ने आदेश को मानने से इनकार कर दिया** तथा किसी भी प्रकार के दंड को भुगतने का फैसला किया। सरकार के इस अनुचित आदेश के विरुद्ध गांधीजी द्वारा अहिंसात्मक प्रतिरोध या सत्याग्रह का यह मार्ग चुनना विरोध का सर्वोत्तम तरीका था। अंत में अधिकारियों ने अपना आदेश वापस लेकर गांधीजी को चंपारण में जाने की छूट का निर्देश दिया।
- सरकार ने सभी मामलों की जाँच करने के लिये एक आयोग का गठन किया और गांधीजी को भी इसका सदस्य बनाया।
- गांधीजी आयोग को यह समझाने में सफल रहे कि तिनकठिया पद्धति समाप्त होनी चाहिये और किसानों से अवैध रूप से कि गई वसूली की क्षतिपूर्ति में किसानों को मुआवज़ा दिया जाना चाहिये।

खेड़ा सत्याग्रह (1918)- प्रथम असहयोग

वर्ष 1918 में सूखे के कारण गुजरात के खेड़ा ज़िले में पूरी फसल खराब हो गई। राजस्व संहिता के अनुसार, यदि उपज सामान्य उत्पादन के एक-चौथाई से भी कम हो तो किसानों का राजस्व पूरी तरह माफ किया जाना चाहिये था।

- किसानों ने प्रांत के सर्वोच्च प्रशासनिक अधिकारियों को याचिका प्रस्तुत की जिसमें अनुरोध किया गया कि वर्ष 1919 के राजस्व में छूट दी जाए लेकिन सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया।
- गांधीजी ने किसानों को कर का भुगतान न करने को कहा। खेड़ा ज़िले के युवा अधिवक्ता सरदार वल्लभभाई पटेल तथा कई अन्य समर्पित गांधीवादियों के एक समूह, अर्थात् नरहरि पारिख, मोहनलाल पंड्या और रविशंकर व्यास ने गाँवों में घूम-घूमकर ग्रामीणों को संगठित किया एवं आवश्यक राजनीतिक नेतृत्व किया। पटेल ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कर लगान वसूली के खिलाफ विद्रोह का आयोजन किया जिसका खेड़ा के विभिन्न जातीय और जाति समुदायों ने समर्थन दिया।।

अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)- प्रथम भूख हड़ताल

मार्च 1918 में गांधीजी ने अहमदाबाद के कॉटन मिल मालिकों और मज़दूरों के बीच प्लेग बोनस को लेकर हुए विवाद में हस्तक्षेप किया था। मिल मालिक बोनस वापस लेना चाहते थे।

- श्रमिक अपने वेतन में 50% की वृद्धि की मांग कर रहे थे ताकि वे प्रथम विश्व युद्ध में ब्रिटेन की भागीदारी के कारण होने वाली युद्धकालीन मुद्रास्फीति (जिसमें खाद्यान्न, कपड़ा और अन्य आवश्यकताओं की कीमतें दोगुनी हो गईं) का प्रबंधन कर सकें। मिल मालिक, मज़दूरों को केवल 20% वेतन वृद्धि देने के लिये तैयार थे।
- **गांधीजी ने मज़दूरों को हड़ताल पर जाने और 50% के बजाय 35% वेतन वृद्धि की मांग करने को कहा।** गांधीजी ने मज़दूरों को हड़ताल पर रहते हुए अहिंसक बने रहने की सलाह दी। जब मिल मालिकों से बातचीत आगे नहीं बढ़ी, तो **उन्होंने खुद मज़दूरों के संकल्प को मजबूत**

करने के लिये आमरण अनशन करने का निर्णय लिया।

- उपवास ने मिल मालिकों पर दबाव डालने का भी कार्य किया, जो कि अंततः एक ट्रिब्यूनल के समक्ष यह मुद्दा प्रस्तुत करने के लिये सहमत हुए और हड़ताल वापस ले ली गई। अंत में न्यायाधिकरण ने श्रमिकों को 35% वेतन वृद्धि के भुगतान करने का निर्णय दिया। **अतः विकल्प (c) सही है।**

रौलेट सत्याग्रह(1919)

रौलेट सत्याग्रह ब्रिटिश सरकार के 1919 के अराजक और क्रांतिकारी अपराध अधिनियम को लागू करने की प्रतिक्रिया में किया गया था, जिसे रौलेट एक्ट के नाम से जाना जाता है। गांधीजी ने रौलेट एक्ट के विरोध में देशव्यापी आंदोलन का आह्वान किया।

80. 'गरमपंथी विचारधारा' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसमें स्वराज को राष्ट्रीय आंदोलन का लक्ष्य स्वीकार किया गया था।
2. बाल गंगाधर तिलक इस विचारधारा के एक प्रमुख नेता थे।
3. वे राजनीतिक संघर्ष में जनता की सीमित भागीदारी में विश्वास करते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में राष्ट्रवादियों के एक वर्ग ने राजनीतिक कार्यों एवं आंदोलनों के लिये उग्र तरीके अपनाने पर ज़ोर दिया।
    - इनमें बंगाल के राज नारायण बोस, अश्विनी कुमार दत्त, अरबिंद घोष और बिपिन चंद्र पाल, महाराष्ट्र के विष्णु शास्त्री चिपलूणकर, बाल गंगाधर तिलक एवं पंजाब के लाला लाजपत राय प्रमुख थे।
    - इस उग्र विचारधारा के उत्थान में सबसे अधिक सहयोग बाल गंगाधर तिलक ने दिया। **अतः कथन 2 सही है।**
- विचारधारा के मुख्य सिद्धांत इस प्रकार थे:
    - विदेशी शासन से घृणा। इनसे किसी प्रकार की उम्मीद करना व्यर्थ है, अपने उद्धार के लिये भारतीयों को स्वयं प्रयत्न करना चाहिये।
    - **स्वतंत्रता आंदोलन का मुख्य लक्ष्य स्वराज होना चाहिये। अतः कथन 1 सही है।**
    - राजनीतिक क्रियाकलापों में भारतीयों की प्रत्यक्ष भागीदारी।
    - सत्ता को चुनौती देने में आम लोगों की क्षमता में विश्वास।
    - व्यक्तिगत बलिदान आवश्यक है और एक सच्चे राष्ट्रवादी को इसके लिये हमेशा तैयार रहना चाहिये।
- इस नए नेतृत्व ने स्वतंत्रता संघर्ष को नई दिशा दी एवं भारतीयों की ऊर्जा एवं शक्ति को

स्वतंत्रता प्राप्ति के अभियान से जोड़ दिया।

अतः कथन 3 सही नहीं है।

81. निम्नलिखित में से कौन लाहौर कॉन्ग्रेस अधिवेशन के बाद महात्मा गांधी की ग्यारह मांगों में शामिल नहीं था/थे?

1. आपराधिक गुप्तचर विभाग में सुधार
2. भारतीयों के लिये तटीय यातायात का आरक्षण
3. भारत को डोमिनियन स्टेट का दर्जा
4. नमक कर एवं नमक पर सरकारी एकाधिकार को समाप्त करना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 3
d. 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

लाहौर कॉन्ग्रेस द्वारा दिये गए जनादेश को आगे बढ़ाने के लिये महात्मा गांधी ने सरकार के समक्ष ग्यारह मांगें प्रस्तुत की तथा इन मांगों को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिये सरकार को 31 जनवरी, 1930 तक का समय दिया। ये माँगें इस प्रकार थीं-

- सिविल सेवाओं तथा सेना के व्यय में 50 प्रतिशत की कमी की जाए।
- मादक पदार्थों के विक्रय पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाया जाए।
- **आपराधिक गुप्तचर विभाग पर सार्वजनिक नियंत्रण हो या उसे समाप्त कर दिया जाए।**
- शस्त्र अधिनियम में परिवर्तन कर भारतीयों को आत्मरक्षा हेतु हथियार रखने का लाइसेंस दिया जाए।
- डाक आरक्षण बिल पास किया जाए।
- रुपए की विनिमय दर को घटाकर रुपए और स्टर्लिंग के बीच के अनुपात को 1 शिलिंग 4 पेंस किया जाए।
- वस्त्र उद्योग को संरक्षण प्रदान करना।
- **भारतीयों के लिये तटीय यातायात का आरक्षण।**
- लगान में 50 प्रतिशत की कमी की जाए।
- **नमक कर एवं नमक पर सरकारी एकाधिकार को समाप्त किया जाए।**
- सभी राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाए।

भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने 19 दिसंबर, 1929 को लाहौर अधिवेशन में **'पूर्ण स्वराज' (पूर्ण स्वतंत्रता)** का घोषणा पत्र तैयार कर इसे कॉन्ग्रेस का मुख्य लक्ष्य घोषित किया। **अतः विकल्प (c) सही है।**

इन मांगों के संबंध में सरकार से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण कॉन्ग्रेस कार्यसमिति की बैठक में यह निर्णय गांधीजी पर छोड़ दिया गया कि सविनय अवज्ञा आंदोलन किस मुद्दे को लेकर, कब और कहाँ से शुरू किया जाए।

82. नमक सत्याग्रह से संबंधित व्यक्तित्वों के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

स्थान	व्यक्तित्व
तमिलनाड	सी. राजगोपालाचारी
मालाबार	के. कलप्पन

बिहार	सरोजिनी नायडू

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

a. केवल 1

b. केवल 1 और 2

c. केवल 2 और 3

d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

विभिन्न स्थानों पर नमक सत्याग्रह

- अप्रैल 1930 में **सी. राजगोपालाचारी** ने नमक कानून तोड़ने के लिये **तमिलनाडु** के तंजौर (तंजावुर) तट पर तिरुचिरापल्ली (अंग्रेजों द्वारा इसे त्रिचनापल्ली कहा जाता था) से वेदारण्यम तक की यात्रा प्रारंभ की। **अतः युग्म 1 सही सुमेलित है।**
    - इस आयोजन के बाद विदेशी कपड़ों की दुकानों पर व्यापक रूप से धरना दिया गया, शराब विरोधी अभियान को भी कोयंबटूर, मदुरै, विरुधुनगर, आदि आंतरिक क्षेत्रों में सशक्त समर्थन मिला।
    - यद्यपि सी. राजगोपालाचारी ने आंदोलन को अहिंसक रखने का प्रयास किया परंतु जनता द्वारा हिंसात्मक गतिविधियाँ और पुलिस द्वारा इन गतिविधियों का हिंसक दमन प्रारंभ हो गया।
- **मालाबार में के. कलप्पन** (वायकॉम सत्याग्रह के लिये प्रसिद्ध एक कॉन्ग्रेसी नेता) ने नमक मार्च का आयोजन किया। **अतः युग्म 2 सही सुमेलित है।**
    - केरल कम्युनिस्ट आंदोलन के भावी संस्थापक पी. कृष्णा पिल्लई ने नवंबर 1930 में कालीकट तट पर पुलिस लाठीचार्ज के विरोध में राष्ट्रीय ध्वज की वीरतापूर्वक रक्षा की।
- 21 मई, 1930 को धरासना में **सरोजिनी नायडू, इमाम साहब एवं मणिलाल** (गांधी के बेटे) ने **धरासना साल्ट वर्क्स** पर धावा बोल दिया।
    - निहत्थे और शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज किया गया, जिसमें 2 व्यक्ति मारे गए और 320 लोग घायल हुए। **अतः युग्म 3 सही सुमेलित नहीं है।**
- चंपारण और सारण, बिहार में नमक सत्याग्रह शुरू करने वाले पहले दो ज़िले थे। स्थलाबद्द बिहार में बड़े पैमाने पर नमक का निर्माण व्यावहारिक नहीं था और अधिकांश स्थानों पर यह मात्र प्रतीकात्मक अवस्था में था।
    - **पटना में अंबिका कांत सिन्हा के नेतृत्त्व में** नखास तालाब को नमक बनाने एवं नमक कानून तोड़ने के स्थल के रूप में चुना गया था। हालाँकि शीघ्र ही एक बहुत शक्तिशाली चौकीदारी कर विरोधी आंदोलन ने नमक सत्याग्रह का स्थान ले लिया।

- नवंबर 1930 तक विदेशी वस्त्रों और शराब की बिक्री में प्रभावशाली गिरावट हुई और मुंगेर के बरही क्षेत्र की तरह कई हिस्सों में प्रशासन समाप्त हो गया।

83. गांधी-इरविन समझौते के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. सरकार ने आंदोलन के दौरान गिरफ्तार सभी कैदियों को तुरंत रिहा कर दिया।
2. पुलिस द्वारा किये गए अत्याचार की सार्वजनिक जाँच के लिये समिति गठित की गई।
3. तटवर्ती गाँवों में व्यक्तिगत उपभोग के लिये नमक बनाने की अनुमति दी गई।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- 25 जनवरी, 1931 को **महात्मा गांधी तथा कॉन्ग्रेस कार्यकारिणी समिति** (Congress Working Committee- CWC) के अन्य सभी सदस्यों को बिना शर्त कारावास से रिहा कर दिया गया। कॉन्ग्रेस कार्यकारिणी समिति ने गांधी को वायसराय से चर्चा करने के लिये अधिकृत किया।
- इन चर्चाओं के परिणामस्वरूप 14 फरवरी, 1931 को दिल्ली में ब्रिटिश भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले वायसराय और भारतीय लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले गांधी के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए।
- इस समझौते को **'दिल्ली समझौता'** तथा **'गांधी-इरविन समझौता'** के रूप में भी जाना जाता है। इस समझौते ने कॉन्ग्रेस को सरकार के साथ समान स्तर पर रखा तथा इरविन सरकार की तरफ से निम्नलिखित शर्तों को मानने पर सहमत हुआ-
  - हिंसात्मक अपराधियों के अतिरिक्त अन्य सभी राजनीतिक अपराधियों को रिहा कर दिया जाएगा। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
  - सभी प्रकार के जुर्माने की वसूली को स्थगित कर दिया जाएगा।
  - ऐसी सभी भूमियों को वापिस किया जाएगा जिसे तीसरे पक्ष को नहीं बेचा गया हो।
  - सरकारी सेवाओं से त्यागपत्र दे चुके भारतीयों के मुद्दे पर सहानुभूति पूर्वक विचार विमर्श किया जायेगा।
  - तटीय गाँवों में निश्चित सीमा के भीतर नमक तैयार करने की अनुमति दी जाएगी (व्यक्तिगत उपभोग के लिये न कि बिक्री के लिये)। **अतः कथन 3 सही है।**
  - शांतिपूर्ण और गैर-आक्रामक प्रदर्शन की आज्ञा दी जाएगी।
  - आपातकालीन अध्यादेशों को वापस ले लिया जाएगा।

- यद्यपि वायसराय ने गांधी की निम्नलिखित दो मांगों को अस्वीकार कर दिया-
    - पुलिस द्वारा किये गए अत्याचारों की सार्वजनिक जाँच। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
    - भगत सिंह तथा उनके साथियों की फाँसी की सज़ा को उम्रकैद में परिवर्तित करना।
- कॉन्ग्रेस की ओर से गांधीजी ने निम्नलिखित मांगों को स्वीकार किया-
    - सविनय अवज्ञा आंदोलन को स्थगित कर दिया जायेगा।
    - कॉन्ग्रेस द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में इस शर्त पर भाग लेगी कि सम्मेलन में संवैधानिक मुद्दे के प्रश्नों पर विचार करते समय परिसंघ, भारतीय उत्तरदायित्त्व तथा भारतीय हितों के संरक्षण एवं सुरक्षा के लिये अपरिहार्य मुद्दों (इसके अंतर्गत रक्षा, विदेशी मामले, अल्पसंख्यकों की स्थिति तथा भारत की वित्तीय साख जैसे मुद्दे शामिल होंगे) पर विचार किया जाएगा।

84. कॉन्ग्रेस के कराची अधिवेशन, 1931 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस ने गांधी-इरविन समझौते का समर्थन किया।
2. इस अधिवेशन में मौलिक अधिकारों पर प्रस्ताव स्वीकार किया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

कॉन्ग्रेस का कराची अधिवेशन, 1931

- 29 मार्च 1931 को, गांधी-इरविन समझौते को स्वीकृति प्रदान करने के लिये कराची में कॉन्ग्रेस का एक विशेष सत्र आयोजित किया गया था। **अतः कथन 1 सही है।**
    - इस अधिवेशन से छह दिन पूर्व ही भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को फाँसी दी गई थी।
    - गांधी को अपनी कराची यात्रा के दौरान जनता के तीव्र रोष का सामना करना पड़ा। उनके खिलाफ प्रदर्शन किये गए तथा उन्हें काले झंडे दिखाए गए। **पंजाब नौजवान सभा** ने भगत सिंह एवं उनके साथियों को फाँसी की सज़ा से न बचा पाने के लिये गांधी की तीव्र आलोचना की।
- इस अधिवेशन में **कॉन्ग्रेस ने पहली बार पूर्ण स्वराज को परिभाषित किया** और घोषित किया कि "जनता के शोषण को समाप्त करने के लिये राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ आर्थिक स्वतंत्रता भी आवश्यक है।"
    - किसी भी तरह की राजनीतिक हिंसा का समर्थन न करने की बात को दोहराते हुए भी कॉन्ग्रेस ने तीनों शहीदों की 'वीरता' और 'बलिदान' की प्रशंसा की।

- गांधी-इरविन समझौते या दिल्ली समझौते को मंज़ूरी दी गई।
- पूर्ण स्वराज के लक्ष्य को पुनः दोहराया गया।
- दो मुख्य प्रस्तावों को अपनाया गया जिनमें से एक मौलिक अधिकारों तथा दूसरा राष्ट्रीय आर्थिक कार्यक्रम से संबंधित था। **अतः कथन 2 सही है।**

85. सांप्रदायिक पंचाट के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. दलित वर्ग को अल्पसंख्यक की मान्यता दी गई तथा उनके लिये एक अलग निर्वाचन क्षेत्र की व्यवस्था की गई।
2. बंबई प्रांत में मराठों के लिये सीटें आवंटित की गईं।
3. पूना समझौते द्वारा दलित वर्गों के लिये पृथक निर्वाचक मंडल के विचार को त्याग दिया गया।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री, **रेम्जे मैकडोनाल्ड ने 16 अगस्त, 1932 को 'सांप्रदायिक पंचाट'** की घोषणा की थी। यह भारतीय फ्रैंचाइज समिति (जिसे लोथियन कमेटी भी कहा जाता है) के निष्कर्षों पर आधारित था, जिसमें अल्पसंख्यकों के लिये अलग निर्वाचक मंडल और आरक्षित सीटों की व्यवस्था की गई, जिनमें दलित वर्गों हेतु 78 आरक्षित सीटें भी शामिल थीं।

- इस निर्णय द्वारा मुसलमानों, यूरोपियों, सिखों, भारतीय ईसाइयों, आंग्ल-भारतीयों, **दलित वर्ग** और यहाँ तक कि बंबई प्रांत में सामान्य निर्वाचन क्षेत्र के मराठों हेतु पृथक निर्वाचन की व्यवस्था की गई।

सांप्रदायिक पंचाट के मुख्य प्रावधान:

- मुस्लिम, यूरोपीय, सिख, भारतीय ईसाई, आंग्ल-भारतीय, दलित वर्ग, महिलाएँ, और यहाँ तक कि मराठों हेतु पृथक निर्वाचक मंडल की व्यवस्था की गई। दलित वर्गों के लिये विशेष निर्वाचन की यह व्यवस्था 20 वर्षों के लिये की गई।
- दलित वर्गों को अल्पसंख्यक के रूप में मान्यता दी गई।
  - दलित वर्ग के मतदाताओं के लिये **दोहरी व्यवस्था** की गई। उन्हें सामान्य निर्वाचन क्षेत्रों तथा विशेष निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान का अधिकार दिया गया। **अतः कथन 1 सही है।**
  - **प्रांतीय विधानमंडल में** सांप्रदायिक आधार पर स्थानों का वितरण किया गया।
  - प्रांतीय विधानमंडलों की मौजूदा सीटों को दोगुना किया गया। मुस्लिम जहाँ भी अल्पसंख्यक थे उन्हें महत्त्व दिया गया।

- उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत को छोड़कर सभी प्रांतों में महिलाओं के लिये 3 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई।
- मज़दूरों, जमींदारों, व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिये सीटों का आवंटन किया गया।
- बंबई प्रांत में 7 स्थान मराठों के लिये आरक्षित कर दिये गए। **अतः कथन 2 सही है।**

- 24 सितंबर, 1932 को दलितों की ओर से **बी.आर. अंबेडकर** द्वारा पूना समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। इस **समझौते ने दलित वर्ग के लिये पृथक निर्वाचन मंडल की व्यवस्था को समाप्त कर दिया।**
  - लेकिन प्रांतीय विधानमंडलों में दलितों के लिये आरक्षित सीटों की संख्या 71 से बढ़कर 147 तथा केंद्रीय विधानमंडल में 18 प्रतिशत कर दी गई। सरकार ने पूना समझौते को सांप्रदायिक पंचाट का संशोधित रूप मानकर उसे स्वीकार कर लिया। **अतः कथन 3 सही है।**

86. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये:

1. दिल्ली घोषणा-पत्र
2. नेहरू रिपोर्ट
3. पूर्ण स्वराज को कॉन्ग्रेस के लक्ष्य के रूप में घोषित करना।
4. दिल्ली प्रस्ताव

निम्नलिखित में से कौन उपरोक्त घटनाओं का सही कालानुक्रम है?

a. 4-3-2-1
b. 4-2-1-3
c. 3-4-1-2
d. 2-3-4-1

उत्तर: (b)

व्याख्या:

दिल्ली प्रस्ताव

दिसंबर 1927 में मुस्लिम लीग के दिल्ली अधिवेशन में अनेक प्रमुख मुस्लिम नेताओं ने भाग लिया तथा एक प्रस्ताव पारित किया। इस प्रस्ताव में सम्मिलित चार मांगों को उन्होंने संविधान के प्रस्तावित मसौदे में सम्मिलित किये जाने की माँग की। **कॉन्ग्रेस के मद्रास अधिवेशन (दिसंबर 1927)** में इन मांगों को स्वीकार कर लिया गया तथा इसे **'दिल्ली प्रस्ताव'** की संज्ञा दी गई। इन चार प्रस्तावों में शामिल थे:

1. पृथक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त कर इसके स्थान पर **संयुक्त निर्वाचन पद्धति** की व्यवस्था की जाए, जिसमें कुछ सीटें मुसलमानों के लिये आरक्षित हों।
2. केंद्रीय विधानमंडल में **मुसलमानों के लिये एक तिहाई सीटें** आरक्षित की जाएँ।
3. पंजाब और बंगाल के विधानमंडलों में जनसंख्या के अनुपात में मुसलमानों को प्रतिनिधित्व दिया जाए।
4. **सिंध, बलूचिस्तान** एवं **उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत** नामक **तीन नए मुस्लिम बहुल प्रांतों का गठन** किया जाए।

नेहरू रिपोर्ट

फरवरी 1928 में एक सर्वदलीय सम्मेलन ने संविधान का मसौदा तैयार करने के लिये **मोतीलाल नेहरू** की अध्यक्षता में एक उप-समिति का गठन किया। देश के संविधान का प्रारूप तैयार करने की दिशा में भारतीयों

द्वारा उठाया गया यह पहला बड़ा कदम था। **अगस्त 1928** में इस उप-समिति ने अपनी प्रसिद्ध रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे नेहरु रिपोर्ट के नाम से जाना जाता है।

दिल्ली घोषणा-पत्र

2 नवंबर, 1929 को देश के प्रमुख नेताओं के एक सम्मेलन में **'दिल्ली घोषणापत्र'** जारी किया गया, जिसने गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिये कुछ शर्तें रखीं:

- गोलमेज सम्मेलन का उद्देश्य इस बात पर विचार विमर्श करना नहीं होगा कि किस समय डोमिनियन का दर्जा दिया जाए बल्कि इस बैठक में इसे लागू करने की योजना बनाई जानी चाहिये।
- इस बैठक में कॉन्ग्रेस का बहुमत में प्रतिनिधित्त्व होना चाहिये।
- राजनीतिक अपराधियों को क्षमादान दिया जाए और सुलह की एक सामान्य नीति तय की जाए।

गांधी ने मोतीलाल नेहरू और अन्य राजनीतिक नेताओं के साथ दिसंबर 1929 में लॉर्ड इरविन से मुलाकात की तथा दिल्ली घोषणापत्र से संबंधित आश्वासन के लिये वायसराय से पूछा। वायसराय इरविन ने दिल्ली प्रस्ताव की मांगों को अस्वीकार कर दिया।

कॉन्ग्रेस का लाहौर अधिवेशन

जवाहरलाल नेहरू को दिसंबर 1929 में होने वाले कॉन्ग्रेस के लाहौर अधिवेशन के लिये अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

- इस अधिवेशन में निम्नलिखित प्रमुख निर्णय लिये गए:
    - गोलमेज सम्मेलन का बहिष्कार किया जाएगा।
    - पूर्ण स्वराज को कॉन्ग्रेस ने अपना मुख्य लक्ष्य घोषित किया।
    - कॉन्ग्रेस कार्यसमिति को सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारंभ करने का पूर्ण उत्तरदायित्व सौंपा गया, जिसमे करों का भुगतान नहीं करने जैसे कार्यक्रम सम्मिलित थे और विधानसभाओं के सभी सदस्यों को अपने पदों से त्यागपत्र देने का आदेश दिया गया।
    - 26 जनवरी, 1930 का दिन पूरे राष्ट्र में प्रथम स्वतंत्रता (स्वराज) दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया गया।

87. निम्नलिखित में से कौन नेहरू रिपोर्ट तैयार करने वाली समिति के सदस्य थे?

1. अली इमाम
2. सुभाष चंद्र बोस
3. मंगल सिंह
4. मौलाना आज़ाद
5. तेज बहादुर सप्रू

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1, 2 और 3
c. केवल 1, 2, 3 और 5
d. 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (c)

व्याख्या:

फरवरी 1928 में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई गई और संविधान का मसौदा तैयार करने के लिये मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में एक उप-समिति का गठन किया गया। देश के संविधान का प्रारूप तैयार करने की दिशा

में भारतीयों का यह पहला बड़ा कदम था। अगस्त 1928 में इस-समिति अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

समिति में शामिल थे:

- **तेज बहादुर सप्रू**
- सुभाष चंद्र बोस
- एम. एस. एनी
- **मंगल सिंह**
- अली इमाम
- शोएब कुरेशी
- जी.आर.प्रधान

उप-समिति की मुख्य सिफारिशें इस प्रकार थीं:

- डोमिनियन स्टेटस अथवा पूर्ण औपनिवेशिक राज्य का दर्जा।
- पृथक निर्वाचन प्रणाली को समाप्त किया जाए।
- भाषाई आधार पर प्रांतों का गठन।
- मौलिक अधिकारों की माँग जिसमे महिलाओं को समान अधिकार देना, संघ बनाने की स्वतंत्रता तथा व्यस्क मताधिकार आदि शामिल थे।
- मुसलमानों के धार्मिक एवं सांस्कृतिक हितों का पूर्ण संरक्षण।
- पूर्ण धर्म निरपेक्ष राज्य की स्थापना।

88. साइमन कमीशन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसके गठन का प्रावधान भारत सरकार अधिनियम 1919 में निहित है।
2. इसने द्वैध शासन और सांप्रदायिक निर्वाचन के उन्मूलन की सिफारिश की।
3. संघवादियों और जस्टिस पार्टी ने साइमन कमीशन के विरोध में भाग नहीं लिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 1 और 3
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

नवंबर 1927 में ब्रिटिश सरकार ने अपने नए संविधान के तहत भारत की स्थिति पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये **सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में** सात सदस्यीय वैधानिक आयोग की नियुक्ति की घोषणा की।

- भारत सरकार अधिनियम, 1919 में इसके लागू होने के दस वर्ष पश्चात् एक वैधानिक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान किया गया था जो इस अधिनियम के कार्य की जाँच कर रिपोर्ट करे।
    - संवैधानिक सुधार वर्ष 1929 में होने थे किंतु उस समय ब्रिटेन में कंज़र्वेटिव सरकार सत्ता में थी तथा ब्रिटेन में होने वाले चुनाव में अपनी जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उसने दो वर्ष पहले वैधानिक आयोग नियुक्त कर दिया क्योंकि उसे लेबर पार्टी से हारने की आशंका थी। इस प्रकार तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी ब्रिटेन के सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण उपनिवेश के भविष्य से जुड़े प्रश्न को गैर ज़िम्मेदार लेबर पार्टी के लिये नहीं छोड़ना चाहती थी। **अतः कथन 1 सही है।**
- आयोग ने 1930 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें निम्नलिखित सिफारिशें की गईं थीं:
    - द्वैध शासन का उन्मूलन

- प्रांतों में ज़िम्मेदार सरकार का विस्तार
- ब्रिटिश भारत और रियासतों के एक संघ की स्थापना
- सांप्रदायिक निर्वाचन को जारी रखना। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- भारत में साइमन कमीशन के विरुद्ध त्वरित तथा तीव्र जनरोष पैदा हो गया। भारतीय जनरोष का प्रमुख कारण किसी भी भारतीय को कमीशन का सदस्य न बनाना था।
- इस कमीशन के अंतर्गत भारत में स्वशासन के संबंध में विदेशियों द्वारा निर्णय किया जाना था। चूँकि भारतवासी यह समझते थे कि भारत का संविधान भारतीयों को ही बनाना चाहिये, अतः कमीशन में किसी भी भारतीय सदस्य को शामिल न किये जाने से उन्होंने यह अनुमान लगाया कि अंग्रेज भारतीयों को स्वशासन के योग्य नहीं समझते हैं।
  - हिंदू महासभा तथा मुस्लिम लीग ने कॉन्ग्रेस के साथ मिलकर कमीशन के बहिष्कार की नीति अपनाई।
  - जबकि पंजाब में **संघवादियों (Unionist)** तथा दक्षिण भारत में **जस्टिस पार्टी** ने कमीशन का बहिष्कार न करने का निर्णय किया। **अतः कथन 3 सही है।**

89. कैबिनेट मिशन योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसका कार्य भारत को शांतिपूर्ण सत्ता के हस्तांतरण के लिये उपाय खोजना था।
2. इसके द्वारा पूर्ण पाकिस्तान की मांग को स्वीकार कर लिया गया।
3. इसने प्रांतीय विधानसभाओं को दो वर्गों हिंदू बहुसंख्यक और मुस्लिम बहुसंख्यक में विभाजित किये जाने का सुझाव दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 1 और 2
c. केवल 1 और 3
d. 1. 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- फरवरी 1946 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एटली ने भारत में तीन सदस्यीय (पेथिक लॉरेंस- भारत सचिव; स्टेफर्ड क्रिप्स- व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष; ए.वी. अलेक्जेंडर- फर्स्ट लॉर्ड ऑफ़ एडमिरलिटी के प्रथम लार्ड या नौसेना मंत्री) उच्च स्तरीय शिष्टमंडल भेजने की घोषणा की। इस मिशन को विशिष्ट अधिकार दिये गए तथा इसका कार्य भारत को शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिये उपायों एवं संभावनाओं को तलाशना था। **अतः कथन 1 सही है।**
- इस मिशन ने पूर्ण पाकिस्तान के गठन की मांग को अस्वीकार कर दिया क्योंकि-
  - इस प्रकार गठित पकिस्तान में बड़ी संख्या में गैर-मुस्लिम जनसंख्या (उत्तर-पश्चिम में 38% और पूर्वोत्तर में 48%) उसमें सम्मिलित हो जाती।

- पंजाब एवं बंगाल के विभाजन से क्षेत्रीय संधियाँ खतरे में पड़ सकती थीं।
- विभाजन से आर्थिक एवं प्रशासनिक समस्याएँ खड़ी हो सकती थीं। उदाहरण के लिये- पाकिस्तान के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों के बीच संचार की समस्या।
- सशस्त्र सेनाओं का विभाजन खतरनाक हो सकता था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

- कैबिनेट प्रस्ताव के अनुसार मौजूदा प्रांतीय विधानसभाओं **तीन समूहों में विभाजन** किया जाना था:
  - **समूह- A:** मद्रास, बंबई, मध्य प्रांत, संयुक्त प्रांत, बिहार एवं ओडिशा (हिंदू बहुसंख्यक प्रांत)।
  - **समूह- B:** पंजाब, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत और सिंध (मुस्लिम-बहुसंख्यक प्रांत)
  - **भाग-C:** बंगाल और असम (मुस्लिम बहुसंख्यक प्रांत)।
- मुस्लिम बहुमत सिद्ध होने पर दो समूहों को मुस्लिम बहुल प्रांतों में बाँटा गया जबकि एक समूह हिंदू बहुमत वाले प्रांत का था।

अतः कथन 3 सही नहीं है।

90. भारत छोड़ो आंदोलन शुरू करने के क्या कारण थे?

1. संवैधानिक गतिरोध को हल करने के लिए वेवेल योजना की विफलता।
2. बढ़ती कीमतों और खाद्य पदार्थों की कमी के कारण असंतोष।
3. ब्रिटिश शासन की स्थिरता के प्रति विश्वास में कमी।
4. एक एशियाई शक्ति द्वारा यूरोपीय शक्ति की पराजय।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1, 2, और 3
b. केवल 2 और 3
c. केवल 2, 3 और 4
d. 1, 2, 3, और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

जुलाई 1942 में कॉन्ग्रेस कार्यसमिति ने वर्धा में बैठक की और संघर्ष के गांधीवादी प्रस्ताव को अपनी स्वीकृति दी। बाद में 8 अगस्त, 1942 को बॉम्बे के गवालिया टैंक में कॉन्ग्रेस की बैठक में 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' की पुष्टि की गई। भारत छोड़ो आंदोलन शुरू करने के कई कारण थे:

- **संवैधानिक गतिरोध को हल करने में क्रिप्स मिशन की असफलता** ने संवैधानिक विकास के मुद्दे पर ब्रिटेन के अपरिवर्तित रूख को उजागर कर दिया तथा यह बात स्पष्ट हो गई कि भारतीयों की अधिक समय तक चुप्पी उनके भविष्य को ब्रिटेन के हाथों में सौंपने के समान होगी। इससे अंग्रेज़ों को भारतीयों से विचार-विमर्श किये बिना ही उनके भविष्य निर्धारण का अधिकार मिल जाएगा।
- **मूल्यों में बेतहाशा वृद्धि** तथा चावल, नमक इत्यादि **आवश्यक वस्तुओं के अभाव** से सरकार के विरुद्ध जनता में तीव्र असंतोष था। सरकार ने उड़ीसा व बंगाल के नावों को जापानियों द्वारा दुरुपयोग किये जाने के भय से ज़ब्त कर

लिया था जिसके चलते स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसके अलावा जापानी आक्रमण के भय से ब्रिटिश सरकार ने असम, बंगाल व उड़ीसा में अन्यायपूर्ण भू-नीति का सहारा लिया था, जिसके चलते स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त था।

- दक्षिण-पूर्व एशिया में **ब्रिटेन की पराजय** तथा शक्तिशाली ब्रिटेन के पतन ने भारतीयों में अपने असंतोष को व्यक्त करने का साहस दिया। जापानी सैनिक भारत की सीमाओं के पास पहुँच रहे थे। **ब्रिटिश शासन की स्थिरता में लोगों का विश्वास इतना कम था** कि लोग बैंकों और डाकघरों से जमा राशि निकाल रहे थे।
- बर्मा और मलाया को खाली कराने के ब्रिटिश तौर तरीकों से भी लोगों में असंतोष व्यापत था। सरकार ने यूरोपीय बस्तियाँ खाली करा लीं तथा निवासियों को उनके भाग्य के भरोसे छोड़ दिया। यहाँ भारतीय शरणार्थियों के लिये काली सड़क तथा यूरोपीय शरणार्थियों के लिये सफेद सड़कें बनायी गईं। ब्रिटिश सरकार के इस प्रकार के रवैये से अंग्रेज़ों की प्रतिष्ठा को गहरा आघात लगा तथा उनकी सर्वश्रेष्ठता की मनोवृत्ति उजागर हो गई।
- निराशा के कारण जापानी आक्रमण का जनता द्वारा कोई प्रतिरोध न किये जाने की आशंका से राष्ट्रीय आंदोलन के नेताओं को संघर्ष शुरू करना अपरिहार्य लगने लगा था।

अतः विकल्प (c) सही है।

91. निम्नलिखित में से कौन केंद्र सरकार के राजस्व व्यय का/के घटक है/हैं?

1. कर्मचारियों का वेतन
2. ऋण का भुगतान
3. सब्सिडी
4. शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- व्यय जिससे न तो परिसंपत्ति का निर्माण होता है और **न ही किसी प्रकार की देयता कम होती है,** को राजस्व माना जाता है। यदि इस व्यय से **किसी परिसंपत्ति का निर्माण होता है अथवा देयता कम होती है** तो इसे पूंजीगत व्यय माना जाता है।
- राजस्व व्यय के उदाहरण **सरकारी कर्मचारियों के वेतन,** सरकार द्वारा लिये गए ऋणों पर ब्याज भुगतान, पेंशन, **सब्सिडी,** अनुदान, ग्रामीण विकास, **शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ** आदि हैं।
- **ऋण का भुगतान** एक **पूंजीगत व्यय** है क्योंकि यह देयता को कम करता है। इन व्ययों का भुगतान पूंजीगत प्राप्तियों सहित शेष विश्व के साथ पूंजी अंतरण से प्राप्त राशि से किया जाता है। **अतः विकल्प (d) सही है।**

92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. सरकारी प्रतिभूतियाँ (G-Sec) भारत सरकार का एक वित्तीय दायित्व है जिसके द्वारा वह अपने राजकोषीय घाटे का वित्तपोषण कर सकती है।
2. G-sec केंद्र सरकार या राज्य सरकारों द्वारा जारी किया जाने वाला व्यापार योग्य प्रपत्र है।
3. तेल की कीमतों, घरेलू तरलता और रुपए की विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के कारण G-sec के प्रतिफल में अस्थिरता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- एक सरकारी प्रतिभूति (G-sec) वित्तीय घाटे हेतु धन की व्यवस्था करने के लिये भारत सरकार का एक ऋण दायित्व है। यह व्यापार योग्य उपकरण है और इन्हें केंद्र या राज्य सरकार द्वारा जारी किया जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**
    - इन प्रतिभूतियों को अल्पावधि के साथ-साथ दीर्घावधि के लिये भी जारी किया जा सकता है।
- G-sec में व्यावहारिक रूप से दिवालियेपन का कोई जोखिम नहीं होता है और इसलिये यह जोखिम-रहित उच्च श्रेणी के परिपत्र कहलाते हैं।
- गिल्ट-एडेड सिक्योरिटीज़ उच्च-श्रेणी के निवेश बॉण्ड हैं जो सरकारों और बड़े निगमों द्वारा बाज़ार से धन संग्रहीत करने के उद्देश्य से जारी किये जाते हैं। G-sec केंद्र सरकार या राज्य सरकारों द्वारा जारी किया जाने वाला एक व्यापार योग्य उपकरण है। **अतः कथन 2 सही है।**
- G-sec प्रतिफल अस्थिर होता है और तेल की कीमतों, घरेलू तरलता एवं रुपए की विनिमय दर में उतार-चढ़ाव के आधार पर इन्हें निकटता से ट्रैक किया जाता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के लिये पैदावार के सख्त होने, अमेरिकी ट्रेजरी की पैदावार में बढ़ोतरी, यूएस फेड द्वारा रेट हाइक की रफ्तार और घरेलू महंगाई के जोखिमों को ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है। **अतः कथन 3 सही है।**

93. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाएँ किसी अर्थव्यवस्था में मेरिट गुड्स का उदाहरण है।
2. मेरिट गुड्स में निवेश सामाजिक कल्याण पर सकारात्मक बाह्य कारण और प्लवन प्रभाव पैदा करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2
c. 1 और 2 दोनों
d. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- मेरिट गुड्स ऐसी वस्तुएँ और सेवाएँ हैं, जिनके बारे में सरकार को लगता है कि लोग उनका

कम-उपभोग करेंगे और इन्हें उपयोग की सीमा पर सब्सिडी या मुफ्त सेवाएँ प्रदान करनी चाहिये ताकि इनकी खपत मुख्य रूप से वस्तु या सेवा के लिये भुगतान करने की क्षमता पर निर्भर न हो। मेरिट गुड्स के उदाहरणों में शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, कल्याण सेवाएँ, आवास आदि शामिल हैं। **अतः कथन 1 सही है।**

- उपभोग की गई वस्तुएँ और सेवाएँ सकारात्मक बाह्य कारणों का निर्माण करती हैं जब भस्म और प्लवन प्रभाव सामाजिक कल्याण पर एक महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। **अतः कथन 2 सही है।**

94. आवश्यक वस्तु अधिनियम (ECA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. यह उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तर्कहीन वृद्धि से सुरक्षा प्रदान करता है।
2. इस अधिनियम के तहत वस्तुओं की सूची में केवल खाद्य उत्पाद शामिल हैं।
3. जब आवश्यकता हो तब केंद्र केवल नई वस्तुओं को शामिल कर सकता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2
c. केवल 1 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- एसेंशियल कमोडिटीज़ एक्ट उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तर्कहीन वृद्धि से सुरक्षा प्रदान करता है।
    - सरकार ने पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये अधिनियम को कई बार लागू किया है। यह ऐसे वस्तुओं के जमाखोरी और कालाबाज़ारी करने वालों पर शिकंजा कसता है। **अतः कथन 1 सही है।**
- **आवश्यक वस्तु** अधिनियम के तहत वस्तुओं की सूची में **ड्रग्स, उर्वरक, दालें और खाद्य तेल तथा इसमें पेट्रोलियम एवं पेट्रोलियम उत्पाद** शामिल हैं। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- जब भी आवश्यकता होती है केंद्र नई वस्तुओं को शामिल कर सकता है और स्थिति में सुधार होने पर उन्हें सूची से हटा सकता है।
- अधिनियम के तहत केंद्र के पास ज़रूरत पड़ने पर नई वस्तुओं को शामिल करने की शक्ति है और स्थिति में सुधार (जनहित के मद्देनज़र) होने पर वे उन्हें सूची से हटा सकते हैं। राज्य इस अधिसूचना को लेकर सीमा निर्दिष्ट करते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिये कदम उठाते हैं कि इनका पालन किया जाए। किसी भी वस्तु का व्यापार या व्यवहार करने वाला थोक व्यापारी, खुदरा विक्रेता या फिर आयातक हो, को इसे एक निश्चित मात्रा से परे रखने से रोका जाता है। **अतः कथन 3 सही है।**

95. निम्नलिखित में से कौन-सा/से नमामि गंगे मिशन का/के घटक हैं/हैं?

1. सीवरेज परियोजना प्रबंधन
2. शहरी स्वच्छता

3. पानी की गुणवत्ता
4. पारिस्थितिक तंत्र संरक्षण
5. नदियों को आपस में जोड़ना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1, 2, 3 और 4
d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (c)

व्याख्या:

'नमामि गंगे कार्यक्रम' एक एकीकृत संरक्षण मिशन है, जिसे **राष्ट्रीय नदी गंगा के प्रदूषण, संरक्षण और कायाकल्प के प्रभावी उन्मूलन** के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने हेतु जून 2014 में केंद्र सरकार द्वारा फ्लैगशिप प्रोग्राम के रूप में मंज़ूरी दी गई।

नमामि गंगे मिशन के घटकों में शामिल हैं:

- सीवरेज परियोजना प्रबंधन
- शहरी स्वच्छता
- पानी की गुणवत्ता
- पारिस्थितिक तंत्र संरक्षण
- स्वच्छ गंगा निधि
- पानी की उपयोग क्षमता
- शहरी नदी प्रबंधन
- ग्रामीण स्वच्छता
- सार्वजनिक स्थान के रूप में नदी (River as Public Space)
- औद्योगिक प्रदूषण
- सीवरेज इंफ्रास्ट्रक्चर

नदियों को परस्पर जोड़ना, नमामि गंगे मिशन का घटक नहीं है। राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना (NRLP) को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के रूप में जाना जाता है, जिसमें नदियों को परस्पर जोड़ने की परिकल्पना की गई है। **अतः विकल्प (c) सही है।**

96. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (Extended Producer Responsibility- EPR) उत्पाद से जुड़ी पर्यावरणीय लागतों के लिये ज़िम्मेदारी संभालने की एक रणनीति है।
2. EPR पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के डिज़ाइन के लिये निर्माताओं को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय प्रोत्साहन का उपयोग करती है।
3. निर्माता ज़िम्मेदारी संगठन (Producer Responsibility Organization- PRO) उत्पादकों के जीवन चक्र के बाद अपशिष्ट के संग्रह और सुरक्षित संचालन के लिये उत्तरदायी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 2
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (EPR) किसी उत्पाद के समग्र जीवन-चक्र पूरा होने तक, उससे जुड़ी सभी पर्यावरणीय लागतों को उस उत्पाद के बाज़ार मूल्य से जोड़ने की एक रणनीति है। इसका पर्यावरण संरक्षण रणनीति के रूप में प्रयोग किया जाता है। **अतः कथन 1 सही है।**

- EPR एक नीतिगत दृष्टिकोण है जिसके तहत उत्पादकों को वित्तीय और शारीरिक ज़िम्मेदारी दी जाती है जो पर्यावरण अनुकूल उत्पाद डिज़ाइन को बढ़ावा देने के लिये वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करता है। **अतः कथन 2 सही है।**
- EPR इस सिद्धांत पर आधारित है कि उत्पाद के डिज़ाइन और विपणन पर निर्माताओं का सबसे अधिक नियंत्रण है, साथ ही विषाक्तता और कचरे को कम करने की सबसे अधिक क्षमता और ज़िम्मेदारी है।
- EPR पुन: उपयोग बायबैक या रीसाइक्लिंग कार्यक्रम का रूप ले सकता है। निर्माता इस ज़िम्मेदारी को किसी तीसरे पक्ष, एक तथाकथित निर्माता ज़िम्मेदारी संगठन (PRO) को सौंपने का विकल्प चुन सकता है, जिसका उपयोग निर्माता द्वारा उत्पाद प्रबंधन के लिये किया जाता है।
    - इस तरह EPR सरकारी प्रबंधन से लेकर निजी उद्योग, उत्पादकों, आयातकों और विक्रेताओं को अपने उत्पाद की कीमतों में अपशिष्ट प्रबंधन लागत को कम करने और अपने उत्पादों की सुरक्षित हैंडलिंग सुनिश्चित करने के लिये कचरा प्रबंधन की ज़िम्मेदारी देता है। **अतः कथन 3 सही है।**

97. लैंगिक बजट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. महिला और बाल विकास मंत्रालय (MoWCD) लैंगिक बजट की रणनीति को लागू करने के लिये नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
2. लैंगिक बजट महिलाओं और पुरुषों की विभेदीकृत आवश्यकताओं को पूरा करने की एक प्रक्रिया है।
3. लैंगिक बजट प्रक्रियाओं को मज़बूत करने के लिये मंत्रालयों और विभागों में जेंडर बजट सेल का गठन किया गया है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- नोडल एजेंसी के रूप में **महिला और बाल विकास मंत्रालय (MoWCD)** ने लैंगिक समानता के लिये बजट की मिशन रणनीति को अपनाया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी बजट महिलाओं और पुरुषों की विभेदीकृत आवश्यकताओं के अनुसार योजनाबद्ध हैं और तदनुसार प्राथमिकता दी गई है। **अत: कथन 1 सही है।**
- लैंगिक बजट कानून, नीतियों, योजनाओं, कार्यक्रमों और योजनाओं में लैंगिक-संवेदनशील के निर्माण से संबंधित है; आवंटन और संसाधनों का संग्रह; कार्यान्वयन एवं निष्पादन; कार्यक्रमों तथा योजनाओं की निगरानी, समीक्षा, ऑडिट और प्रभाव का आकलन; एवं लैंगिक असमानताओं को दूर

करने के लिये अनुवर्ती सुधारात्मक कार्रवाई से भी संबंधित है। **अत: कथन 2 सही है।**

- वर्ष 2019-20 के जेंडर बजट स्टेटमेंट में, 30 मंत्रालयों/विभागों ने महिलाओं के घटक के साथ योजना होने की सूचना दी, जो कुल केंद्रीय बजट का लगभग 5% है। इसके अलावा 57 मंत्रालयों/विभागों ने लैंगिक बजट प्रक्रियाओं को संस्थागत और मज़बूत बनाने के लिये जेंडर बजट सेल का गठन किया है। पिछले 3 वित्तीय वर्षों के दौरान 4,500 से अधिक सरकारी अधिकारियों को इस योजना के तहत प्रशिक्षित किया गया है। **अत: कथन 3 सही है।**

98. आयुष्मान भारत योजना कार्यक्रम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह माध्यमिक और तृतीयक देखभाल सुविधाओं में मुफ्त, गुणवत्ता तथा कैशलेस स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिये शुरू की गई एक स्वास्थ्य बीमा योजना है।
2. लाभार्थियों का समावेशन गरीबी रेखा से नीचे (BPL) डेटा के आधार पर तय किया जाता है।
3. इसका उद्देश्य व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिये स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों का निर्माण करना है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1 और 3
b. केवल 2
c. केवल 2 और 3
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपए प्रतिवर्ष का परिभाषित लाभ कवर प्रदान किया जाता है। आवश्यकता पड़ने पर सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में इस योजना के तहत मुफ्त इलाज उपलब्ध है। इस योजना के तहत केवल माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल शामिल हैं। यह योजना सार्वजनिक तथा निजी अस्पतालों में कैशलेस और पेपरलेस होगी। लाभार्थियों को अस्पताल में भर्ती करने के लिये कोई शुल्क नहीं देना होगा। **अतः कथन 1 सही है।**
- परिभाषित मानदंडों के अनुसार सामाजिक-आर्थिक जातिगत जनगणना (SECC) डेटाबेस में सूचीबद्ध सभी परिवारों को इस योजना के तहत कवर किया जाएगा। परिवार के आकार और सदस्यों की उम्र की कोई निर्धारित सीमा नहीं है। योजना के तहत बालिकाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता दी जाती है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- इस योजना का पहला घटक 1,50,000 स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के निर्माण से संबंधित है, जो लोगों के घरों के निकट ही स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएँ उपलब्ध कराएगा। ये केंद्र मातृ एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं तथा गैर-संचारी रोगों दोनों को कवर करते हुए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (CPHC) उपलब्ध कराएंगे, जिसमें निःशुल्क आवश्यक

दवाएँ और नैदानिक सेवाएँ शामिल हैं। **अतः कथन 3 सही है।**

99. भारत में भूमि जोत के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. परिचालन जोत वह भूमि होती है, जो पूरी तरह से या आंशिक रूप से कृषि उत्पादन के लिये उपयोग की जाती है और एक व्यक्ति द्वारा एक तकनीकी इकाई के रूप में संचालित की जाती है।
2. पिछले कुछ वर्षों में परिचालन भूमि जोत में कमी आई है।
3. इसी अवधि के दौरान महिलाओं द्वारा खेती की जाने वाली परिचालन जोत की हिस्सेदारी भी बढ़ी है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 3
d. उपरोक्त सभी

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सभी भूमि जो कि कृषि उत्पादन के लिये पूर्णतः या आंशिक रूप से उपयोग की जाती है और शीर्षक, कानूनी रूप, आकार या स्थान के संबंध में अकेले एक व्यक्ति द्वारा या दूसरों के साथ एक तकनीकी इकाई के रूप में संचालित की जाती है। **अतः कथन 1 सही है।**
- परिचालन जोत की संख्या यानी, कृषि उपयोग के लिये भूमि, वर्ष 2010-11 में 13.8 करोड़ से बढ़कर वर्ष 2015-16 में 14.6 करोड़ हो गई, इस प्रकार 5.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- महिलाओं द्वारा खेती की जाने वाली परिचालन जोत की हिस्सेदारी वर्ष 2005-06 में 11.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2015-16 में 13.9 प्रतिशत हो गई है। **अतः कथन 3 सही है।**

100. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 1 हेक्टेयर से कम परिचालन जोत वाले किसान, सीमांत किसान होते है।
2. वर्ष 2015-16 के दौरान कुल परिचालन भू-जोतों में सीमांत किसानों की हिस्सेदारी बढ़ी है।
3. परिचालन जोत में बड़ी भूमि की हिस्सेदारी बढ़ गई है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a. केवल 1
b. केवल 2 और 3
c. केवल 1 और 2
d. 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- सीमांत किसान का अर्थ है (मालिक, किराएदार या साझेदार के रूप में) 1 हेक्टेयर (2.5 एकड़) तक की कृषि भूमि पर खेती करने वाला किसान। **अतः कथन 1 सही है।**
- कुल परिचालन जोत में सीमांत जोत (1 हेक्टेयर से कम) की हिस्सेदारी **वर्ष 2000-01 में 62.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2015-16 में 68.5 प्रतिशत हो गई,** जबकि इस अवधि के दौरान छोटी होल्डिंग (1 हेक्टेयर से 2

हेक्टेयर) की हिस्सेदारी 18.9 प्रतिशत से घटकर 17.7 प्रतिशत हो गई। **अतः कथन 2 सही है।**

- बड़ी जोत (4 हेक्टेयर से ऊपर) 6.5 प्रतिशत से घटकर 4.3 प्रतिशत हो गई। सीमांत और छोटी जोत द्वारा संचालित क्षेत्र वर्ष 2000-01 में 38.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2015-16 में 47.4 प्रतिशत हो गया, जबकि **इस अवधि के दौरान बड़ी जोत 37.2 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो गई। अतः कथन 3 सही नहीं है।**